हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

रांची, गुरुवार, 17 जुलाई, 2025 वर्ष : 13 अंक : 58 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

राहुल बोले- जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले: पीएम मोदी को लेटर... | संसद का मानसून सत्र इस बार आर या पार | टेस्ला भारत में 8 चार्जिंग स्टेशन लगाएगी: इनमें एक बार में...

संक्षिप्त खबरें

आरबीआई के नकदी उपायों से 2025 में सस्ते होंगे ऋण: फिच

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी डालने और नकद-आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कटौती जैसे कदमों से 2025 में ब्याज दरों में संभावित एक फीसदी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंच पाएगा। फिच ने बताया कि आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के जरिए 2025 में अब तक करीब 5.6 लाख करोड़ रुपये की टिकाऊ नकदी प्रणाली में डाली है, जिससे मार्च के बाद से बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी देखने को मिल रही है। इसके अलावा, आरबीआई ने सीआरआर में एक फीसदी की कटौती का निर्णय लिया है, जिससे चरणबद्ध तरीके से लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी बाजार में आएगी। सीआरआर में यह कटौती 2025 की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के तहत घोषित की गई है। यह कटौती 29 नवंबर 2025 तक चार किस्तों में पूरी होगी, जिसके बाद बैंकों को कुल सीआरआर तीन फीसदी रखना होगा। यानी बैंकों को आरबीआई के पास कम नकदी जमा करनी होगी और वे ज्यादा राशि उधार देने में सक्षम होंगे। फिच ने कहा कि आरबीआई के ये कदम उसके अक्टूबर 2024 की रिपोर्ट से बदले रुख को दर्शाते हैं, जिसमें अब ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने पर जोर है, वह भी बिना वित्तपोषण लागत में अत्यधिक बढ़ोतरी किए। इन उपायों से आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की संभावना है और ऋण सस्ता होने से उपभोक्ता तथा उद्योग जगत दोनों को राहत मिल सकती है।

एनसीईआरटी की किताब में मुगल काल की नई समीक्षा, नए सत्र से पढ़ेंगे छात्र

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अकबर का शासन क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण था, जबकि औरंगजेब एक सैन्य शासक था जिसने गैर-इस्लामी प्रथाओं पर बैन लगाया और गैर-मुसलमानों पर टैक्स लगाया। मुगल काल की ये नई समीक्षा एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब में शामिल की गई है। कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की कितान में मुगल शासकों के धार्मिक फैसले, सांस्कृतिक योगदान की नई व्याख्या की गई है। ये किताब 2025-26 एकेडमिक सेशन से ही स्कूलों में लागू होगी। जानकारी के मुताबिक किताब में मुगल सल्तनत के पहले शासक बाबर को तुर्क-मंगोल शासक और सैन्य रणनीतिकार लिखा गया है। इसके साथ बताया कि बाबर ने 1526 में पानीपत की लड़ाई में बारूद और तोपखाने की मदद से इब्राहिम लोदी को हराया और दिल्ली सल्तनत का खात्मा कर दिया। बाबर का बेटा हुमायूं साम्राज्य को बचाए रखने के लिए संघर्ष करता रहा और एक समय के लिए उसने शेर शाह सूरी से हारकर साम्राज्य खो दिया था। किताब में बताया गया है कि कैसे शेर शाह सूरी के सेनापति हेमू को अकबर की सेना ने पकड़ा और पानीपत की दूसरी लड़ाई के बाद उसका सिर कलम कर दिया। अकबर के शासन को किताब में क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण बताया गया है। किताब में लिखा है कि 1568 में चित्तौड़ के किले की घेराबंदी के दौरान अकबर ने करीब 30,000 नागरिकों की हत्या की और महिलाओं और बच्चों को गुलाम बनाने का आदेश दिया था।

कानून की मदद करने के लिए लोगों में डर पैदा करना भी आतंकी कृत्य: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी अपराध को केवल तभी आतंकवादी कृत्य नहीं कहा जा सकता जब आरोपी को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दोषी ठहराया गया हो। कोर्ट ने कहा कि सेना के मुखबिर की हत्या करके लोगों को कानून का पक्ष लेने से रोकने के लिए भय का माहौल पैदा करना भी आतंकवादी कृत्य है, भले ही इस मामले में आतंकवाद विरोधी कानून लागू न किया गया हो। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच इस बात से सहमत नहीं थी कि जम्मू-कश्मीर में सेना के मुखबिर समेत तीन नागरिकों की एके-47 से हत्या आतंकवादी कृत्य नहीं थी, क्योंकि इसमें आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दोषसिद्धि नहीं हुआ। बेंच ने इस मामले में 27 साल जेल में बिता चुके एक दोषी गुलाम मोहम्मद भट की सजा माफी याचिका पर विचार करते हुए अपनी आपत्ति व्यक्त की। यह अराजकता फैलाने के लिए किया गया था ताकि कोई भी कानून का पक्ष लेने की हिम्मत न कर सके, तो यह निश्चित रूप से एक आतंकवादी कृत्य के लक्षण रखता है और इस नीति के तहत छूट नहीं दी जा सकती। आपको छूट नीति को चुनौती देनी होगी। कैदी गुलाम भट ने दलील दी कि उसे आतंकवाद-रोधी कानून के तहत नहीं, बल्कि केवल हत्या के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

बोकारो में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़, AK 47 बरामद

एनकाउंटर में 5 लाख का इनामी नक्सली ढेर, कोबरा बटालियन का जवान शहीद

रांची: झारखंड के बोकारो में पुलिस और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई है. इस मुठभेड़ में पांच लाख का इनामी नक्सली कुंवर मांझी मारा गया है. लेकिन इस मुठभेड़ में कोबरा बटालियन के एक जवान शहीद हो गए हैं. वहीं, नक्सलियों की गोली लगने से एक ग्रामीण की भी मौत हुई है. बोकारो रेंज के आईजी क्रांति कुमार गड़देशी ने बताया कि बुधवार के तड़के लुगू पहाड़ी के आस पास नक्सलियों के एक दस्ते के क्रियाशील होने की सूचना मिली थी. सूचना के आधार पर केंद्रीय बलों के साथ बोकारो पुलिस के द्वारा विशेष अभियान शुरू किया गया. जंगल में सर्च के दौरान ही पुलिस का नक्सलियों से सीधे सामना हो गया.

इसके बाद दोनों तरफ से मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें 5 लाख का इनामी कुंवर माझी मार गया. कुंवर के मारे जाने के बाद उसका एके-47 राइफल भी पुलिस के द्वारा बरामद किया गया है. नक्सलियों के द्वारा किए गए अचानक हमले में कोबरा के जवान प्रनवेश्वर शहीद हो गए. शहीद प्रनवेश्वर असम के रहने वाले थे.

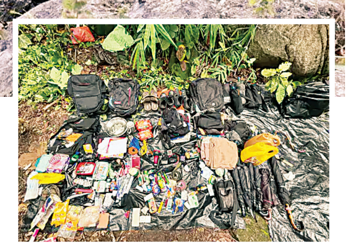

ग्रामीण को आगे कर की फायरिंग

पुलिस को भारी पड़ता देख नक्सलियों ने कुछ ग्रामीणों को आगे कर पुलिस से बचने की कोशिश की. इसमें भी जब नक्सली कामयाब नहीं हुए, तब उन्होंने एक ग्रामीण की गोली मारकर मौके पर हत्या कर दी. ताकि पुलिस को मौके पर भटकाया जा सके. मारा गया ग्रामीण लुगू इलाके का ही रहने वाला था.

लुगू पहाड़ी पर एनकाउंटर

पुलिस और नक्सलियों के बीच यह मुठभेड़ उसी लुगू पहाड़ पर हुई है, जहां इसी साल अप्रैल महीने में एक करोड़ का इनामी विवेक सहित आठ नक्सली एनकाउंटर में मारे गए थे. आईजी बोकारो ने बताया कि नक्सलियों की तलाश में अभी भी इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है.

पिछले छह महीने से सारंडा इलाके में केंद्रीय बलों की मदद से भाकपा माओवादियों के ईआरबी सचिव मिसिर बेसरा, सेंट्रल कमेटी मेंबर पतिराम मांझी और आकाश मंडल उर्फ तिमिर, अनमोल के दस्ते के खिलाफ अभियान जारी है. सारंडा में चल रहे निर्णायक ऑपरेशन को लेकर भाकपा माओवादी दबाव में थे. इस दबाव को कम करने की जिम्मेदारी सेंट्रल कमेटी मेंबर प्रयाग मांझी को दी गई थी. प्रयाग मांझी बीते एक साल से नए लड़कों को जोड़कर भाकपा माओवादी कैडर को मजबूत करने में लगा था, ताकि सारंडा में कमजोर पड़ने पर उत्तरी छोटानागपुर में नया आधार बनाया जा सके. झारखंड पुलिस की खुफिया विभाग को माओवादियों के रिक्रूटमेंट ड्राइव चलाने की जानकारी साल 2024 में सामने आयी थी, जिसे लेकर एनआईए ने केस दर्ज कर जांच भी की थी. प्रयाग मांझी बीते एक सालों से लगातार अपने हथियारबंद दस्ते के साथ लुगू पहाड़, पारसनाथ और झुमरा के इलाकों में अपना लोकेशन बदल-बदल कर रह रहा था. विवेक के द्वारा संगठन को दोबारा मजबूत करने की सूचना मिलने के बाद झारखंड पुलिस का इंटेलिजेंस विभाग पूरी तरह से एक्टिव होकर उसकी जानकारी हासिल करने में लगा हुआ था.

ताकत बढ़ाने में लगा था संगठन, एक साथ मारे गए थे सभी

04 अप्रैल 2025 को बोकारो के लुगू पहाड़ वाले इलाके में ही भाकपा माओवादियों के सेंट्रल कमेटी सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक समेत पूरे दस्ता सफाया हो गया था. चार अप्रैल को एक करोड़ के इनामी विवेक सहित आठ लुगू पहाड़ी पर ही मारे गए थे. अब इस इलाके में सक्रिय पांच लाख का इनामी कुंवर मांझी भी मारा गया है. बता दें कि पिछले एनकाउंटर में भाकपा माओवादियों के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल में एक ही झटके में माओवादी संगठन का खात्मा हो गया था.

सांसद आदित्य साहू ने सीएम से मुलाकात कर ली शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी

रांची : भाजपा प्रदेश महामंत्री व सांसद आदित्य साहू ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित गंगाराम अस्पताल में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली. इस दौरान उनके साथ प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, विधायक शशिभूषण मेहता, प्रदीप प्रसाद, पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र सिंह और मनोज दुबे मौजूद थे.

24 जुलाई को कैबिनेट, उससे पहले आएंगे मुख्यमंत्री हेमंत

राज्य मंत्रिपरिषद की महत्वपूर्ण बैठक 24 जुलाई को होगी। दिन के चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में होनेवाली इस बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी मिलने की संभावना है। मालूम हो कि हाल ही में 11 जुलाई को कैबिनेट की बैठक हुई थी। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद और कैबिनेट की बैठक में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री नौ जुलाई की रात रांची आए थे और कैबिनेट की बैठक के बाद दिल्ली चले गए थे। अभी भी मुख्यमंत्री अपने पिता की सेवा और स्वास्थ्य संबंधी देखभाल के लिए दिल्ली में ही हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कैबिनेट की बैठक की तिथि तय होने के बाद अब फिर मुख्यमंत्री जल्द ही दिल्ली से रांची आएंगे। हालांकि अभी उनके आने की तिथि तय नहीं हुई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि सोमवार तक मुख्यमंत्री रांची आएंगे।

अमृता इंस्टिच्यूट की तर्ज पर रांची में बनेगा एशिया का सबसे बड़ा हॉस्पिटल 'रिम्स 2'

रांची: झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। रांची में एशिया का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल रिम्स-2 फरीदाबाद के अमृता इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की तर्ज पर बनेगा। उल्लेखनीय है कि यह संस्थान देश में अपनी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जाना जाता है। इस परियोजना से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश की स्वास्थ्य संरचना को नई दिशा मिलेगी। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डा. इरफान अंसारी ने बुधवार को फरीदाबाद के अमृता इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज का दौरा किया। उनके साथ स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह और दिल्ली में झारखंड के रेसिडेंट कमिश्नर अरवा राजकमल भी थे। इस दौरे का उद्देश्य अमृता इंस्टीट्यूट की अत्याधुनिक सुविधाओं, प्रबंधन और तकनीकी ढांचे का अध्ययन करना था ताकि रिम्स-2 को उसी तर्ज पर विकसित किया जा सके। डा. इरफान अंसारी ने कहा कि रिम्स-2 न केवल झारखंड की जनता के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। यह अस्पताल अत्याधुनिक तकनीकों और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं से लैस होगा, जो मरीजों को बिना किसी देरी के सर्वोत्तम उपचार प्रदान करेगा।

झारखंड में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं

रिम्स-2 परियोजना झारखंड सरकार की स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतरीन पहल का हिस्सा है। यह अस्पताल न केवल सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं प्रदान करेगा, बल्कि इसमें अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं, मल्टी-स्पेशियलिटी विभाग और रिसर्च सेंटर भी होंगे।

एक्शन में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद, 7 कर्मियों को शोकॉज, कार्यसंस्कृति में बदलाव के निर्देश

रांची : झारखंड के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बुधवार को रांची स्थित नेपाल हाउस में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया. उन्होंने विभागीय कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्यप्रणाली और फाइलों के निबटारे की स्थिति की जानकारी ली. इस दौरान बिना सूचना के अनुपस्थित सात कर्मचारियों को शोकॉज करने का निर्देश दिया. इसके साथ ही विभागीय सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि संवेदनशील होकर कार्य करें. उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की कार्यसंस्कृति में बदलाव लाने को कहा.

मंत्री ने सचिव को दिए जांच के निर्देश

मंत्री योगेंद्र प्रसाद जब पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यालय पहुंचे तो कुछ कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित थे. कुछ कर्मचारी समय पर कार्यालय में मौजूद नहीं थे. उन्होंने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए ऐसे कुल 7 कर्मचारियों से शोकॉज (स्पष्टीकरण) मांगा है. इसके साथ ही उन्होंने विभागीय सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं. मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि जनता को पेयजल एवं स्वच्छता से जुड़ी सेवाएं समय पर उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है. ऐसे में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने कहा कि ऑफिस में समयबद्ध उपस्थिति और जनता की समस्याओं के त्वरित निबटारे के लिए सख्त अनुशासन लागू किया जाएगा. उन्होंने निर्देश दिया कि काम में अनावश्यक देरी, फाइलों को रोकने और जिम्मेदारियों से बचने जैसी प्रवृत्तियों पर पूरी तरह रोक लगाई जाए. विभाग को शून्य सहनशीलता की नीति के साथ कार्य करना होगा.

उन्होंने सरकारी स्कूलों के कक्षा आठ में पढ़नेवाले तीन लाख विद्यार्थियों को इस माह के अंत तक साइकिल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। कंपनी द्वारा साइकिल कलस्टर सेंटर तक पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। ऐसे में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर साइकिल जल्द विद्यालयों तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने इस माह के अंत तक सभी बच्चों को साइकिल मिल जाये इसे सुनिश्चित करने को कहा है। मंत्री ने निर्देश दिया कि जिन जिलों में छात्रवृत्ति की राशि उपलब्ध है, वहां लंबित भुगतान को शीघ्र निष्पादित किया जाए।

मंत्री इरफान अंसारी को झटका, एमपी-एमएलए कोर्ट ने खारिज की पेशी से छूट वाली याचिका

रांची: राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की व्यक्तिगत पेशी से छूट वाली याचिका पर रांची सिविल कोर्ट ने फैसला सुना दिया है. 7 जुलाई को इस केस से जुड़े सभी पक्षों की बहस और दलीलें सुनने के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. कोर्ट ने इरफान अंसारी को व्यक्तिगत पेशी से छूट देने से इंकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी है. दरअसल भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता और योग प्रशिक्षक राफिया नाज ने वर्ष 2020 में इरफान अंसारी पर अपमानजनक टिप्पणी और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते हुए अदालत में शिकायतवाद दर्ज करायी थी. जिसपर एमपी-एमएलए कोर्ट ने इरफान अंसारी पर मुकदमा चलाने की अनुमति प्रदान कर दी है.

झारखंड के नये मुख्य न्यायाधीश 23 जुलाई को शपथ लेंगे

रांची: झारखंड के नये मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह 23 जुलाई को सुबह 10 बजे शपथ लेंगे. हाईकोर्ट द्वारा राजभवन को इससे संबंधित भेजी गयी सूचना के आलोक में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं. सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अनुशंसा के आलोक में राष्ट्रपति ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश को झारखंड के मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया था. केंद्र सरकार द्वारा इससे संबंधित गजट अधिसूचना 14 जुलाई को प्रकाशित करायी गयी थी. इसमें इस बात का उल्लेख किया गया था कि मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी.

कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते': सीडीएस बोले- विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही, एडवांस टेक्नोलॉजी जरूरी

नई दिल्ली: चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है। सीडीएस ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके।

सीडीएस ने ये बातें दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में यूएवी (अनमैंड एरियल व्हीकल) और सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) की प्रदर्शनी में कहीं।

सीडीएस बोले- सेना ने ड्रोन्स का क्रांतिकारी इस्तेमाल किया

युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा- मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवॉल्यूशनरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। उन्होंने कहा- हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है। इससे अहम मैकेनिकल पार्ट्स की कमी होती है।

3 जून को कहा था- पाक की प्लानिंग 8 घंटे में फेल हुई

सीडीएस जनरल चौहान ने 3 जून को पुणे यूनिवर्सिटी में 'भविष्य के युद्ध और युद्ध' विषय पर लेक्चर में कहा था, '10 मई रात पाकिस्तान ने भारत को 48 घंटे में घुटने पर लाने की प्लानिंग की थी। उसने कई जगह पर एक साथ हमले किए, लेकिन उसकी योजना 8 घंटे में ही फेल हो गई थी। इसके बाद बड़े नुकसान के डर से सीजफायर के लिए कॉल किया। हमने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।'

उन्होंने कहा था कि पहलगाम में जो कुछ हुआ, उससे कुछ हफ्ते पहले ही पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगला था। पहलगाम में जो हुआ, वह क्रूरता थी। ऑपरेशन सिंदूर का मकसद पाकिस्तान से राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना था।

नुकसान और संख्या पर बात करना सही नहीं

सीडीएस चौहान ने भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान फाइटर जेट खोने के सवाल पर कहा- जब मुझसे हमारे नुकसान के बारे में पूछा गया, तो मैंने कहा कि ये महत्वपूर्ण नहीं हैं, क्योंकि परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं यह महत्वपूर्ण है। नुकसान और संख्या के बारे में बात करना बहुत सही नहीं होगा। उन्होंने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा- मान लीजिए कि आप क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने जाते हैं और आप एक पारी से हार जाते हैं, तो कितने विकेट, कितनी गेंदें और कितने खिलाड़ी हैं। इसका कोई सवाल ही नहीं है।

पीएम धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी, हर साल खर्च होंगे 24,000 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दे दी। यह योजना वित्त वर्ष 2025-26 से शुरू होकर छह वर्षों तक चलेगी और देश के 100 जिलों को कवर करेगी। इस योजना का सालाना खर्च 24,000 करोड़ रुपये है और इससे 1.7 करोड़ किसानों को मदद मिलने की संभावना है। इस योजना का मकसद कृषि उत्पादकता में वृद्धि, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना है। इसके साथ ही पंचायत और ब्लॉक स्तर पर कटाई के बाद भंडारण क्षमता में वृद्धि, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना भी है।

कब से लागू होगी योजना

आम बजट में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की घोषणा की गई थी और इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है। यह योजना वित्त वर्ष 2025-26 में शुरू होगी और इस योजना की अवधि 6 साल रहेगी। यह 100 जिलों को कवर करेगी। इस योजना के तहत कम उत्पादकता, कम फसल सघनता और कम ऋण वितरण के तीन प्रमुख संकेतकों के आधार पर 100 जिलों की पहचान की जाएगी। प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में जिलों की संख्या शुद्ध फसल क्षेत्र और कार्यशील जोतों के हिस्से पर आधारित होगी। हालांकि, प्रत्येक राज्य से कम से कम एक जिले का चयन किया जाएगा। सरकारी बयान में कहा गया है कि इस योजना के परिणामस्वरूप उत्पादकता में वृद्धि , कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में मूल्यवर्धन , स्थानीय आजीविका का सृजन होगा। इस प्रकार घरेलू उत्पादन में वृद्धि होगी तथा आत्मनिर्भरता प्राप्त होगी।

सांसद खेल महोत्सव-2025 के तहत डाडी प्रखंड में शुरू हुआ नमो फुटबॉल टूर्नामेंट

सांसद व विधायक ने किया उद्घाटन, डाडी प्रखंड क्षेत्र की कुल 22 टीमें ले रही हैं भाग

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने लगातार दूसरे वर्ष सांसद खेल महोत्सव-2025 के तहत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन पूरे लोकसभा क्षेत्र के हरेक विधानसभा के सभी 22 प्रखंडों में कराने का संकल्प लिया है। इसकी विधिवत शुरुआत उन्होंने मंगलवार को रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गोला प्रखंड से किया। नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे टूर्नामेंट का भव्य आगाज बुधवार को मांडू विधानसभा क्षेत्र के डाडी प्रखंड स्थित गिद्दी-ए फुटबॉल मैदान से बतौर मुख्य अतिथि खुद सांसद मनीष जायसवाल और विशिष्ट अतिथि के रूप में मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ़ तिवारी महतो, हजारीबाग जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, सीसीएल अरगढ़ा क्षेत्र के महाप्रबंधक एस.के. झा, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, मांडू विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि द्वारिका सिंह उर्फ़ खोखा सिंह, डाडी जिप सदस्य सर्वेश सिंह, डाडी प्रखंड उपप्रमुख सुमन देवी, मांडू भाजपा मंडल अध्यक्ष तोकेश सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष वकील महतो, मांडू विधानसभा क्षेत्र के सह-सांसद प्रतिनिधि पुरुषोत्तम पांडेय, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, मांडू विधानसभा क्षेत्र की सांसद मीडिया प्रतिनिधि रीमा कुमारी, नमो खेल श्रृंखला के संयोजक राजेश तिवारी उर्फ बंटी तिवारी, डाडी मंडल के सांसद गुंजन साव, भाजपा नेता करुण सिंह, भाजपा नेता अजय कुमार साहू, किशोरी राणा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से मशाल जलाकर, खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल में किक मारकर किया। इस दौरान आकर्षक नमो जर्सी से लैस विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों ने मशाल लेकर पूरे मैदान में मार्च पास्ट किया। स्थानीय सांसद प्रतिनिधि गुंजन साव ने नमो फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजन समिति की ओर से उपस्थित सभी खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों को जीवन में नशामुक्ति संदेश का संकल्प दिलाया ।नमो फुटबॉल टूर्नामेंट, डाडी प्रखंड के इस आयोजन में इस क्षेत्र की कुल 22 टीमों ने भाग लिया है। टूर्नामेंट में शामिल सभी टीमों के सभी खिलाड़ियों को सांसद मनीष जायसवाल की ओर से आकर्षक रंग-बिरंगा नमो जर्सी और हर एक टीम को फुटबॉल भेंट किया गया। सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा इस टूर्नामेंट के विजेता को नगर 25,000 रुपए की राशि के साथ बेहद आकर्षक नमो मेडल एवं ट्रॉफी और उपविजेता टीम को नगद 15,000 रुपए के साथ आकर्षक नमो मेडल एवं ट्रॉफी पुरस्कार स्वरूप दिया जाएगा।

ओबीसी सलाहकार परिषद की बैठक में शामिल हुई पूर्व विधायक अंबा प्रसाद

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के आमंत्रण पर बेंगलुरु में अयोजित ओबीसी सलाहकार परिषद की बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव पश्चिम बंगाल की सह प्रभारी पूर्व विधायक अंबा प्रसाद भी शामिल हुई। उनके अलावा झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं विधायक दल के नेता प्रदीप यादव भी शामिल हुए। पूर्व विधायक अंबा प्रसाद बेंगलुरु पहुंचे, जहां हवाई अड्डे पर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों के द्वारा परंपरागत तरीके से भव्य स्वागत किया गया। विदित हो कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अपने शीर्ष नेताओं को लेकर एक ओबीसी समिति गठित की है।ओबीसी वर्ग से जुड़े डेटा इकट्ठा करने और उनके अहम मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने की जिम्मेदारी इन्हीं नेताओं को दी गई है। ओबीसी संगठनों और विशेषज्ञों के दावों के अनुसार, देश की आबादी में करीब 55 से 60 फीसदी मतदाता ओबीसी वर्ग से आते हैं। देशभर में लगभग 96 जातियां ओबीसी श्रेणी में आती हैं। ऐसे में सरकार बनाने में ओबीसी वोटर्स की भूमिका किसी भी दल के लिए निर्णायक मानी जाती है।इस अवसर पर अंबा प्रसाद में प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि ओबीसी समुदाय से आने वाले नेताओं को जमीनी स्तर से लेकर प्रदेश नेतृत्व में बड़ी जिम्मेदारी देना अति आवश्यक है।

अदाणी फॉउंडेशन के धान-बीज और खाद वितरण से 120 किसानों को मिली सहायता

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। अदाणी फॉउंडेशन ने गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत बड़कागांव प्रखंड के गोंदलपुरा, गाली, बलोदर और चंदौल गांवों के 120 परियोजना प्रभावित परिवारों को उच्च गुणवत्ता वाले धान के बीज और उर्वरकों का वितरण किया। इस पहल का उद्देश्य किसानों को खरीफ फसल सीजन के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान महुगाईं कलां पंचायत की मुखिया बेबी देवी और चंदौल पंचायत के कृषि मित्र सनित महतो ने किसानों को संबोधित करते हुए उन्नत किस्म के धान बीज अपनाने की सलाह दी और क्षेत्रीय भौगोलिक स्थितियों के अनुरूप फसलों के चयन पर जोर दिया।कार्यक्रम के दौरान भोक्ता समाज के सचिव और गाली गांव के ग्रामीण बलदेव गंझू ने रासायनिक उर्वरकों की जगह वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि जैविक खेती न केवल मिट्टी की सेहत सुधारती है बल्कि दीर्घकालिक कृषि उत्पादकता को भी सुनिश्चित करती है। कंपनी ने बताया कि अदाणी फाउंडेशन न केवल कृषि क्षेत्र में बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे कई अन्य सामाजिक क्षेत्रों में भी निरंतर कार्य कर रहा है।

डॉ आरसी मेहता के नेतृत्व में डीसी से मिला कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग विधान सभा के कांग्रेस नेता डॉ आरसी मेहता के नेतृत्व में काग्रेस प्रतिनिधिमण्डल ने डीसी शशि प्रकाश सिंह से मिलकर हजारीबाग के जन समस्याओं को से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में निम्न लिखित बातें उल्लेख किया गया। हजारीबाग जिले में आधे से ज्यादा वारदातों का कारण जमीन विवाद है। जिले समेत सभी प्रखंडों में खतियानी जमीन के ऑनलाइन में अनेकों त्रुटि है। इसे सुधारने के लिए वर्षो से लोग परेशान है।एलपीसी और मोटेशन बिचौलिए का व्यवसाय बन गया है जिले में भू माफिया शराब माफ़िया ड्रग माफिया कोल माफिया का तांडव है पाँच लोगों के अपहरण का सुराग आज तक नहीं मिला दर्जनों हत्याओं का सुराग नहीं मिला है इचाक प्रखण्ड का खातियान और रजिस्टर टू वर्षों पूर्व चोरी किया गया तत्पश्चात् हजारों लोग के जमीन के रेस्टर 2 में हेरा फेरी कर दस दिन बाद पंचायत भवन के बरामदे में रख दिया गया। जिसका रिकवरी इचाक थाना द्वारा किया गया है जो आज भी इचाक थाना में वर्षों से रखा गया है। इसके अलावा ज्ञापन में अन्य कई मांग शामिल है।कांग्रेस प्रतिनिधिमण्डल में मुख्य रूप से अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष साजिद अली खान बिधि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष संजय दास कोआपरेटिव जिला अध्यक्ष राजकुमार डॉ॰ भुवनेश्वर महतो डॉ बीके मेहता वीरेन्द्र सिंह जमशेद खान राजीव मेहता सोहन कुशवाहा माजिद अंसारी सौरभ साव सरफूल हक गोंदो सोरेन टिंकू कुमार विजय दांगी इत्यादि लोग शामिल थे।

अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता : केरला पब्लिक स्कूल व कॉम्बी मिल कंपनी में मॉक ड्रिल आयोजित

जमशेदपुर । उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देशानुसार अग्नि सुरक्षा के प्रति सतर्कता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एनएमएल केरला पब्लिक स्कूल, लिट्टी चौक तथा कॉम्बी मिल कंपनी में मॉक ड्रिल (अभ्यास) का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान अग्निशमन विभाग के पदाधिकारी सुरेंद्र यादव ने छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को आपात स्थिति में आवश्यक सुरक्षा उपायों, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग एवं सुरक्षित निकासी की प्रक्रिया की जानकारी दी । औद्योगिक परिसरों में अग्नि से संबंधित जोखिमों की पहचान और उनसे बचाव हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मॉक ड्रिल के दौरान सायरन बजाकर आग लगने की काल्पनिक स्थिति उत्पन्न की गई, जिसके बाद तत्काल रेस्क्यू एवं दमकल की प्रक्रिया को प्रदर्शित किया गया। उपायुक्त ने कहा कि अग्नि सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता एवं समय-समय पर आयोजित मॉक ड्रिल न केवल जानमाल की रक्षा हेतु महत्वपूर्ण हैं, बल्कि ये नागरिकों को आपदा के समय आत्म-सुरक्षा हेतु सक्षम भी बनाते हैं। जिला प्रशासन द्वारा शैक्षणिक संस्थानों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित किया जाएगा ताकि सभी स्तरों पर आपदा प्रबंधन क्षमता को मजबूत किया जा सके।

सीआइएसएफ ने यूएसए में आयोजित विश्व पुलिस और फायर खेलो में जीते 64 पदक

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। भारत 560 पदको के साथ तीसरे स्थान पर रहा। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल CISF ने 30 जून से 6 जूलाई 2025 तक अमेरिका के बर्मिघम में आयोजित विश्व पुलिस और फायर खेलो2025 में कुल 64 पदक जीतकर देश का गौरव बढाया है। विश्व पुलिस और फायर खेल एक बड़ा अन्तराष्ट्रीय खेल आयोजन है जहाँ दुनिया भर के पुलिस और अग्निशमन सेवा कर्मी विभिन्न खेलो में प्रतिस्पर्धा करते है। इस वर्ष,70 से अधिक देशों के 10,000 से अधिक एथलीटो ने इन खेलो में भाग लिया।CISF टीम ने 6 सपर्धाओ में भाग लिया और असाधारण प्रदर्शन किया। प्रत्येक खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और शानदार खेल भावना, शक्ति और टीम वर्क दिखाया।उनकी सफलता ने भारत को 560 पदको के साथ समग्र पदक तालिका में तीसरे स्थान पर रहने में मदद की।

सांसद खेल महोत्सव के तहत पदमा में हुआ नमो फुटबॉल टूर्नामेंट' का भव्य शुभारंभ

हज़ारीबाग। सांसद खेल महोत्सव के तहत बरही विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पदमा प्रखंड स्थित विवेकानंद फुटबॉल मैदान, गरवा में 'नमो फुटबॉल टूर्नामेंट-2025 के तीसरे टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ बुधवार को हुआ। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल और बरही के विधायक मनोज कुमार यादव ने संयुक्त रूप से मशाल जलाकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। टूर्नामेंट के उद्घाटन से पहले सांसद, विधायक सहित अन्य अतिथियों का जबरदस्त स्वागत किया गया। जिसके बाद मैदान में राष्ट्रीय गान का सामूहिक गायन और नशामुक्ति का संकल्प सबों ने लिया। सांसद मनीष जायसवाल लगातार दूसरे वर्ष सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत 'नमो फुटबॉल टूर्नामेंट' का आयोजन पूरे लोकसभा क्षेत्र में करा रहे हैं, जिसे सिलसिलेवार ढंग से जिले के सभी 22 प्रखंडों में आयोजित किया जाएगा। इसी कड़ी में बरही विधानसभा के पदमा प्रखंड स्थित गरवा फुटबॉल मैदान में यह तीसरा टूर्नामेंट शुरू किया गया है।

इस टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच का मुकाबला रेड जोन, सरैया टीम बनाम नव युवक संघ, रोमी टीम के बीच खेला गया। जिसमें खबर लिखे जाने तक रोमी की टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली। इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष प्रशांत सिंह, संयोजक निशांत सिंह, सचिव मनोज गुप्ता, उपाध्यक्ष राजेश मेहता, कुलदीप रविदास, रामगोविंद सिंह, प्रमोद राणा सहित कई सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कृषि विभाग के द्वारा किसानों के लिए निशुल्क बीज का किया जा रहा वितरण

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।बड़कागांव प्रखंड के किसानों को सशक्त बनाने के लिए प्रखंड मुख्यालय में कृषि विभाग के द्वारा निशुल्क बीज वितरण किया जा रहा है। इसमें कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अधिकरण (आत्मा) खरीफ फसल हेतु दलहन अंतर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन के तहत उरद 445 किसानों को, प्रति यूनिट 4 किलोग्राम मिनी किट प्रत्यक्षण हेतु वितरण होना है। इसके अलावा अरहरर 285 किसानों को दिया जाएगा। आत्मा के अंतर्गत किसानों के लिए 2025 में 1780 किलोग्राम उरद ,1140 किलोग्राम अरहर ,350 किलोग्राम मडुवा एवं 500 किलोग्राम मूंगफली बीज किसानों के बीच वितरण हेतु उपलब्ध कराया गया है। इस संबंध में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक श्याम कृष्ण देव ने बताया कि बीच वितरण लगभग अब समाप्ति की ओर है। वहीं दूसरी ओर बिरसा फसल विस्तार योजना प्रत्यक्षण के लिए किसानों को शत प्रतिशत अनुदान पर बीज वितरण किया जा रहा है ,जिसमें 12 हेक्टेयर में 900 किलोग्राम मूंगफली, उड़द 320 किलोग्राम मक्का 34 हेक्टेयर के लिए 680 किलोग्राम बीज वितरण होना है। कृषि पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि किसानों को सशक्त बनाने के लिए यह निशुल्क बीज वितरण योजना चलाई जा रही है।

डोभा में डूबने से महिला की हुई मौत

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिला अंतर्गत बरही प्रखंड के ग्राम पडरीमा में सोमवार को डोभा में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। मृतिका की पहचान सपना देवी (19 वर्ष) के रूप में की गई है, जो पंकज शर्मा की पत्नी थी। ग्रामीणों ने बताया कि सपना देवी दोपहर करीब 2 बजे घर से शौच के लिए निकली थी। उसका घर जिस जगह स्थित है, वहां से लगभग 300 फीट की दूरी पर फॉरेस्ट विभाग द्वारा खनन कर बनाया गया डोभा (तालाब) है। इसी डोभा में सपना देवी के डूब जाने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ महिलाएं बकरी चरा कर लौट रही थीं, तभी उन्होंने डोभा में सपना देवी को डूबा हुआ देखा। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों ने सपना देवी को किसी तरह डोभा से बाहर निकाला और अनुमंडलीय अस्पताल बरही ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से डोभा के चारों ओर सुरक्षा व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटना की पुनरावृत्ति न हो।

झारखंड कांग्रेस प्रदेश प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष के हज़ारीबाग आगमन को लेकर हुई बैठक

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के 21 जुलाई को आगमन को लेकर की गई। बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में की गई। जिसमें जिले के सभी प्रखंड अध्यक्ष व महानगर अध्यक्ष मौजूद रहे। निर्देशानुसार संगठन सृजन 2025 के तहत जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव नें कहा कि जिला, प्रखंड, बूथ तथा पंचायत तक युद्ध स्तर पर जिले के संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से ये बैठक आहुत की गई है । साथ ही सभी प्रखंड अध्यक्षों को 21 तारीख को हजारीबाग में प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और प्रखंड प्रवेक्षक की ट्रेनिंग के लिए कई दिशा निर्देश दिया गया इस महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष आबिद अंसारी जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत वरिष्ठ कांग्रेसी संजय तिवारी सेवादल अध्यक्ष गुड्डु सिंह, परवेज अहमद, जावेद इकबाल प्रखंड अध्यक्षों में प्रदीप मंडल, सत्यनारायण प्रसाद, नरसिंह प्रजापति, रविन्द्र गुप्ता, मोहम्मद नौशाद, सुरेश प्रसाद दांगी, गौतम कुमार मेहता, अब्दुल मनान वारसी, गोवर्धन गंझू, अब्बास अंसारी, शिबू प्रसाद सोनी, सदरूल होदा, विजय कुमार सिंह, शिव नंदन साहू, अनिल कुमार भुईंया जवाहर बाल मंच के अध्यक्ष रिंकू कुमार उपस्थित थे।

पुलिस ने नक्सली मंगल सिंह के घर चिपकाया इश्तेहार

जमशेदपुर । कमलपुर थाना के सहायक अवर निरीक्षक कपिल देव महतो ने झाड़ग्राम जिला अंतर्गत बांसपहाड़ी थाना क्षेत्र के बिदरी गांव में नक्सली मंगल सिंह के घर पर परिजनों के समक्ष इश्तेहार चिपकाया। इस संबंध में कमलपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि जमशेदपुर न्यायालय से नक्सली मंगल सिंह उर्फ मंगल के विरुद्ध निर्गत इश्तेहार को ग्रामीणों के बीच डुगडुगी बजवाने के पश्चात चिपकाया गया है और नक्सली को जल्द से जल्द न्यायालय में आत्मसमर्पण करने के लिए परिजनों को कहा गया है। पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम थाना कांड सं.- 28/2018, को धारा- 147/148/149/353/307 भादवि एवं 17 सीएलए एक्ट तथा 16/17 यूएपीएस एक्ट, 4/5 विस्फोटक अधिनियम के प्राथमिकी अभियुक्त मगंल उर्फ मगंल सिंह के विरुद्ध इश्तेहार जारी किया गया है।

मानगो फायरिंग कांड का पुलिस ने किया खुलासा

तीन आरोपी हथियार के साथ गिरफ्तार

जमशेदपुर। मानगो थाना क्षेत्र के जवाहरनगर में हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से हथियार और कारतूस भी बरामद हुए हैं। मानगो थाना अंतर्गत जवाहरनगर में मंगलवार की देर रात हुई फायरिंग की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है।

इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मानगो क्रॉस रोड निवासी शाहीद अली उर्फ काला बाबू (27), मो. महबूब उर्फ टींकू (27) और फैसल अख्तर (24) शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से पिस्टल, खोखा और कारतूस बरामद किए हैं। बुधवार को एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में शाहीद अली उर्फ काला और मो. महबूब उर्फ टींकू के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस फायरिंग की वजह आपसी विवाद बताया जा रहा है।

घटना के संबंध में मो. अली ने थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मानगो जवाहरनगर में दो गुटों के बीच पुराना विवाद चल रहा था। इसी दौरान मो. अली बीच-बचाव के लिए वहां पहुंचे, तभी आरोपियों ने उन्हें निशाना बनाते हुए इलाके में दहशत फैलाने के इरादे से हवाई फायरिंग की। फिलहाल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी है कि कहीं इस घटना के पीछे कोई और साजिश तो नहीं थी।

टीपीसी नाम पर लेवी मांगने वाला एक अपराधी गिरफ्तार, असलहे हुए जप्त

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतराः टीएसपीसी के नाम पर लेवी मांगने वाले एक अपराधी को चतरा पुलिस ने नाटकीय ढंग से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी अजय गंझू लावालौंग के कनवातरी गांव निवासी हैं।उसके पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा गोली, दो मोबाइल पुलिस ने जब्त किया है। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल ने चतरा में प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी है। एसपी ने बताया कि सूचना मिल रही थी की कुछ लोग क्षेत्र में ठेकेदार कंपनियों से लेवी वसूली की फिराक में है। हजारीबाग के चुरचू थाना क्षेत्र के बोदर गांव निवासी मुखिया सहदेव किस्कू द्वारा भी लेवी की मांग की गयी थी। इस संबंध में लावालौंग थाना कांड संख्या 49/25 के तहत मामला दर्ज किया गया। कांड के उद्भेदन को लेकर सिमरिया एसडीपीओ शुभम कुमार खंडेलवाल के नेतृत्व में गठित छापामारी टीम अभियान चला कर अजय गंझू को गिरफ्तार किया। छापामारी अभियान में एसडीपीओ सहित एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट पुरुषोत्तम लाल शर्मा, लावालौंग थाना प्रभारी रूपेश कुमार, एसआई सूर्यप्रताप सिंह समेत अन्य कई जवान शामिल थे।

परसुडीह के शिव मंदिर में नंदी बाबा पीने लगे दूध, उमड़ पड़े श्रद्धालु

जमशेदपुर । परसुडीह शिव मंदिर में मंगलवार की रात अचानक नंदी बाबा की प्रतिमा को चढ़ाया गया दूध अदृश्य होता दिखाई दिया. इस रहस्यमय दृश्य को देखकर श्रद्धालु आश्चर्यचकित रह गए और इसे ईश्वरीय चमत्कार मानकर जयकारे लगाने लगे. स्थानीय लोगों के अनुसार, 15 जुलाई की रात भक्तों ने नंदी बाबा की प्रतिमा पर श्रद्धा भाव से दूध अर्पित किया. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मूर्ति पर चढ़ाया गया दूध धीरे-धीरे गायब होता गया, मानो नंदी बाबा स्वयं उसे ग्रहण कर रहे हों. इस अनोखी घटना की खबर तेजी से इलाके में फैल गई, और रातोंरात सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए उमड़ पड़े. मंदिर प्रांगण 'हर हर महादेव' और 'नंदी बाबा की जयकारों से गूंज उठा. श्रद्धालुओं ने दीप जलाए, फूल अर्पित किए और नंदी बाबा के दर्शन कर इस चमत्कार का प्रत्यक्ष साक्षी बनने की लालसा में मंदिर पहुंचे. बुधवार की सुबह से ही लंबी कतारों में लोग भोलेनाथ और उनके वाहन नंदी की पूजा करने लगे. मंदिर समिति के सदस्यों ने इस घटना को सावन माह की दिव्यता और ईश्वरीय कृपा का प्रतीक बताया. उनका कहना है कि भगवान शिव और नंदी बाबा की विशेष कृपा इस भूमि पर बरस रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति की लहर दौड़ गई है. मंदिर के पुजारी आरके मिश्रा ने भी इस बात की पुष्टि किया और कहा कि नंदी बाबा की प्रतिमा पर चढ़ाया गया दूध वास्तव में रहस्यमयी रूप से अदृश्य हो गया था, जिसे कई श्रद्धालुओं ने अपनी आंखों से देखा. यह घटना परसुडीह शिव मंदिर को एक बार फिर आस्था का केंद्र बना रही है और झारखंड में सावन माह की आध्यात्मिकता को गहराई से दर्शा रही है.

वित्त मंत्री ने केंद्र सरकार पर एसआरई फंड रोकने का लगाया आरोप, कहा- नक्सलवाद के खिलाफ हो रहा अभियान प्रभावित

रांचीः झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने केंद्र सरकार पर नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) निधि और स्पेशल सेंट्रल असिस्टेंस स्कीम की राशि पिछले दो वर्षों से रोकने का आरोप लगाया है. उन्होंने केंद्र को चुनौती देते हुए कहा कि यदि केंद्र सरकार को लगता है कि झारखंड में नक्सलवाद खत्म हो गया है, तो वह नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात 196 पुलिस पिकेट्स को हटाकर देख ले.

एसआरई फंड रोकने से नक्सलवाद के खिलाफ अभियान पर असर

वित्त मंत्री ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तुच्छ राजनीति के तहत झारखंड की इंडिया ब्लॉक महागठबंधन सरकार को परेशान करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार ने नक्सलवाद पर काफी हद तक नियंत्रण पाया है, लेकिन इसे पूरी तरह समाप्त नहीं किया गया है. राधा कृष्ण किशोर ने बताया कि झारखंड के 24 में से 21 जिले (बोकारो, चतरा, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रांची, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी, रामगढ़, दुमका, देवघर और पाकुड़) नक्सल प्रभावित हैं, जिनके लिए पहले एसआरई फंड मिलता रहा है. उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग की बैठक में उन्होंने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था, लेकिन केंद्र सरकार ने पिछले दो वर्षों से एसआरई फंड की राशि नहीं दी है.

पुलिस गश्त पर पड़ रहा असर

वित्त मंत्री के अनुसार, एसआरई फंड की राशि न मिलने से नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिस की गश्त तक प्रभावित हो रही है. उन्होंने बताया कि इस फंड का उपयोग नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस कार्रवाई और विकास कार्यों के लिए किया जाता था. अब केंद्र से राशि न मिलने के कारण पुलिस के पास वाहन, पेट्रोल और डीजल की कमी हो गई है, जिससे नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिस का मूवमेंट लगभग बंद हो गया है.राधा कृष्ण किशोर ने यह भी कहा कि स्पेशल सेंट्रल असिस्टेंस फंड की राशि भी रोकी गई है, जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्कूल, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं. उन्होंने केंद्र सरकार से नक्सलवाद की जमीनी स्थिति का सही आकलन करने की मांग की. लोकसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा दी गई जानकारी (पीआईबी के अनुसार) के मुताबिक, झारखंड को एसआरई फंड के तहत वित्तीय वर्ष 2020-21 में 77.12 करोड़, 2021-22 में 84.45 करोड़, 2022-23 में 60.95 करोड़ और 2023-24 में 102.2 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे. हालांकि, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए यह राशि नहीं मिली है. वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि 196 पुलिस पिकेट्स की सजगता के कारण नक्सल गतिविधियां नियंत्रण में हैं, लेकिन नक्सलवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है. उन्होंने केंद्र के इस कदम को गलत ठहराया. वित्त मंत्री के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड भाजपा की प्रवक्ता राफिया नाज ने कहा कि महागठबंधन सरकार एक ओर दावा करती है कि हेमंत सोरेन के शासन में नक्सलवाद खत्म हो गया है, वहीं दूसरी ओर वित्त मंत्री कह रहे हैं कि नक्सलवाद अभी भी मौजूद है. उन्होंने इन बयानों को विरोधाभासी और राजनीति से प्रेरित बताया. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने वित्त मंत्री के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि राज्य में नक्सलवाद और उग्रवाद कमजोर हुआ है. कई नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है, मुठभेड़ में कई मारे गए हैं और बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है. उन्होंने कहा कि अब केवल एक-दो जिले ही नक्सल प्रभावित रह गए हैं. हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र से एसआरई फंड की सहायता नहीं मिली, तो उग्रवाद फिर से सिर उठा सकता है.

संक्षिप्त खबरें...

आईपीएस इंद्रजीत महथा का रांची डीआईजी कार्यालय का अतिरिक्त कार्यभार देखने का आदेश निरस्त

रांचीः आईपीएस इंद्रजीत महथा को रांची रेंज के डीआईजी (पुलिस उपमहानिरीक्षक) कार्यालय का जो अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था, उसे झारखंड पुलिस मुख्यालय ने रद्द कर दिया है. इस संबंध में बुधवार को आदेश जारी कर दिया गया है. गौरतलब है कि इंद्रजीत महथा को 15 जुलाई को रांची रेंज के डीआईजी कार्यालय के कुछ विशेष कार्य देखने की जिम्मेदारी दी गई थी. उन्हें सिर्फ सात तरह के मामलों को देखने और उनका निपटारा करने की अनुमति थी. इन मामलों में एसीपी, एमएसीपी, विभागीय जांच, विभागीय कार्यवाही, अपील अभ्यावेदन, अभियोजन स्वीकृत्यदेश और हाईकोर्ट से संबंधित रिट याचिकाएं शामिल थीं. अब यह आदेश निरस्त होने के बाद वे इन कार्यों को नहीं देखेंगे.

इनर व्हील क्लब ने स्कूल में बांटी दरी और डस्टबीन, बच्चों को दिया गिफ्ट

रांचीः इनर व्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा रांची ने बुधवार को करमटोली स्थित मिडिल स्कूल में दरी और डस्बीन का वितरण किया. इस दौरान बच्चों के बीच पर्यावरण पर आधारित क्वीज कंप्टीशन भी हुआ. इस दौरान बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया. इस कार्यक्रम में स्कूल की प्रिंसिपल सोफिया ने भी क्लब की सदस्यों को स्कूल की गतिविधियों से अवगत कराया. क्लब की प्रेसिडेंट सोमा भादुड़ी ने बच्चों का उत्साहवर्द्धन करते हुए पर्यावरण संरक्षण और साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया. इस दौरान क्लब की सीनियर मेंबर देवयानी सान्याल, नीता शेखर, शालिनी सिन्हा, अनिता जायसवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहीं.

घूसखोरी मामले में फंसे रातू के पूर्व सीओ प्रदीप कुमार निलंबन मुक्त

रांची. राज्य सरकार ने तत्कालीन अंचल अधिकारी रातू अंचल, रांची प्रदीप कुमार को निलंबन मुक्त कर दिया है, साथ ही उन्हें राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग में योगदान करने का निर्देश दिया गया है. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने 10 नवंबर 2023 को उन्होंने हिरासत में लिया था, फिर उन्हें जेल भेजा गया. इसके बाद उन्हें सात अगस्त 2023 को एक आदेश जारी कर हिरासत अवधि के समय से निलंबित किया गया. हालांकि, बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत से बाहर निकाले जाने के बाद पुनः निलंबित किया गया है, और आयुक्त कार्यालय कोल्हान प्रमंडल में योगदान करने को कहा गया. अब पूरे मामले की समीक्षा करते हुए और सेवानिवृति को देखते हुए उन्हें फिर से निलंबन से मुक्त किया गया है. उनके निलंबन अवधि का विनियमन उनके विरूद्ध विचाराधीन भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो रांची के 10 नंवबर 2023 में पारित अंतिम न्यायादेश के फलाफल के आधार पर किया जायेगा. इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गयी है. मिली जानकारी के अनुसार एसीबी ने 25 हजार रुपये घूस लेते हुए उन्हें रंगेहाथ गिरफ्तार किया था, इस मामले में दो और की गिरफ्तारी हुई थी. बताया गया था कि जमीन के म्यूटेशन के मामले के एवज में रिश्वत की मांग की गयी थी. इस मामले में हल्का कर्मचारी भी फंसे हुए हैं.

उप नगर आयुक्त नगर निगम रविंद्र कुमार को चेतावनी

रांची. राज्य सरकार ने उप नगर आयुक्त रांची नगर निगम रविंद्र कुमार को भविष्य में सचेत रहने की चेतावनी देते हुए उनके उपर लगे आरोपों से मुक्त कर दिया है. उनके उपर विभागीय अधिसूचना 13 सिंतबर 2021 की अवहेलना करने का आरोप है. इसके तहत उन्हें कार्यपालक दंडाधिकारी पश्चिम सिंहभूम के पद पर पदस्थापित किया गया था, लेकिन उन्होंने समय पर योगदान नहीं दिया. मामले पर उनसे स्पष्टीकरण पूछते हुए विभागीय कार्यवाही चलायी गयी. इस पर मई 2025 को उन्होंने अपना जवाब दिया. कहा कि अंचल अधिकारी अरगोड़ा रांची के पद पर हुए ही पेट दर्द और उल्टी की समस्या हुई थी, जिसको लेकर अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था. डॉ. मजिद आलम यहा एडिमट हुए जिसमें यह पता चला कि उन्हें अपेंडिक्स है. लेकिन इस बीच कोविड-19 के आने के बाद उनका सर्जरी नहीं हो सका. ऐसे मे तबियत ठीक नहीं होने की वजह से वे स्थानांतरित पद पर योगदान नहीं दे सके. पूरे मामले की समीक्षा करने के बाद उन्हें भविष्य में सचेत रहने की चेतावनी देते हुए आरोप से मुक्त कर दिया गया है. इस संबंध में कार्मिक विभाग ने आदेश जारी कर दिया है.

झारखंड में पिछले 5 साल में 2066 संस्थाएं निबंधित हुई, राजस्व मिला सिर्फ एक लाख तीन हजार 300 रुपए

रांचीः झारखंड में पिछले पांच साल में कुल 2066 संस्थाओं का निबंधन किया गया, जिसमें सरकार को सिर्फ एक लाख तीन हजार 300 रुपए की प्राप्ति हुई. 2023 में सबसे कम 170 संस्थाएं निबंधित हुई और राजस्व सिर्फ 8500 रुपए ही मिले. अब राज्य सरकार ने निबंधन शुल्क बढ़ा दिया है. जिसे कैबिनेट में भी स्वीकृति मिल चुकी है. अब संपूर्ण भारत के लिए 3000 रुपए, झारखंड के लिए 2000 रुपए, संस्था के उद्देश्य, कार्य क्षेत्र नियमावसी में संशोधन के लिए 1000 रुपए और केंद्र और राज्य सरकार की संस्था को निबंधन के लिए 50 रुपए शुल्क देना होगा. किसी भी डिस्प्यूट मामले की सुनवाई आइजी रजिस्ट्रेशन करेंगे. पड़ोसी राज्य बिहार से झारखंड में संस्था निबंधन का शुल्क काफी कम है. पड़ोसी राज्य बिहार में अखिल भारत के कार्य क्षेत्र के लिए 25000 रुपए सिर्फ बिहार राज्य के कार्य क्षेत्र के लिए 15 हजार रुपए और संशोधन के लिए भी 15000 रुपए शुल्क रखा गया है.

मिथिला का लोकपर्व मधुश्रावणी प्रारंभ, 20 जुलाई को जुटेंगी सैकड़ों नवविवाहित महिलाएं

रांचीः मिथिला की पवित्र संस्कृति और पारंपरिक आस्था से जुड़ा मधुश्रावणी पर्व 15 जुलाई पंचमी से आरंभ हो चुका है, जो 27 जुलाई तक चलेगी. यह पर्व तृतीया तिथि पर टेमी विधि के साथ संपन्न होगा. यह विशेषकर नव विवाहिताओं के लिए होता है, जो अपने वैवाहिक जीवन की मंगलकामना करती हैं. अपने पति की दीर्घायु के लिए श्रद्धा भाव से पर्व को मनाते है. झारखंड मिथिला मंच जानकी प्रकोष्ठ की महासचिव निशा झा ने बताया कि नवविवाहिताएं इस पर्व के दौरान बिषहरा, माता गौरी और भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा करती हैं. वे पूरे 13 दिन व्रतव्रति रहती है. बिना नमक वाला सात्विक भोजन करती हैं. नवविवाहिताएं प्रतिदिन संध्या समय अपने सहेलियों के संग बागीचे में जाकर फूल लोढ़ी (फूल संग्रह) करती हैं, और फिर उसी बासी फूल से पूजा करती हैं, यह परंपरा आध्यात्मिकता जोड़े रखती है. यह पर्व नवविवाहिताएं अपने मायके में करती हैं, किंतु पूजन-सामग्री से लेकर वस्त्र एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं ससुराल से ही भेजी जाती हैं, जिसे भार कहा जाता है. यह पर्व की विशिष्ट परंपरा और पहचान होती है, जो ससुराल और मायके के रिश्तों को मजबूत बनाती है. द्वारिकापुरी, चुटिया निवासी रामशंकर चौधरी की पुत्रवधू श्रेया चौधरी अपने आवास पर पूरे श्रद्धा भाव से मधुश्रावणी पर्व मना रही हैं. पूजा विधि में स्थानीय रीति-रिवाज से पालन होता है.

राष्ट्रीय कृषि बैंक नाबार्ड का स्थापना दिवस 18 को

रांची. नाबार्ड झारखंड के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा नाबार्ड का 44 वा स्थापना दिवस 18 जुलाई को मनाया जाएगा। सुबह 10.30 बजे स्थानीय होटल रांची में किया जाएगा। राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की स्थापना दिवस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि होंगी। उल्लेखनीय है कि नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा झारखंड सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगातार आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है।

टेरर फंडिंग मामला : अमित अग्रवाल और सुदेश केडिया के मामले में हुई बहस, आदेश सुरक्षित

रांचीः चतरा के टंडवा स्थित मगध व आम्रपाली कोल परियोजना से जुड़े टेरर फंडिंग मामले में आरोपी अमित अग्रवाल उर्फ सोनू अग्रवाल और सुदेश केडिया की याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई. अमित अग्रवाल उर्फ सोनू अग्रवाल ओर सुदेश केडिया के मामले में बहस पूरी हो गई. इसके बाद कोर्ट ने इन दोनों के मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया. वही अजय कुमार सिंह के मामले में कोर्ट ने सुनवाई की तिथि 5 अगस्त निर्धारित की है. हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता लुकेश कुमार ने पैरवी की. दरअसल, उक्त तीनों आरोपियों ने अपने खिलाफ किए गए चार्जफ्रेम एवं खारिज किए गए डिस्चार्ज पिटिशन को हाई कोर्ट में चुनौती दी है. रांची की एनआईए कोर्ट ने टेरर फंडिंग मामले में अमित अग्रवाल उर्फ सोनू अग्रवाल, सुदेश केडिया और अजय कुमार सिंह की डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज कर दिया था. साथ ही कोर्ट ने उन पर चार्जफ्रेम कर दिया है, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी है. बता दें कि टेरर फंडिंग से जुड़े केस में रांची की एनआइए की विशेष अदालत में सुनवाई चल रही है. एनआइए ने टंडवा थाना में दर्ज कांड संख्या 2/2016 को फरवरी 2018 को टेकओवर किया था. अनुसंधान के बाद एनआइए ने मामले में 21 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था.

एनआइए ने जांच के दौरान यह पाया है कि सीसीएल, पुलिस, उग्रवादी व शांति समिति के बीच समन्वय से टेरर फंडिंग हो रही थी. तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) को फंड देने की पुष्टि हुई है. टीपीसी को लेवी देने के लिए ही उसने ऊंची दर पर मगध और आम्रपाली प्रोजेक्ट से कोयला ढुलाई का ठेका लिया था.

टेरर फंडिंग के ये हैं आरोपी

टेरर फंडिंग मामले के आरोपियों में आधुनिक पावर के तत्कालीन महाप्रबंधक महेश अग्रवाल, बीकेबी ट्रांसपोर्ट के उपाध्यक्ष विनीत अग्रवाल, सोनू अग्रवाल उर्फ अमित अग्रवाल, कारोबारी सुदेश केडिया, ट्रांसपोर्टर सुधांशु रंजन उर्फ छोटू सिंह, अजय सिंह, मास्टरमाइंड सुभान खान, टीपीसी के जोनल कमांडर आक्रमण उर्फ रवींद्र गंझू उर्फ नेताजी, क्षेत्रीय कमांडर ब्रजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता, बिंदेश्वर गंझू उर्फ बिंदु गंझू, भीखन गंझू उर्फ दीपक गंझू, प्रदीप राम, विनोद गंझू, मुनेश गंझू, बीरबल गंझू, मुकेश गंझू उर्फ मुनेश्वर गंझू, कोहराम एवं अनिश्चय गंझू शामिल हैं.

पालू विद्यालय में नुक्कड़ नाटक "बदलती दुनिया, बदलती शिक्षा" का आयोजन

रांची . पालू विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं व करुणा तथा गांधी फेलोज ने मिलकर "बदलती दुनिया, बदलती शिक्षा" शीर्षक से नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। बच्चों ने अपने अभिनय के माध्यम से बताया कि प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण किस प्रकार उनकी सोच, समझ और समस्या समाधान क्षमता को विकसित कर रहा है। साथ ही उन्होंने NEP-2020 के मुख्य बिंदुओं को भी रोचक अंदाज में मंचित किया। मुख्य अतिथि चुटूपालू पंचायत के मुखिया वीरेंद्र मुंडा ने कहा "पारंपरिक पढ़ाई के मुकाबले PBL बच्चों के लिए कहीं अधिक प्रभावी है। बच्चे देखकर और करके ज्यादा बेहतर सीख रहे हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है।" कार्यक्रम में समुदाय के लोगों ने भी बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की और इसे शिक्षा में नवाचार व जागरूकता का प्रेरक उदाहरण बताया। इस अवसर पर विद्यालय प्रभारी उमेश कुमार रवि, मुखिया वीरेंद्र मुंडा, आंगनबाड़ी सेविका कुंती देवी, अनिमा सिन्हा, अभिलाषा रॉय, निधि कुमारी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बिहार के पूर्णिया पहुंचे झारखंड के नेता, आदिवासियों की हत्या पर उठाए सवाल

रांचीः झारखंड सरकार के मंत्री रामदास सोरेन, राजमहल लोकसभा सांसद विजय हांसदा, झामुमो केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा समेत कई नेताओं ने पूर्णिया जाकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार की बातें सुनी और सांत्वना दी. नेताओं ने इस हत्याकांड को लेकर कई सवाल खड़े किए और घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की. उन्होंने कहा कि यह सुनियोजित साजिश के तहत आदिवासियों की हत्या हुई है और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए. नेताओं ने बिहार सरकार और पूर्णिया पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि

बिहार सरकार की कानून व्यवस्था भाजपा ही चला रही है और बिहार में भाजपा गठबंधन की सरकार पूरी तरह फेल नजर आ रही है. नेताओं ने पीड़ित परिवार को राहत सामग्री जैसे चावल, धोती, साड़ी और अन्य जरूरत का सामान प्रदान किया और कहा कि वे हमेशा उनकी मदद के लिए तत्पर रहेंगे.

राज्यस्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आज

रांचीः झारखंड में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 64वीं राज्यस्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कल, 16 जुलाई से 19 जुलाई 2025 तक किया जा रहा है. यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता प्रैक्टिस मैदान, खेलगांव रांची और बीआईटी मेसरा के मैदानों में आयोजित होगी. प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 17 जुलाई को बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, खेलगांव रांची में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा. यह प्रतियोगिता न सिर्फ राज्य के उभरते फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रदर्शन का अवसर देगी, बल्कि राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी.

चोरी मामले में रांची पुलिस ने पांच लोगों को किया गिरफ्तार

रांची. रांची पुलिस ने चोरी के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार व्यक्ति का नाम पवन कुमार, कौशल सिंह, राजा साव, सुनील कुमार व अन्य है. रातु इलाके में लगातार चोरी की वारदात को अंजाम दिया जा रहा था. रांची पुलिस को जानकारी मिली कि कुछ युवक जो पहले कई चोरी की घटना का अंजाम दे चुके है, वे लोग कमडे आश्रम के आसपास इकट्ठा होने वाले है तथा पुनः किसी भी बंद घर को निशाना बनाते हुए चोरी करने की तैयारी कर रहे है. निर्देशानुसार गठित टीम के द्वारा काफी तत्परता से चोरी करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए चोरी किये गये सामानों को बरामद किया गया है तथा घटना कारित करने में प्रयुक्त

सलाई रेंच, पेचकस एवं स्कूटी को विधिवत जप्त किया गया है. चोरी करने वाले गिरफ्तार अपराधी इस घटना के अलावे रातू थाना क्षेत्र एवं अन्य कई जगहों पर की गई चोरी की घटना में शामिल रहे है. घटना में शामिल गिरफ्तार सभी अपराधी दो पहिया वाहन से घुम-घुमकर बंद घरों को निशाना बनाते हुए सलाई रिच से ताला तोड़ते थे एवं पेचकश से अलमीरा को तोड़कर चोरी करते थे.

दाहू यादव की अग्रिम जमानत पर सुनवाई, आदेश सुरक्षित

रांची. साहेबगंज में 1250 से अधिक के अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फरार चल रहे आरोपी दाहू यादव की अग्रिम जमानत याचिका पर पीएमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई. जिसके बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया. दरअसल, 5 जुलाई को दाहू यादव ने अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी . अगस्त 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने उसे पीएमएलए कोर्ट में सरेंडर करने का निर्देश दिया था .लेकिन उसने सरेंडर नहीं किया .ईडी ने दाहू यादव समेत 6 के खिलाफ पिछले दिनों पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है . साहेबगंज में हुए अवैध खनन को लेकर ईडी ने 8 जुलाई 2022 को बड़ी कार्रवाई की थी.पंकज मिश्रा , बच्चू यादव , दाहू यादव समेत कई के ठिकाने पर छापेमारी की थी.

रांची में तीन दिवसीय क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025 का शुभारंभ

रांचीः पुलिस केंद्र रांची स्थित यू.सी. झा सभागार में तीन दिवसीय क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025 का विधिवत शुभारंभ हुआ. बुधवार को कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि रांची जोनल आईजी मनोज कौशिक और एसएसपी चंदन सिन्हा द्वारा किया गया.

इस महत्वपूर्ण ड्यूटी मीट में रांची जोन के सभी जिलों से आए आरक्षी से लेकर पुलिस निरीक्षक पंक्ति तक के कुल 46 प्रतिभागियों ने भाग लिया. यह आयोजन पुलिस बल की दक्षता

और नवीनतम तकनीकों से उन्हें अवगत कराने के उद्देश्य से किया गया है. कार्यक्रम के दौरान अनुसंधान में नए बीएनएनएस के प्रावधानों के अनुपालन पर विशेष बल दिया गया. इसके अतिरिक्त डीएनए के लिए साक्ष्यों के संकलन और संरक्षण और NAFIS की उपयोगिता पर भी विस्तृत चर्चा की गई और प्रकाश डाला गया. प्रतिभागियों को अनुसंधान की बारीकियों के साथ-साथ अनुसंधान में वैज्ञानिक सहायता, कंप्यूटर साक्षरता और श्वान दस्ता की दक्षता की परीक्षा के संबंध में भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा.

नामकुम और टाटीसिलवे में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

रांचीः रांची नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम और जिला प्रशासन ने आज संयुक्त कार्रवाई करते हुए नामकुम और टाटीसिलवे इलाके में अतिक्रमण हटाने का बड़ा अभियान चलाया. यह अभियान बिहार राज्य औद्योगिक विकास निगम की रांची स्थित दो फैक्ट्रियों – हाई टेन्सन इंसुलेटर फैक्ट्री (नामकुम) और इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट फैक्ट्री (टाटीसिलवे) की जमीन पर

चलाया गया. इन दोनों फैक्ट्रियों की जमीन पर कई लोगों ने अवैध रूप से दुकानें, गुमटी, बांस-बल्ली के ढांचे और ठेले लगाकर कब्जा कर लिया था. प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर इन सभी अवैध अतिक्रमणों को हटाया और जगह को अतिक्रमण मुक्त किया. कार्रवाई के दौरान गुमटी, ठेले और फूड स्टॉल को जब्त भी किया गया. अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि सरकारी या औद्योगिक जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी.

बाबूलाल ने अपने खेत में की धान रोपनी

रांची : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने खेतों में काम कर अपना योगदान दिया है. उन्होंने बुधवार को कोदाईबांक स्थित अपने खेत में धान रोपनी की. उनकी यह तस्वीर सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रही है. तस्वीरों में वे खेतों में धान रोपनी करते नजर आ रहे हैं.

बाबूलाल ने अपने सोशल मीडिया पर खेतों में काम करते हुए तस्वीर पोस्ट कर अपने अनुभव साझा किए हैं. उन्होंने लिखा है कि आज कोदाईबांक स्थित अपने खेत में धान की रोपाई की. खेतों में काम करना उन्हें आत्मिक संतोष और आनंद देता है. साथ ही उन्होंने

यह भी कहा कि कृषि न सिर्फ आत्मनिर्भरता सिखाती है, बल्कि हमें जमीन से जुड़े रहने का भाव भी देती है.

जिनके पास मछली पकड़ने वाली नाव भी होगी तो नहीं मिलेगा मुख्यमंत्री कन्या दान योजना का लाभ

रांचीः झारखंड सरकार ने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के मार्गदर्शिका में संशोधन कर दिया है. इस योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल सकेगा को बहिष्कार के 14 मापदंड के अंतर्गत आते हैं. इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ बाल विवाह प्रथा को रोकने और लड़कियों के शिक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है.

अनाथ बालिकाओं और संप्रेक्षण गृह की पूर्व संवासी कन्याओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं. इन मामलों में राशन कार्ड की अनिवार्यता के प्रावधान से छूट होगी, लेकिन बाल कल्याण समिति का प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा.

इन्हें नहीं मिलेगा योजना का लाभ

1. मोटर चालित वाहनः मोटर चालित वाहन 2/3/4 व्हीलर / मछली पकड़ने वाली नाव का मालिक होना.
2. मशीनीकृत कृषि उपकरणः मशीनीकृत 3-4 व्हीलर कृषि उपकरण का मालिक होना.
3. किसान क्रेडिट कार्डः किसान क्रेडिट कार्ड के साथ क्रेडिट सीमा 50,000/- से अधिक होना.
4. सरकारी कर्मचारीः परिवार का कोई भी सदस्य सरकारी कर्मचारी होना.
5. गैर कृषि उद्यमः सरकार के साथ पंजीकृत गैर कृषि उद्यमों वाले परिवार.
6. उच्च आयः परिवार के किसी भी सदस्य की कमाई रु० 10,000 प्रति माह से अधिक होना.
7. आयकरः आयकर का भुगतान करना.
8. पेशेवर करः पेशेवर कर चुकाना.
9. पक्की संपत्तिः पक्की दीवारों और छत के साथ 3 या अधिक कमरे होना.
10. रेफ्रिजरेटरः एक रेफ्रिजरेटर का मालिक होना.
11. लैंडलाइन फोनः लैंडलाइन फोन का मालिक होना.
12. सिंचाई भूमिः सिंचाई उपकरणों के साथ 2.5 एकड़ से अधिक सिंचाई भूमि का मालिक होना.
13. सिंचित भूमिः दो या अधिक फसल के मौसम के लिए 5 एकड़ या अधिक सिंचित भूमि होना.
14. बड़ी भूमिः कम से कम एक सिंचाई उपकरण के साथ कम से कम 7.5 एकड़ भूमि या उससे अधिक का मालिक होना.

कितनी मिलती है आर्थिक सहायता

कन्या के विवाह के अवसर पर 30,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है. सहायता राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में एबीपीएस, एनइएफटी, आरटीजीएस और पीएफएमएस के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी. लाभार्थी को अपने निकटतम बाल विकास परियोजना कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करना होगा. महिला पर्यवेक्षिका द्वारा लाभार्थी के भौतिक सत्यापन के बाद, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा अपनी अनुशंसा के साथ संबंधित जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को आवेदन उपलब्ध कराया जाएगा.

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम

'मुख्यमंत्री सारथी योजना' के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया

संवाददाता रांचीः झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी (श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार) द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर विशेष कार्य क्रम का आयोजन , कांके स्थित विश्व विश्वेश्वरैय्या (विश्वा) प्रशिक्षण केन्द्र, काँके में किया गया।

झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी के मिशन निदेशक-सह-कार्यपालक पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार लाल की अध्यक्षता में संपन्न एकदिवसीय कार्यक्रम में जितेन्द्र कुमार सिंह, विभागीय सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही, रवि रंजन कुमार विक्रम, श्रमायुक्त-सह-निदेशक, नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखण्ड, सुनील सिंह, अतिरिक्त सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार, राजीव रंजन कुमार, विशेष सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड विशेष अतिथि के रूप में

कार्य क्रम में शामिल थे।

एकदिवसीय कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विभिन्न कौशल प्रदर्शनी स्टाल्स लगे और 'मुख्यमंत्री सारथी योजना' के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 'मुख्यमंत्री सारथी योजना' अन्तर्गत नव-नियोजित उम्मीदवारों को मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियों के करकमलों से नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। साथ ही योजना अन्तर्गत सूचीबद्ध प्रशिक्षण सेवा प्रदाताओं के चयनित प्रशिक्षकों को बेहतर कार्य प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। वहीं, 'मुख्यमंत्री सारथी योजना' अन्तर्गत प्रशिक्षित, नियोजित एवं वर्तमान में कार्यरत नौकरी पेशा युवाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर 'मुख्यमंत्री सारथी योजना' के प्रशिक्षित उम्मीदवारों को सिलाई मशीन प्रदान किया गया। इस मौके पर वर्ल्ड स्किल्स 2025-26 के लिए इंडिया स्किल्स-झारखण्ड स्किल कॉम्पिटिशन के लिए राज्य स्तर एवं जिला स्तर पर तैयारी की औपचारिक शुरुआत हुई। साथ ही आज राज्य भर में सभी 24 जिलों में मुख्यमंत्री सारथी योजना अन्तर्गत प प्रशिक्षण केन्द्रों पर रंगारंग कार्य क्रमों के साथ विश्व युवा कौशल दिवस मनाया गया।

कार्य क्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार जितेन्द्र कुमार सिंह ने युवाओं एवं कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा, "आज के समय में सभी राष्ट्रों विशेषकर विकासशील देशों के लिए बेहद जरूरी है कि अपने देश की युवा ऊर्जा को उचित एवं सही तरीके से उपयोग में लाने की ओर प्रयास करें। शैलेन्द्र कुमार लाल, मिशन निदेशक, झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी ने इस मौके पर कौशल विकास के सभी हितधारकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "मैं आज विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी के सभी धारकों को शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। हमारे प्रशिक्षण सेवा प्रदाता युवा प्रशिक्षणार्थियों को केवल औपचारिक कौशल प्रशिक्षण न दें, बल्कि गुणवत्तापूर्ण कौशल विकास पर ध्यान दें।

साथ ही मैं सबसे आग्रह करना चाहता हूं कि सभी हितधारक आपसी तालमेल और साझेदारी में काम करें तो निश्चय ही हमारे युवाओं का और हमारे राज्य का भविष्य उज्ज्वल होगा। एकदिवसीय कार्यक्रम में झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी के प्रबंधक, पदाधिकारी, यूएनडीपी के पदाधिकारी, मुख्यमंत्री सारथी प्रशिक्षण सेवा प्रदाता, प्रशिक्षु इत्यादि ने भाग लिया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा से राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने अपने सांसद निधि से रांची के विभिन्न स्थानों पर बोरिंग का शिलान्यास किया

संवाददाता रांचीः बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा से राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने अपने सांसद निधि से रांची के विभिन्न स्थानों पर बोरिंग का शिलान्यास किया बोरिंग से लाभान्वित लोगों ने एक स्वर में कहा कि माननीय सांसद महुआ माजी लगातार जरूरतमंद लोगों की सेवा सहायता कर रही है उनके इन कार्यों से रांची झारखंड की जनता बहुत ही खुश और उन्होंने झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी का भी धन्यवाद कहा की उन्होंने एक ऐसी महिला को सांसद बनाया जो की झारखंड की आवाज बनकर राज्यसभा में लोगों की समस्याओं को लेकर शेरनी जैसा दहाड़ रही है। आज पूरे विश्व में लोग उन्हें चाहने वाले हैं। माननीय राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने अपने संबोधन में कहा कि हर जरूरतमंदों के लिए मैं हमेशा खड़ी रहूंगी और उनके कार्यों को अभिलंब पूरा करने की कोशिश करूंगी। मैं लगातार कई वर्षों से आम जनता की आवाज को उठाती रही हूं और उठाती रहूंगी। मेरा दरवाजा सभी के लिए खुला है मैं हमेशा आप लोगों के समस्याओं का निदान करने की कोशिश करूंगी अपने से खड़ा हो कर। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि सोमवित माजी, नन्द किशोर सिंह चंदेल, अनीश वर्मा, बंटी यादव, हर्ष यादव,टी के मुखर्जी, वीरेंद्र, विक्की कच्छप ,वीरेंद्र गोप, प्रकाश तिर्की, चंदन वर्मा, शंकर खलखो, सुजाता तिर्की, अमन तिवारी, गौरव चौधरी, संदीप हेंब्रम, राम उरांव, पप्पू यादव, विकास यादव, सुनील यादव, सरोज यादव, प्रीति तिवारी, ऋषभ कश्यप आदि लोग उपस्थित रहे।

मेडिएशन फॉर नेशन अभियान को सफल बनाने के लिए डालसा चलाया जागरूकता अभियान

जमशेदपुर । नालसा एवं झालसा के निर्देशानुसार देश में चल रहे 90 दिन का मेडिएशन फॉर नेशन अभियान के तहत बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर द्वारा मानगो इलाका में मोबाइल वैन के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया । इस दौरान डालसा पीएलवी नागेन्द्र कुमार, दिलीप जायसवाल, सदानंद महतो एवं मनोज महतो द्वारा मानगो थाना , आजाद नगर थाना , उलिडीह थाना एवं डिमना चौक सहित अन्य क्षेत्रों में मोबाइल वैन के माध्यम से सघन जागरूकता अभियान चलाया गय। जागरूकता अभियान के दौरान डालसा पीएलवी ने आम जनों को जानकारी देते हुए बताया कि सिविल कोर्ट जमशेदपुर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर के अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है जो 01 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक चलेगा। इस अभियान के तहत वैवाहिक मामले , सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक, उपभोक्ता, ऋण वसूली, बटवारा, भू-अर्जन आदि वादों का निपटारा मध्यस्थता के माध्यम से किया जाएगा। डालसा पीएलवी ने लोगों को जागरूक करते हुए अपील किया कि आप अपने मामले को सीधे न्यायालय या डालसा सचिव के माध्यम से मध्यस्थता केंद्र, न्याय सदन, जमशेदपुर में भेज सकते हैं और अपने मामले का त्वरित समाधान पा सकते हैं । इससे समय और पैसे दोनों की बचत होगी।

झारखंड के लंबित पीएम आवासः केंद्रीय मंत्री शिवराज को अन्नपूर्णा देवी का पत्र

संवाददाता रांचीः भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत झारखंड राज्य के शेष पात्र लाभार्थियों को शीघ्र आवास उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपने पत्र में ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना को प्रभावशाली ढंग से लागू करने हेतु आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देशभर में लाखों जरूरतमंद परिवारों को पक्के घर मिलने से उनका जीवन सुरक्षित, सम्मानजनक और आश्वस्त हुआ है। श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने जानकारी दी कि "आवास प्लस 2018" की सूची के अनुसार झारखंड राज्य में कुल 8,15,210 आवासों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिनमें से अब तक लगभग 2,22,069 पात्र परिवारों को आवास की सुविधा नहीं मिल सकी है। उन्होंने आग्रह किया कि इन लंबित आवासों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृति प्रदान की जाए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के बजट में ग्रामीण क्षेत्रों में 2 करोड़ अतिरिक्त आवासों के निर्माण का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। "यदि झारखंड के इन शेष लाभार्थियों को शीघ्र आवास स्वीकृत किए जाते हैं, तो इससे न केवल राज्य के लाखों लोगों का जीवन सरल और सुरक्षित होगा, बल्कि माननीय प्रधानमंत्री जी का 'हर परिवार को गरिमामय आवास' देने का विज़न — 'सबका घर' — भी पूर्ण रूप से फलीभूत होगा," उन्होंने कहा।

एचईसी संघर्ष तेज : विस्थापितों की चेतावनी, जमीन दो या आंदोलन तेज होगा

रांचीः एचईसी कर्मचारियों और विस्थापितों का आंदोलन दिनों-दिन तेज होता जा रहा है. बुधवार को एक बार फिर सप्लाई संघर्ष समिति के बैनर तले नेहरू पार्क से लेकर एचईसी मुख्यालय तक विशाल जुलूस निकाला गया. इस जुलूस में बड़ी संख्या में कामगारों, विस्थापितों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. मुख्यालय के समक्ष आयोजित सभा में वक्ताओं ने सरकार और प्रबंधन के प्रति नाराजगी जताई और आंदोलन को और तीव्र करने की चेतावनी दी.

सभा को संबोधित करते हुए झारखंड आंदोलनकारी पुष्कर महतो ने कहा कि अगर एचईसी प्रबंधन विस्थापितों और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं करता है, तो उन्हें जमीन वापस करनी होगी. उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि अगर जरूरत पड़ी तो झारखंडी आंदोलनकारी तीर-धनुष के साथ मुख्यालय पहुंचेंगे और गरीब मजदूरों की आवाज बनेंगे.

समिति के संयोजक दिलीप सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी मजदूर एकजुट होकर संघर्ष करें. जब तक हमारी जायज मांगें पूरी नहीं होतीं, हम शांत नहीं बैठेंगे. हमें हमारी जमीन, रोजगार और सम्मान चाहिए. मनोज पाठक ने कहा कि एचईसी प्रबंधन आंदोलन को दबाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है. इसलिए हमें शांति और अनुशासन के साथ अपनी लड़ाई लड़नी है. कोई भी उकसावे में न आए, पर संघर्ष से पीछे भी न हटे. सभा में NSUI नेता रोहित पांडेय ने कहा कि वह जल्द ही ESI (कर्मचारी राज्य बीमा) विभाग के अधिकारियों से मिलकर एचईसी प्रबंधन पर दबाव बनाने का कार्य करेंगे ताकि कर्मचारियों को उनका हक मिल सके. सभा में यह भी जानकारी दी गई कि अभी तक किसी भी कर्मचारी ने प्रबंधन द्वारा जारी फॉर्म नहीं भरे हैं और भविष्य में भी नहीं भरने का निर्णय लिया गया है. आंदोलनकारी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि फॉर्म भरना HEC कर्मचारियों के हक और भविष्य के साथ समझौता होगा.

सभा में प्रमुख रूप से रनथू लोहरा, मोईन अंसारी, विजय साहू, आज़ाद ओवैसी, शारदा देवी, वाई त्रिपाठी, राजेश शर्मा, प्रमोद कुमार, दीपक लोहार, विकास शाहदेव और प्रेम नाथ शाहदेव समेत सैकड़ों कर्मचारियों और स्थानीय लोगों की भागीदारी रही.

सभा के अंत में यह ऐलान किया गया कि जब तक समाधान नहीं निकलता, आंदोलन जारी रहेगा. साथ ही, श्रम मंत्री के रांची आने पर प्रतिनिधिमंडल उनसे वार्ता करेगा.

इरबा में हत्यारा को ग्रामीणों ने पकड़ा, किया पुलिस के हवाले

ओरमांझीः रामगढ़ जिला के बरकाकाना क्षेत्र के डुड़गी गांव में पिछले 6 जुलाई को साउद नामक 26 वर्षीय युवक की हत्या कर फरार युवक को इरबा के ग्रामीणों ने बुधवार को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। हत्यारा घटना को अंजाम देकर लोहरदगा चला गया था,वहां से आकर इरबा में छुपा हुआ था,जिसे ग्रामीणों ने धरदबोच था,हत्यारा ने पुलिस के सामने अपने जुर्म कुबूल करते हुए बताया कि साऊद अंसारी की हत्या मोहर्रम की रात महज 2000 की लेनदेन के चलते चाकू मारकर दिया था.साऊद अंसारी की हत्या में और दो युवक शामिल थे, साऊद

की हत्या करके ईट भट्टा में फेंक दिया था,ओरमांझी पुलिस आरोपी से मामले की जांच पड़ताल कर बरकाकाना पुलिस के हवाले कर दिया,आरोपी ने अपना नाम और अपने दो हत्यारा दोस्तों का भी नाम बताया है, तीन हत्यारा दोस्तों में एक को पहले ही पुलिस अपने कब्जे में लेकर जेल भेज चुकी है।

वहीं एक अन्य आरोपी को पुलिस खोजबीन कर रही है। बरकाकाना थाना की टीम आरोपी को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई है,साउद अंसारी के परिजन ओरमांझी थाने पहुंचे थे और पुलिस से हत्यारा को सजा देने और साऊद अंसारी को न्याय की मांग कर रहे थे।

रोटरी क्लब ऑफ रांची के नवनियुक्त बोर्ड के सदस्यों ने राज्यपाल से की भेंट

संवाददाता रांचीः रोटरी क्लब ऑफ रांची के अध्यक्ष अमित अग्रवाल के नेतृत्व में नवनियुक्त बोर्ड के सदस्यों ने बुधवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन रांची में भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में मानद सचिव भावना तनेजा, राजीव मोदी, शालिनी सिंघानिया एवं जसदीप सिंह शामिल रहे। बैठक के दौरान क्लब द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए नव-निर्वाचित बोर्ड का परिचय दिया गया एवं समाज सेवा से जुड़े प्रमुख कार्यों की जानकारी साझा की गई।

अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने राज्यपाल को क्लब की प्रमुख पहलों की जानकारी दी, जिनमें मुख्यतः सदर अस्पताल, रांची को 45 लाख मूल्य की मेमोग्राफी मशीन प्रदान करना, वाईएसएस अस्पताल में नेत्र चिकित्सा विभाग का उन्नयन एवं अगस्त माह में नेत्र परीक्षण वैन प्रदान करने की योजना, रांची शहर को तीन डायलिसिस मशीनें एवं एक एफेरेसिस मशीन प्रदान करने की योजना है I

इसके अलावा क्लब द्वारा 19 से 21 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाले रोटरी जिला सम्मेलन 2025 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल की गरिमामयी उपस्थिति हेतु आमंत्रण भी दिया गया।

क्लब ने राज्यपाल को रोटरी क्लब ऑफ रांची का मानद सदस्य बनाए जाने का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया, जो पूर्व में डॉ जाकिर हुसैन, जगन्नाथ कौशल, पि. वेंकेतासुब्बैया, वेद प्रकाश मारवाह, सयैद सिब्ते रज़ी जैसे राज्यपालों को भी प्रदान किया गया है। राज्यपाल ने क्लब की सामाजिक पहल की सराहना की एवं भविष्य के कार्यों हेतु शुभकामनाएं दीं।

पिपरवार में सीसीएल ने डीएवी पब्लिक स्कूल का किया उद्घाटन

विस्थापित ग्रामीणों के बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए काम कर रहा है प्रबंधनः संजीव कुमार

कोयलांचल संवाद संवाददाता, पिपरवार(चतरा) : क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में मंगलवार को डीएवी पब्लिक स्कूल का औपचारिक उद्घाटन किया गया।सीसीएल पिपरवार एरिया प्रबंधन के सौजन्य से सीएसआर योजना के माध्यम से इस स्कूल का संचालन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक संजीव कुमार और अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्ष डॉ. पूनम सिंह मौजुद थे।वही विशिष्ट अतिथि मे डीएवी झारखण्ड जोन-जी के एआरओ बिपिन राय, झारखण्ड जोन-बी के एआरओ एमके सिन्हा, झारखण्ड जोन-के एआरओ एसके मिश्रा और झारखण्ड जोन-जे के एआरओ एसके मिश्रा मौजुद थे।

इस अवसर पर अतिथियो ने फीता काटकर एंव नारियल फोड़कर स्कुल का उदघाटन किया।इसके बाद स्कूल परिसर में समारोह का आयोजन किया गया।इस समारोह में सभी अतिथियों का स्वागत फूलों का गुलदस्ता देकर किया गया, जबकि पौधा,श्रीफल और अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह की शुरूआत अतिथियों ने सामूहिक रूप से दीप जलाकर किया, जिसके बाद कोल इंडिया की कॉर्पोरेट गीत और डीएवी का सॉन्ग बजाया गया।इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब पसंद किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीएम संजीव कुमार ने कहा कि सीसीएल प्रबंधन कोयला उत्पादन के साथ-साथ विस्थापित ग्रामीणों के बच्चों के बेहतर शिक्षा के लिए भी काम कर रही है।डीएवी कल्याणपूर का उदघाटन दस वर्ष पूर्व ही तत्कालीन कोयला मंत्री पियुष गोयल के द्वारा किया गया था,लेकिन किन्ही कारणों से स्कूल चालु नही हो सका था,जिसके बाद यहां के विस्थापित ग्रामीणो की मांग पर सीसीएल प्रबधंन ने सीएसआर योजना से स्कूल चालु करने के लिए डीएवी संस्था से एमओयू किया और लंबे अंतराल के बाद अब स्कूल चालु हो गया है,अब यहां के विस्थापित ग्रामीण के बच्चे भी डीएवी से शिक्षा प्राप्त कर सकते है। मंच संचालन कार्मिक एवं प्रशासनिक अधिकारी नागेश कुमार गोपाल,स्वागत भाषण डीएवी कल्याणपुर की प्राचार्या डॉ. अभिलाषा सिंह, और धन्यवाद ज्ञापन डीएवी बचरा की प्राचार्या डॉ.आर चौधरी ने किया।

इस मौके पर एसओपी नागेश कुमार गोपाल,एसओसी कुंदन कुमार, स्टॉफ ऑफिसर एक्सावेशन केएम भवन, एएसओ हेमचंद महतो, कार्मिक प्रबधंक अरुण कुमार महतो, सीएसआर पदाधिकारी उज्जवल कुमार, श्रमिक प्रतिनिधि रविन्द्रनाथ सिंह, इस्लाम अंसारी, अरविन्द शर्मा, विधापति सिंह, दिलिप गोस्वामी, अब्दुल अंसारी, बिजय लाल,प्रमुख प्रतिनिधि अरूण उंराव,बहेरा मुखिया रेखा कुमारी,बेती मुखिया सरिता देवी, किचटो मुखिया संगीता देवी, कल्याणपूर मुखिया महेश मुंडा, डीएवी बचरा की प्राचार्या डॉ. आर चौधरी, डीएवी कल्याणपूर प्राचार्या डॉ.अभिलाषा सिंह, महेश साव, इदरीश अंसारी, पंकज कुमार, रमेश मुंडा, अंगद महतो सहित काफी संख्या मे स्कुल के शिक्षक, शिक्षिका, बच्चें,अभिभावक व स्थानीय विस्थापित ग्रामीण मौजुद थे।

कार्यालय :- जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा

ईच्छा की अभिव्यक्ति (अति अल्पकालीन सूचना)

वित्तीय वर्ष 2025–26 में स्वीकृत्यादेश सं0 10 दि0 04.07.2025 द्वारा जिले में केजों में पंगेशियस/गिफ्ट तिलापिया/अमृत कतला/अन्य उपयुक्त बीज के संचयन का लक्ष्य प्राप्त है। जिसके लिए उत्तम गुणवत्ता के बीज की आवश्यकता है। बीज पंचखेरो जलाशय, मरकच्चो एवं तिलैया जलाशय, चन्दवारा में अधिष्ठापित केजों तक पहुँचाना होगा।

इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता बीज के दर के साथ अपना इच्छा की अभिव्यक्ति संबंधी आवेदन जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा के पदनाम से किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत 20,000/– रू0 के DD के साथ दिनांक 26.07.2025 तक अधो0 के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। Mortality होने पर पुनः बीज का आपूर्ति Mortality के एवज में करना होगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
कोडरमा

PR 357444 Fish(25-26).D

अनुसूची–I
झारखण्ड सरकार
ग्रामीण विकास विभाग

विज्ञप्ति संख्या–..................................दिनांक.............................

ग्रामीण विकास विभाग के लिए बाह्य स्रोत से वाहन उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता के लिए आवेदन पत्र आमंत्रण सूचना।

वित्त विभाग, झारखंड के संकल्प संख्या 2316/वि॰ दिनांक 04.10.24 के आलोक में ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड के लिए बाह्य स्रोत से वाहनों की आपूर्ति किये जाने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्त्ताओं का चयन कर वाहन का दर निर्धारण किया जाना है। अतः ऐसे इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता, जो विभाग द्वारा निर्धारित शर्तों के अन्तर्गत वाहन उपलब्ध कराने में सहमत है, से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि दिनांक **31.07.2025 को अपराह्न 05:00** बजे तक स्वीकार होगी। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद निविदा की भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी। प्राप्त सभी निविदाओं को दिनांक **01.08.2025 को अपराह्न 03:30** बजे निविदा निष्पादन समिति (क्रय समिति) के समक्ष खोली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को Commercial Registered वाहन उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं शर्तें तथा अन्य विवरण ग्रामीण विकास विभाग के आधिकारिक वेबसाईट http://rdd.jharkhand.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

(अरूण कुमार सिंह)
अपर सचिव
ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड, राँची

PR 357462 Rural Development(25-26)#D

कार्यालय, जिला परिषद, राँची
(अभियंत्रण शाखा)

अति अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

टेन्डर रिफ्रेन्स नम्बर– DOPR/DE/Ranchi/08/2025-26

S.No	योजना का नाम	स्वीकृत राशि (रुपये में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
01	राँची जिलान्तर्गत गेतलसूद में Community Centre का निर्माण सहित अन्य विकास कार्य।	**7,05,24,000.00**	**14,10,500.00**	**10,000.00**	18 माह

नोट :– केवल ई–टेण्डर ही स्वीकार होगें।

1. अधिक जानकारी के लिए बेबसाईट jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
2. बेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 24.07.2025
3. ई–निविदा की प्राप्ति की तिथि एवं समय–25.07.2025 से 31.07.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि–01.08.2025 को 5.00 बजे अपराह्न।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता–जिला अभियंता, जिला परिषद, राँची। ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष नं0– 7739519093
6. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
8. Form of Bid एवं Bill of Quauntity में दर भिन्न रहने पर संबंधित निविदादाता का निविदा अमान्य समझा जाएगा।
9. निविदा डबल बीड प्रद्वति से होगा।
10. इस निविदा में जिला परिषद, राँची/भवन निर्माण विभाग में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक ही भाग लेगें।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, राँची

PR 357497 Panchayati Raj (25-26)_D

संक्षिप्त खबरें...

बेगूसराय में नाग पंचमी पर जहरीले सांपों का प्रदर्शन

बेगूसराय. बेगूसराय में हर ओर नाग पंचमी की धूम मची रही। इस अवसर पर 25 से अधिक जगहों पर भगत और उनके सहयोगियों ने नदी और पोखर से जहरीले सांप निकाला। इन्होंने सांपों का प्रदर्शन किया। इस सब के बीच बेगूसराय के एक गांव से बड़े संख्या में जहरीले सांपों के साथ बच्चों की तरह खेलने का वीडियो सामने आया है। जिस पर एक बार फिर काफी तेजी से चर्चा हो रही है। जो वीडियो सामने आया है वह बरौनी प्रखंड में गंगा नदी के गुप्ता-लखमीनिया बांध के बगल में स्थित सबौरा गांव का है। जहां की प्रत्येक साल बड़े पैमाने पर जहरीले सांप निकल जाते हैं और उसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यहां यह परंपरा दशकों से चल रही है। जानकार बताते हैं कि दशकों पूर्व सबौरा में भगवती स्थान की स्थापना की गई। जहां प्रत्येक दिन श्रद्धा भाव से पूजा होती है। दूर-दूर से श्रद्धालु न सिर्फ पूजा करने आते हैं, बल्कि सिर्फ सांप या किसी जहरीले जीव-जंतुओं के काटने और अन्य बीमारी में भी ग्रसित लोग पहुंचते हैं। नाग पंचमी के अवसर पर यहां विशेष पूजा अर्चना की जाती है, जिसमें भगत के साथ गांव के दर्जनों लोग जहरीले सांप को निकाल कर लाते हैं। लोग सांपों का प्रदर्शन करते हैं, उसके साथ खेल करते हैं। लेकिन भगवती की ऐसी कृपा रहती है कि कहीं कोई अपशगुन नहीं होता है। प्रदर्शन के दौरान भगवती के गीत और ढोल लगातार बजते रहते हैं।

समस्तीपुर : किसी के गले तो किसी के सिर पर सांप

समस्तीपुर शहर से 23 किलोमीटर दूर सिंघिया में नागपंचमी के अवसर पर श्रद्धालु सांपों को गले और सिर पर लपेटकर करतब दिखाते हैं। दरअसल, गंडक नदी के सिंघिया घाट पर भगत डुबकी लगाकर सांप निकालते हैं और श्रद्धालुओं को देते हैं। फिर श्रद्धालु गले और सिर पर सांप लपेट कर गांव की सड़कों पर घूमते हैं। लगभग 300 सालों से इस मेले का आयोजन हो रहा है। इस मेले को देखने के लिए दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग आते हैं। क्या बच्चे, क्या बूढ़े, हर किसी के हाथों और गले में सांप होते हैं। लेकिन आज तक किसी को भी सांप ने काटा नहीं है।

20 कट्ठा जमीन के लिए 12 राउंड फायरिंग : रोहतास में कट्टा और फरसा लहराकर निकले दबंग

सासाराम (रोहतास) . रोहतास में जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और गोलीबारी हुई है। इस दौरान एक पक्ष की ओर से 12 राउंड फायरिंग की गई। इस घटना का तीन वीडियो भी समाने आया है। एक वीडियो में 6 लोग हाथ में लाठी लिए दिखाई देते है। वे सभी लोग दूसरे पक्ष को गाली दे रहे है। वहीं, दूसरे वीडियो में 8-10 लोग दिखाई देते हैं। इसमें व्हाइट शर्ट और रेड टी-शर्ट पहने शख्स के हाथ में पिस्टल और धारदार हथियार दिख रहा है। वहीं, तीसरे वीडियो में 8-10 लोग दिखाई देते हैं, जिसमें एक शख्स कमर से पिस्टल निकालता है और लहराते हुए आगे बढ़ रहा है। वहीं, एक शख्स के एक हाथ में धारदार हथियार और दूसरे हाथ में पिस्टल लहराते आगे बढ़ रहा है। घटना करगहर थाना क्षेत्र के मठिया गांव की है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्ष के आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि खरूस सिंह और सुरेश यादव के बीच लंबे समय से जमीन विवाद चल रहा है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। मंगलवार की शाम सरेश यादव के लोग खेत जोत रहे थे। इसका विरोध करने खरूस सिंह के लोग मौके पर पहुंचा और जमीन जोतने से मना करने लगे। इसी दौरान दोनों पक्ष में कहा-सुनी होने के साथ साथ मारपीट शुरू हो गई।
इसके बाद खरूस सिंह के लोग लाठी-डंडे, धारदार हथियार और पिस्टल लेकर पहुंचे और गोली मारने की धमकी देने लगे। फिर दोनों पक्षों की ओर से लाठी-डंडे और पत्थर चलने लगे। इस दौरान 12 राउंड फायरिंग की गई। हालांकि, किसी को गोली नहीं लगी। लेकिन, 6 लोगों को मामूली चोट आई है। स्थानीय संतोष सिंह ने बताया कि 'हमलोग जमीन को जोत रहे थे। इस दौरान दूसरा पक्ष जमीन जोतने से रोकने लगा।

बेटा अमेरिका में बना डॉक्टर,मां ने 1.25 किमी तक बिछाया कारपेटः कहा- धर्म के रास्ते पर चलना मकसद

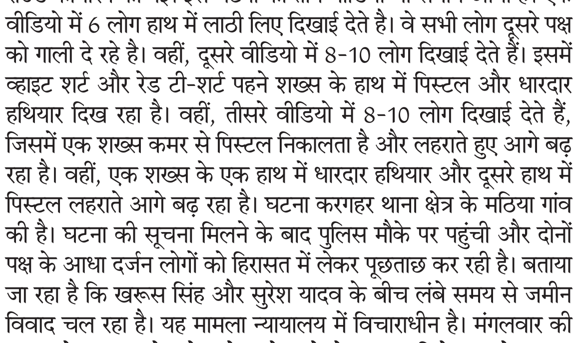

भागलपुर. भागलपुर के सुल्तानगंज श्रावणी मेला के छठे दिन अजगैबीनाथ धाम में नेपाल से आई महिला कांवरिया सुनीता देवी ने एक मिसाल पेश की। अपने बेटे और बेटी के डॉक्टर बनने की खुशी में उन्होंने कांवरिया पथ पर लगभग सवा किलोमीटर तक कारपेट बिछवाया, जिससे कांवरियों को चलने में राहत मिल सके। सुनीता देवी नेपाल में सरकारी नर्स के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि यह सेवा उनके परिवार की ओर से बाबा बैद्यनाथ के प्रति आस्था और कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। उनका बेटा डॉ. प्रशांत यादव और बेटी डॉ. सुष्मिता यादव वर्तमान में अमेरिका के हॉकिंग जोन्स में डॉक्टर के रूप में कार्यरत हैं। शिवभक्तों की सुविधा के लिए यह कारपेट अजगैबीनाथ धाम से कांवर पथ के मुख्य भागों में बिछाया गया है। तेज धूप में तपती सड़कों पर नंगे पांव चलने वाले कांवरियों के लिए यह कारपेट राहत का साधन बन रहा है। श्रद्धालुओं ने इस पहल की खूब सराहना की। मौके पर मौजूद कांवरियों ने सुनीता देवी के इस काम को सेवा भाव से प्रेरित बताते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। कुछ श्रद्धालुओं ने कहा कि यदि अन्य लोग भी इसी तरह से सेवा करें, तो मेला और अधिक सुखद बन सकता है। सुनीता देवी ने कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य सेवा और धर्म के रास्ते पर चलना है। उन्होंने यह भी कहा कि जब उनके बच्चों ने डॉक्टर बनकर विदेश में नाम रोशन किया, तब उन्होंने यह संकल्प लिया कि बाबा धाम में सेवा काम करेगी।

व्यवसायी की जमीन पर मुखिया पति ने किया कब्जा

जमुई। जमुई के बरहट थाना क्षेत्र के महनदली गांव में मुखिया पति की मनमानी का मामला सामने आया है। महनदली पंचायत के मुखिया पति फौदारी मांझी ने एक व्यवसायी की निजी जमीन पर मंदिर बनवाना शुरू कर दिया। जमीन मालिक रंजू देवी ने पहले ही न्यायालय के माध्यम से अंचलाधिकारी और थाना को नोटिस भेजा था। इसके बावजूद मुखिया पति ने अपने समर्थकों के साथ निर्माण कार्य जारी रखा। रंजू देवी अपने परिजन इशू कुमार, आदर्श कुमार और भाई रॉबिन बरनवाल के साथ मौके पर पहुंची।

बिहार में सड़कों पर सैलाब, अस्पतालों में पानी : 2 शहरों में पुल बहे, घर डूबे

पटना। बिहार के 12 से ज्यादा शहरों में हो रही लगातार बारिश की वजह से हालात बिगड़ने लगे हैं। सड़कों पर सैलाब बह रहा है। घुटने-घुटने तक पानी भर चुका है। गाड़ियां बंद पड़ी हैं। अस्पतालों में पानी भर रहा है। 2 शहरों में पुल टूटे हैं। यहां 7 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। बारिश और तेज हवा से पेड़ टूटे हैं। पोल उखड़ चुके हैं।

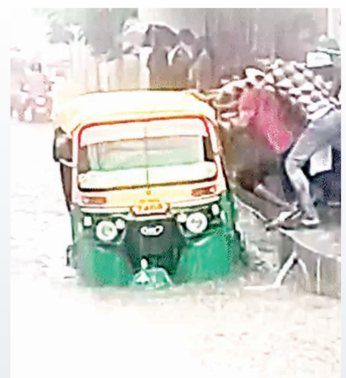

गयाजी की नदियां खतरे के निशान से ऊपर, पुल बहीःबेघर हुए 100 परिवार

गयाजी में शेरघाटी से होकर गुजरने वाली मोरहर और बुढ़िया नदी ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। लगातार बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे कई इलाकों में तबाही मच गई है। कहीं पुलिया बह गई, तो कहीं खेत नदी में समा गए है। पुल बह गया है। कई घरों में पानी घुस गया। 5000 लोग प्रभावित है। जबकि, नदी किनारे बने मिट्टी के दर्जनों घर को नदी अपने साथ बहा ले गई है। डीएम शशांक शुभंकर ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाके में अधिकारियों की टीम मुस्तैद है। प्रभावित गांव में सामुदायिक किचन की व्यवस्था की गई है। लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जा रहा है। प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। हर आपदा से निपटने के लिए टीम को 24 घंटे अलर्ट रहने की हिदायत दी गई है। शेरघाटी कोर्ट की ओर बिजली आपूर्ति करने वाला पोल भी नदी अपने साथ बहा ले गई। कोर्ट परिसर में बिजली सप्लाई ठप हो गई है। शेरघाटी शहर से पलकिया, फतेहपुर और शेरपुर को जोड़ने वाली सड़क की पुलिया रात भर की बारिश में बह गई। इसके चलते दर्जनों गांवों का संपर्क शहर से टूट गया। गांव से शहर आना और शहर से गांव जाना मुश्किल हो गया है। गोपालपुर, मोहम्मदपुर, मंझार, जगदीशपुर समेत आधा दर्जन गांव प्रभावित हैं। करीब पांच बीघा खेत पानी में बह गए हैं और बचे हुए खेत बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। बोधगया प्रखण्ड के बसतपुर, मोराटाल, छाज, सलोंजा बाढ़ से प्रभावित है। मोरहर नदी उफनाई है। दर्जनों गांव के खेत पानी में डूब गए है।

परिवारों के घरों में पानी भरा

दूसरी ओर बुढ़िया नदी के किनारे बसे दलित परिवारों के घरों में पानी भर गया है। इन परिवारों ने बताया कि उनके पास जमीन नहीं है, किसी तरह नदी किनारे मिट्टी का घर बना कर रह रहे थे। अब बारिश के बाद नदी का पानी उनके घरों में घुस गया। करीब 30 घरों में पानी भरने से लोग बेघर हो गए। उनका कहना है कि अनाज, कपड़े और घर का सामान पानी में बह गया। पशु भी पानी में बह गए, अब उनके पास कुछ भी नहीं बचा। ग्रामीणों ने बताया कि अब उनके पास ना घर है, ना रोटी, ना कपड़ा है। बारिश के इस मौसम में उनके सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। परिवार के बच्चे भूखे हैं और रहने की कोई जगह नहीं है।

प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे ग्रामीण

ग्रामीण प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं। उनका कहना है कि बारिश और बाढ़ के इस मौसम में उन्हें कहीं रहने का इंतजाम किया जाए, ताकि वे अपने बच्चों के साथ सुरक्षित रह सकें और दर-दर भटकना न पड़े। फिलहाल प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। दूसरी ओर परैया प्रखण्ड के परैया बाजार से पहले गुजर रही मोरहर नदी अपने साथ रेलवे का सामान बहा ले गई। नदी में पुल का निर्माण होना था। भारी सामान बच गए और हल्के सामान बह गए।
डीएम शशांक शुभंकर ने बताया कि झारखंड राज्य के अधिकांश जिलों में भारी बारिश हो रही है। इसकी वजह से सीमावर्ती जिला गयाजी में फल्गु नदी झारखंड के वर्षा जल से प्रभावित है। इसके अलावा जिले में अत्यधिक बारिश भी हो रही है। लगभग सभी नदियां अपने अधिकतम जलस्तर की सीमा से 50 से 60 सेंटीमीटर अधिक है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारी अंचल अधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी को वैसे सभी जगह पर कैंप करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण पदाधिकारी की ओर से जिले के सभी नदियों के जलस्तर का लगातार निगरानी रखी जा रही है हर दो-दो घंटे पर जलस्तर मापा जा रहा है

खेमका हत्याकांड में 2 घंटे बाद पहुंचने वाला थानेदार सस्पेंडःकारोबारी के भाई ने कहा था- बगल में थाना फिर भी लेट पहुंची पुलिस

पटना. पटना में बड़े कारोबारी खेमका की 4 जुलाई को अपार्टमेंट के बाहर ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने शूटर और मास्टरमाइंड को अरेस्ट कर लिया था। बुधवार को पटना के SSP कार्तिकेय शर्मा ने गांधी मैदान थानेदार को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया है। गोपाल खेमका के घर वालों ने वारदात के दिन यह आरोप लगाया था, कि घटना के 2 घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। SSP कार्तिकेय के शर्मा ने हाल ही में की गई समीक्षा के दौरान राजेश कुमार का काम में लापरवाही पाई थी। इसके बाद ये एक्शन लिया गया है। इसी मार्च महीने में राजेश कुमार ने गांधी मैदान के थानेदार बने थे। लगभग 4 महीने में ही हटा दिए गए। हालांकि, सस्पेंड हुए थानेदार राजेश कुमार ने कहा कि परिजनों की ओर से सूचना पुलिस को लेट से दी गई। खबर मिलते ही पुलिस पहुंच गई थी। कोई लापरवाही नहीं बरती गई।

पटना में रनवे टच करके दोबारा उड़ा विमानः4 चक्कर लगाने के बाद दोबारा लैंडिंग हो पाई; 173 यात्रियों की सांसें अटकी रहीं

पटना. दिल्ली से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E2482 मंगलवार को पटना एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद दोबारा उड़ गई। फिर, तीन-चार चक्कर लगाने के बाद फ्लाइट ने दोबारा लैंड किया। इस दौरान दिल्ली से पटना आ रहे 173 यात्रियों की सांसें 5 मिनट तक अटकी रहीं। दोबारा लैंडिंग के बाद यात्रियों ने राहत महसूस की।

दोबारा विमान को ऊपर उठा लिया

सूत्रों के अनुसार मंगलवार की रात करीब 9 बजे दिल्ली से पटना आने के बाद पायलट ने विमान की लैंडिंग कराई। हालांकि विमान टचिंग पॉइंट को थोड़ा ओवरशूट कर गया था।पटना एयरपोर्ट का रनवे छोटा है। पायलट को लगा कि रनवे पर विमान को नहीं रोक पाएंगे तो उसने दोबारा विमान को ऊपर उठा लिया। ऐसा होता देख यात्री परेशान हो गए।

क्रू मेंबर ने यात्रियों से धैर्य रखने को कहा

यात्रियों को लगा कि कोई विमान रनवे पर होगा या फिर कोई इमरजेंसी हो गई। क्रू मेंबर ने यात्रियों से कहा कि कोई इमरजेंसी नहीं हुई है। तकनीकी कारणों की वजह से विमान को फिर से टेकऑफ किया गया है। चार-पांच मिनट में लैंडिंग हो जाएगी। यात्री धैर्य रखें।

2 हजार मीटर है पटना एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई

फिलहाल पटना एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2,072.64 मीटर है। इसे 584.96 मीटर और बढ़ाकर 2657.6 मीटर करने की तैयारी चल रही है। यह कवायद केंद्र सरकार के सर्कुलर के बाद तेज हुई है। दरअसल, केंद्र सरकार ने अहमदाबाद हादसे के बाद देशभर के सभी एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी की है। उसमें रनवे की लंबाई और सुरक्षा को लेकर खास निर्देश दिया गया है।

40 कंपनियों में 4000 युवाओं को मिली जॉबःपटना की बेटी को दुबई में मिला 12 लाख का पैकेज, संतोष सिंह बोले- बिहार में जल्द खुलेगी स्किल यूनिवर्सिटी

पटना. पटना के ज्ञान भवन में आज श्रम संसाधन विभाग ने एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया। इस मेले में राज्यभर से हजारों की संख्या में युवा नौकरी लेने पहुंचे। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार के श्रम मंत्री संतोष कुमार सिंह और नीति आयोग के नवीन कुमार ने किया।
रोजगार मेले में देश की 40 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन, रिटेल और सर्विस सेक्टर में नौकरियों की पेशकश की। श्रम विभाग के अनुसार, मेले में आज लगभग 4000 युवाओं का चयन हुआ, जिन्हें तत्काल नौकरी के प्रस्ताव दिए गए। रोजगार मेले में पटना की रहने वाली अर्चना और रेहान को दुबई की कंपनी में सालाना 12 लाख रुपए की पैकेज पर नौकरी दी गई। जिसे लेकर युवाओं में उत्साह देखा गया। अर्चना और रेहान ने बताया कि पटना का यह रोजगार मेला उनकी जिंदगी बदलने वाली साबित हुई है। बिहार सरकार के तरफ से लगाया गया यह रोजगार मेला के कारण उन्हें दुबई में प्लेसमेंट मिला है। इसके साथ ही कई युवाओं को ऑन-द-स्पॉट जॉब ऑफर भी दिए गए।

स्किल विवि की घोषणा

इस अवसर पर श्रम मंत्री संतोष कुमार सिंह ने घोषणा करते हुए कहा कि, "बिहार में बहुत जल्द स्किल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। यह राज्य के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रशिक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम होगा।" उन्होंने आगे कहा कि किसी ने कल्पना नहीं की थी कि बिहार में स्किल आधारित उच्च शिक्षा की ऐसी व्यवस्था होगी। बिहार अब देश का तीसरा राज्य बनेगा जहां स्किल विश्वविद्यालय की सुविधा होगी। संतोष सिंह ने आगे कहा कि राज्य सरकार आने वाले पांच वर्षों में 1 करोड़ रोजगार और नौकरियां देने के लक्ष्य को पूरा करेगी। अगले पांच वर्षों में हर घर में एक रोजगार या नौकरी सुनिश्चित की जाएगी।

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा, 16.73 लाख अभ्यर्थी शामिलःजमुई में मंगलसूत्र उतरवाए; नालंदा में नंगे पैर सेंटर पर पहुंचे कैंडिडेट्स

पटना. बिहार में पहले दिन की कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा खत्म हो गई है। कुल 19 हजार 838 पदों पर बहाली होगी। परीक्षा के लिए 16 लाख 73 हजार 586 अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड जारी किए गए हैं। एग्जाम की डेट 16, 20, 23, 27, 30 जुलाई और 3 अगस्त तक है। इस बार राज्य के 38 जिलों में 627 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। हर चरण में करीब ढाई से तीन लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा का समय दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक है। नालंदा में कैंडिडेट्स नंगे पैर कॉलेज पहुंचे। पटना के कॉलेज के बाहर लंबी लाइन देखने को मिली। जमुई में महिला कैंडिडेट्स के मंगलसूत्र उतरवाए गए हैं। बिहार में सिपाही के 19,838 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा शुरू हो गई है। 16 लाख 73 हजार 586 अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड जारी किए गए हैं। एग्जाम की डेट 16, 20, 23, 27, 30 जुलाई और 3 अगस्त तक की है। परीक्षा में अभ्यर्थियों को पेन-पेंसिल लाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा हॉल में ही पेन और पेंसिल दिए जाएंगे। नालंदा में 16,578 अभ्यर्थियों के लिए 23 सेंटर बनाए गए हैं। चेकिंग के बाद छात्रों को एग्जाम हॉल में एंट्री दी गई। जूता पहनकर आने की मनाही थी। जिसके चलते कई छात्र नंगे पैर ही एग्जाम देने पहुंचे। परीक्षा को कदाचार मुक्त और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सभी सेंटर्स पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल की तैनाती की गई है। दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी और गश्ती दल भी एक्टिव है।

'पापा जल्दी आओ, बचा लो, ये मार देंगे':मोतिहारी में पिता बोले- हत्या के बाद बेटी को फंदे से लटकाया; दामाद को अपाचे चाहिए थी

मोतिहारीण् मोतिहारी में मंगलवार की रात दहेज के लिए विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। उसका शव ससुराल में पंखे से लटा मिला है। महिला के पिता मदन साह ने बताया कि 'बेटी ने रात में फोन किया था। वो कहा रही थी- 'पापा जल्दी आ जाइए, ये सभी लोग मिलकर मेरी गला दबाकर हत्या करना चाहते हैं।' मदन ने अपने दामाद और उसके घरवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना आदापुर थाना क्षेत्र के श्यामपुर की है। मृतका की पहचान दीपक कुमार की पत्नी मीरा कुमारी (27) के रूप में हुई है। महिला के पिता मदन साह ने आगे बताया कि 'दोपहर में भी मीरा के साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई थी। उसने मुझे दोपहर करीब 3 बजे फोन किया और बताया ससुराल वाले गंदी-गंदी गाली दे रहे है। इसके बाद मैं उसे समझाकर शांत किया। लेकिन रात में करीब 10:30 बजे उसका फिर से फोन आया।' 'अपनी आखरी कॉल में उसने कहा जल्दी आ जाओ। ये लोग मुझे जान से मारने की तैयारी कर रहे है। ये लोग मेरा गला दबाकर जान लेना चाह रहे है। इसके बाद मैं डायल 112 को सूचना दी। फिर थाने के बड़ा बाबू को फोन किया। पुलिस मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक मीरा की गला दबाकर वो लोग फंदे से लटका कर फरार हो गए।'

मृतका के पिता मदन साह ने बताया कि '6 साल पहले मीरा की शादी श्यामपुर गांव निवासी दीपक कुमार से की थी। उसके दो बच्चे है। एक 5 साल और दूसरा 3 साल का है। शादी के बाद से ही ससुराल वाले बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे।' 'वे लोग दो लाख रुपए और बाइक की मांग कर रहे थे। मांग नहीं पूरी होने की वजह से मेरी बेटी के साथ गाली-गलौज और मारपीट करते थे। इसको लेकर मैं कई बार पंचायत और थाने में शिकायत की। समाज और पुलिस मामले को शांत करवा दिया था।' मदन साह ने बेटी से बात करने के बाद आदापुर थाने की पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक ससुराल वाले घर छोड़कर फरार हो चुके थे। पुलिस घर की तलाशा की तो मीरा का शव पंखे से लटा मिला।

पटना-बक्सर फोरलेन पर मजदूर की मौत

आरा (भोजपुर). पटना-बक्सर फोरलेन एनएच पर तेज रफ्तार बाइक ने एक मजदूर को टक्कर मार दी। गंभीर हालत में स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया। इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना गीधा थाना क्षेत्र के गीधा ओवरब्रिज के पास की है। गड़बड़ी के बाद लोको पायलट परीक्षा कैंसिल कराने की मांग:पूर्णिया में फूटकर रोया अभ्यर्थी, तबीयत बिगड़ने पर एडमिट, बोला- पढ़ाने में भाई ने जान गंवाई पूर्णिया. पूर्णिया में लोको पायलट की परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ी सामने आई। परीक्षा में शामिल हुआ एक अभ्यर्थी एग्जाम कैंसिल करने की मांग को लेकर फूट फुटकर रोने लगा। बिलखते परीक्षार्थी की तबीयत इतनी बिगड़ गई कि उसे परीक्षा के बीच आनन-फानन में GMCH पूर्णिया के एमरजेंसी वार्ड में एडमिट कराया गया।

वैशाली में करंट लगने से छात्र की मौतःबारिश से बचने गया था मेडिकल दुकान, खुले तार की चपेट में आने से हादसा

हाजीपुर (वैशाली). वैशाली में बारिश से बचने के लिए मेडिकल दुकान में गए 7 वर्षीय बच्चे की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। घटना काजीपुर थाना क्षेत्र के पट्टील्ही गांव की है। मृतक की पहचान लालगंज थाना क्षेत्र के मसूधन पकड़ी गांव निवासी विकास महतो का बेटा अंश कुमार के रूप में हुई है। वह अपने ननिहाल में रहकर दूसरी कक्षा में पढ़ाई कर रहा था।

बेटे के बचाव में उतरीं मेयर, बोली- वो निर्दोष हैः सीता साहू ने कहा, सीएम और डिप्टी सीएम से मिलूंगी

पटना. पटना मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर के खिलाफ सर्च वारंट जारी है। कमिश्नर और पटना मेयर की लड़ाई से पार्षद दो गुटों में बंटे हैं, जिसे लेकर माहौल गरम है। बुधवार को मेयर सीता साहू ने पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ मौर्या लोक में अपने गुट के पार्षदों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भास्कर से बातचीत में उन्होंने कहा कि जो कमिश्नर मेरे बेटा को अपराधी बता रहे है, वो खुद भ्रष्टाचार कर रहे हैं, अपराधी हैं। सीता साहू ने कहा कि 'पिछले दो महीने से स्थिति खराब हुई है। कोई काम नहीं हो पा रहा है। मेरा बेटा बिल्कुल निर्दोष है। कमिश्नर भी प्राइवेट बॉडी गार्ड लेकर चलते हैं(मेरा बेटा भी प्राइवेट बॉडी गार्ड रखता है, इसमें क्या गलत है। अब हम लोग कमिश्नर के भ्रष्टाचार का काला चिट्ठा खोल रहे हैं, तो तिलमिला गए हैं। बेवजह मेरे बेटे को परेशान किया जा रहा है।' सीता साहू ने आगे कहा, 'गोपाल खेमका हत्याकांड से भी ज्यादा मामूली लड़ाई को तुल दिया जा रहा है। बिना सर्च वारंट लिए, पुलिस मेरे घर पहुंची थी। कमरे की तलाशी ली गई। बेटे के ससुराल तक पहुंच गई। मैं वहां अपने समधन की सालगिरह में गई थी। मेरी बहू वहां स्नान कर रही थी, ऐसा लग रहा था, उसके दरवाजे को पुलिस वाले तोड़ देंगे।''मेरा बेटा वहां से निकल गया। पुलिस वालों ने मुझे फोन पर बताया है। मेरे बेटे को गिरफ्तार करने के लिए प्रेशर दिया जा रहा है। मैं जानना चाहती हूं कि आखिर ये कौन लोग हैं।'
सीता साहू ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल से इस मामले में हस्तक्षेप कर के न्याय की गुहार लगाई हैं। उन्होंने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। बेटे पर साजिशन झूठा आरोप लगाया जा रहा है। मैं आज दिल्ली जा रही हूं।स्वच्छता सर्वेक्षण में पटना को चौथा स्थान मिला है। जब दिल्ली से लौटकर आऊंगी तो सीएम और डिप्टी सीएम दोनों से मिलूंगी।

पार्षद ने सीता साहू के प्रदर्शन को नौटंकी बताया

वहीं पार्षद विनय कुमार ने सीता साहू के प्रदर्शन को नौटंकी बताया है। उन्होंने कहा कि, आखिर पार्षदों की बैठक में मेयर का बेटा शिशिर किस हैसियत से बैठा था, पहले उन्हें स्पष्ट करना चाहिए। बेटे को छोड़िए मेयर भी अभद्र भाषा का प्रयोग कर रही हैं, अब तक मैं उन्हें भद्र महिला मान रहा था। लेकिन अब तो पटना की मेयर भी गाली दे रही हैं।

विपक्ष के पार्षदों ने कहा मेयर से ऊपर सुपर मेयर हैं शिशिर

विपक्ष की पार्षदों ने आरोप लगाया है कि स्टैंडिंग कमेटी के पार्षद, मेयर के बेटे और अमेजिंग इंडिया एजेंसी के ने पटना नगर निगम में भ्रष्टाचार किया है। बिना चर्चा अब बिल पास कराया जा रहा है। श्वेता रंजन ने कहा कि अवैध पार्किंग से वसूली की जा रही है। उस एजेंसी को फायदा पहुंचाया जा रहा है। भ्रष्टाचार का विरोध करने पर हमलोगों को कमिश्नर का चमचा कहा जा रहा है। मेयर से ऊपर उनके बेटे सुपर मेयर बने हुए हैं। सदन में महिलाओं के सामने कुर्ते फाड़े गए। पर्दे के पीछे शिशिर बैठकर बैठक की बातें सुनता रहता है। इसका अधिकार उसे किसने दिया है। विपक्ष की ओर से पिंकी यादव वार्ड (32), गीता देवी वार्ड (10), करुणा राय वार्ड (65), श्वेता रंजन वार्ड(21), सोनी देवी वार्ड (17), भारती कुमारी वार्ड (20) मौजूद रहीं।

शिशिर के खिलाफ आलमगंज थाने में भी हत्या समेत चार केस दर्ज हैं

शिशिर के खिलाफ गांधी मैदान थाने में मारपीट और धमकी देने का केस दर्ज हुआ है। इसमें सात साल से कम की सजा का प्रावधान है। अगर किसी पर पहले से कोई केस दर्ज नहीं होता है तो उन्हें 41 का नोटिस देकर थाने से जमानत मिल जाती है, लेकिन अब शिशिर को इसका फायदा नहीं मिलेगा। इसकी वजह है कि शिशिर पर आलमगंज थाने में हत्या, आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास, प्रॉपर्टी डैमेज करने, मारपीट आदि के केस दर्ज है। एक केस कोतवाली थाने में भी दर्ज है।

संसद का मानसून सत्र इस बार आर या पार

21 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है इस बार का मानसून सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए आर पार की लड़ाई जैसा होगा। केंद्र में गठबंधन की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके पूर्व कभी भी गठबंधन की सरकार नहीं चलाई है। 2002 से लेकर 2024 तक वह हमेशा पूर्ण बहुमत की सरकार के मुख्यमंत्री अथवा प्रधानमंत्री रहे हैं। 2024 के बाद वह गठबंधन के प्रधानमंत्री हैं। 10 वर्षों के बाद विपक्ष संसद में मजबूत हुआ है। पिछले दो-तीन महीने में जिस तरह की घटनाएं भारत में हुई हैं। उससे सरकार की मुसीबतें बढ़ रही हैं। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से केंद्र की सत्ता एकाधिकार के बल पर संचालित हो रही थी। वैसी ही स्थिति 11वें साल में केन्द्र सरकार रखना चाहती है। जिसके कारण भाजपा की मुसीबतें बढ़ने लगी हैं। केंद्र सरकार में भाजपा के सबसे बड़े सहयोगी राजनीतिक दल तेलुगु देशम पार्टी और बिहार में जनता दल है। यदि इन दोनों दलों द्वारा समर्थन वापस ले लिया जाता है, तो सरकार गिर भी सकती है। ऐसी स्थिति में सरकार मध्यावती चुनाव का निर्णय ले सकती है। सदन के अंदर यदि सरकार पराजित होती है, ऐसी स्थिति में इंडिया गठबंधन अन्य राजनीतिक दलों के साथ समझौता करके केंद्र में सरकार बना सकती है। यह बात इसलिए लिखना पड़ रही है, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन समीक्षा में जिस तरह की प्रक्रिया चुनाव आयोग द्वारा अपनाई जा रही है। उसके कारण चुनाव आयोग की साख पूरी तरह से खत्म होती हुई नजर आ रही है। चुनाव आयोग की यह पहचान भी बन रही है, वह केंद्र सरकार और भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। चुनाव आयोग मतदाता सूची के लिए जो दस्तावेज मांग रहा है, उसमें आधार कार्ड को मान्य नहीं है। वर्तमान में आधार कार्ड ही भारतीय नागरिकों के पास सबसे प्रमाणिक सरकारी दस्तावेज है। सारे सरकारी कामकाज इसी आधार कार्ड से हो रहे हैं। आधार कार्ड बनाते समय लोगों के आंखों की पुतलियां, फिंगरप्रिंट और उनके परिवार से संबंधित सभी लोगों का आधार कार्ड अनिवार्य है। चुनाव आयोग आधार के स्थान पर ऐसे दस्तावेज मांग रहा है, जो फर्जी हो सकते हैं। उनकी प्रमाणिकता कभी भी साबित नहीं हो सकती है। इसको लेकर टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू ने स्पष्ट रूप से आयोग के सामने विरोध जता दिया है। जनता दल में मतदाता सूची को लेकर बिहार में दो फाड़ हो चुका है। इंडिया गठबंधन पहले ही जम्मू कश्मीर के पहलगांव में 28 पर्यटकों की मौत, उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर, जब भारतीय सेना जब पाकिस्तान को बड़ा नुकसान पहुंचा रही थी, उस समय सीजफायर करना, ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय विमानों का गिरना, भारतीय सेना द्वारा यह कहना कि मीडिया और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण भारतीय सेना को नुकसान हुआ है। पाकिस्तान द्वारा लड़ाई में चीन के हथियारों का इस्तेमाल करने के साथ-साथ चीन द्वारा सैटेलाइट मैपिंग एवं तकनीकि का भारत के खिलाफ पाकिस्तान को लड़ाई में सहयोग दिया है। ऑपरेशन सिंदूर को दुनिया के किसी देश का समर्थन नहीं मिलने, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता का पैकेज मिलने, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराने, पाकिस्तान के जनरल मुनीर को अमेरिका बुलाकर व्हाइट हाउस में लंच कराकर सम्मानित करने, चीन के साथ भारत का आयात और निर्यात घाटा बढ़ने, भारत का चीन के साथ सीमा विवाद, मणिपुर में लगातार अशांति, दलाई लामा को लेकर चीन के साथ तनाव के मुद्दे विपक्ष के पास हैं। भारत के उद्योगपति गौतम अडानी, सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अब विदेश मंत्री जयशंकर का चीन जाना सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहा है। इसी तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगातार भारत को टैरिफ की धमकी देते हुए अमेरिका से कारोबार बढ़ाने, अमेरिका से कृषि और डेयरी उत्पाद को भारत में आयात करने, रूस के साथ तेल और सैन्य डील को खत्म करने का दबाव बनाया जा रहा है। इन सभी मामलों में सरकार ने चुप्पी साध रखी है। जिसके कारण इस संसद सत्र में सरकार के लिए बड़ी परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। बिहार की मतदाता सूची को लेकर चुनाव आयोग इलाहाबाद हाईकोर्ट के दो जजों के खिलाफ महाभियोग को लेकर भी सत्ता पक्ष और विपक्ष में तनातनी बनी हुई है। 21 जुलाई से शुरू होने वाले इस मानसून सत्र में सरकार डिजिटल प्रतिस्पर्धा विधेयक, जीएसटी न्यायाधिकरण विधेयक, सार्वजनिक खरीद विधेयक, दिवालियापन एवं ऋण शोधन संहिता संशोधन विधेयक, खेलों में नैतिक आचरण संशोधन विधेयक, भू वैज्ञानिक विरासत संरक्षण विधेयक, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाए जाने का विधेयक पास कराना चाहती है। इसके अलावा वक्फ बिल को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ सकता है। बिहार में सघन मतदाता सूची का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सुप्रीम कोर्ट का सुझाव, चुनाव आयोग मानता है या नहीं, इसको लेकर भी संसद में विपक्ष बहुत आक्रामक भूमिका में होगा। सरकार के सहयोगी दल संसद में कैसा रुख अख्तियार करेंगे, कह पाना मुश्किल है। मानसून सत्र के पहले जिस तरह से सरकार और विपक्ष के बीच में तनाव देखने को मिल रहा है। उससे यह प्रतीत होता है इस बार विपक्ष आर पार की लड़ाई लड़ने के मूड में है। 1975 में आपातकाल के पूर्व जिस तरह से देश भर में छात्र आंदोलन चल रहे थे। उस समय महंगाई-बेरोजगारी मुख्य मुद्दा था। उस समय राजनीतिक दलों ने इंदिरा गांधी के इस्तीफा को राजनीतिक मुद्दा बनाकर आंदोलन को हवा दी थी। इस बार मतदाता अधिकार को लेकर विपक्ष ने मतदाताओं को उद्देलित कर दिया है। बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र इत्यादि राज्यों में धुआं उठने लगा है। कब यह ज्वाला में परिवर्तित हो जाएगा कहना मुश्किल है। इस बार विपक्ष पूरी तरह से आक्रामक मुद्रा में है। विपक्ष किसी भी स्तर पर जा सकता है। इस बार विपक्ष संसद में अपनी ताकत नहीं दिखा पाया, तो भविष्य में कोई अस्तित्व नहीं रहेगा। इस स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है। संसद का मानसून सत्र इस बार सरकार और विपक्ष के लिए आर-पार की लड़ाई जैसा है। ऊंट किस करवट बैठेगा कहना मुश्किल है।

मौत का एक दिन मुकरर है

मौत का एक दिन मुकरर है मौत सबको आएगी अमर कोई नहीं रहा। आधुनिक मानव जर, जोरू, जमीन के लिए अपनों का खून कर रहा है रिश्तों का कत्लेआम कर रहा हैं। खुनी रिश्ते खत्म होते जा रहे हैं। इंसान क़ो कोई नहीं गिरा सकता इंसान ही इंसान क़ो गिरा रहा है। खुनी रिश्ते दरक रहे हैं इन रिश्तों क़ो बचाना चाहिए। अपने ही काम आते हैं दूसरे तमाशा देखते हैं। आज हालात बहुत ही खराब होते जा रहे हैं लोग सोशल मीडिया व व्हाट्सप्प पर व्यस्त रहते हैं चौबीस घंटे भी कम पड़ते जा रहे हैं अपनों के लिए समय ही नहीं हैं समय का अभाव होता जा रहा हैं। अपनों से मनमुटाव हैं मगर सात समंदर पार अजनवी के लिए समय ही समय हैं अपनों का कभी हाल नहीं पूछते लेकिन अजनबी लोगों की पल पल की खबर ली जाती हैं अपना आस पड़ोस ही काम आएगा विदेशी नहीं काम आएगा। आज लोग एक दूसरे से बेबजह ही दुश्मनी रखते है। किसी का आदर सम्मान नहीं करते उल्टा अपमान करते है। आदमी क़ो अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए क्यूंकि अतीत की परछाईयां मरते दम तक पीछा करती हैं। गरीबों का हक छिना जा रहा हैं लेकिन जब गरीब की बद्दुआ लगती है तो लोहा भी भस्म हो जाता हैं इसलिए गरीब क़ो मत सताओ। ईश्वर सजा जरूर देता हैं। आज मानव दिन रात अकूत धन् कमा रहा हैं लेकिन पल भर की खबर नहीं हैL आज लोग दूसरों के रास्ते में कांटे बिछाते हैं लेकिन एक दिन ऐसे लोगों क़ो उनके कर्मो की सजा जरूर मिलती हैं कर्म अनिश्चित हैं लेकिन फल निश्चित हैं। मानव क़ो ऐसे कर्म करने चाहिए की समाज याद कर सके। ऐसे लोगों की सहायता कीजिये जो जरूरत मंद हैं। वक़्त एक जैसा नहीं रहता राज क़ो रंक बनने में एक पल नहीं लगता अहंकार त्याग देना चाहिए। आदमी ताउम्र साम, दाम, दंड, भेद, जैसे हथकंडे अपनाकर पैसा इकट्ठा कर रहा हैं। आज लोग संवेदनहिन् हो गया हैं कौन जी रहा कौन मर रहा कोई सरोकार नहीं है।संवेदना मृतप्राय हो चुकी हैं। आधुनिक मानव स्वार्थ व मतलब तक सीमीत हो गया है। यह बहुत ही त्रासदी है। संस्कारों का अंतिम संस्कार होता जा रहा है। नैतिक मूल्यों का पतन हो चूका है। नैतिकता नाम की कोई चीज नहीं है लोग नैतिकता की अदालत में हार् रहे हैं। समाज के बुद्धिजीवी लोगों क़ो मंथन करना होगा नैतिक मूल्य क़ो बरकरार रखना होगा तभी समाज में नैतिकता बनी रहेगी। मंज़िल सबकी मौत है फिर यह नफ़रत, भेदभाव क्यों यह मोह माया क्यों जब पता है की एक दिन इस नशवर संसार से रुख़सत होना है तो यह गिले शिकवे क्यों। मानव ताउम्र भटकता रहता है धनलीपसा में मशगुल रहता हैं उल्टा सीधा काम करके माया क़ो इक्क्ठा कर रहा है आदमी क़ो पता है की यहाँ क़ोई अमर नहीं है। अच्छे कर्म कीजिये यही असली कमाई है।

अहमदाबाद प्लेन हादसा की प्रारंभिक रिपोर्ट

> एप्रन नियमों के अधीन होता है और आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल होता है।. रैंप क्षेत्र (जिसे कभी-कभी एप्रन भी कहा जाता है) एयरपोर्ट प्रबंधन,एयरपोर्ट एप्रन, रैंप या टारमैक, एयरपोर्ट का वह क्षेत्र होता है जहाँ विमान पार्क किए जाते हैं, उतारे जाते हैंया चढ़ाए जाते हैं, ईंधन भरे जाते हैं, विमान में चढ़ाए जाते हैं या उनका रखरखाव किया जाता है। एप्रन का उपयोग नियमों द्वारा कवर किया जाता है, आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ होता है। लैंडिंग गियर को उड़ान के कुछ सेकंड बाद, जब विमान ठीक से टेक ऑफ करना शुरू करता है, तब बंद कर दिया जाता है, जो कि 600 फीट से पहले होता है।

संजय गोस्वामी

एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की प्रारंभिक रिपोर्ट से कुछ जवाब तो मिले हैं, लेकिन इसके कारण को लेकर अटकलों का दौर भी शुरू हो गया है।बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान पश्चिमी भारत के अहमदाबाद शहर से लंदन जाते समय उड़ान भरने के एक मिनट से भी कम समय बाद एक इमारत से टकरा गया, जिससे उसमें सवार 241 लोगों और ज़मीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई। एक यात्री बच गया।हालांकि, विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का दावा है कि जाँचकर्ता बहुत ही चयनात्मक तरीके से बयान दे रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत, किसी हवाई दुर्घटना की जाँच करने वाले राज्य को 30 दिनों के भीतर एक प्रारंभिक रिपोर्ट जारी करनी होती है। भारत के वायु दुर्घटना जाँच ब्यूरो (AAIB) द्वारा शनिवार को प्रकाशित 15-पृष्ठ का दस्तावेज़ इस आवश्यकता को पूरा करता है।हालाँकि एएआईबी जाँच का नेतृत्व कर रहा है, लेकिन इसमें अमेरिकी हितों का भी प्रतिनिधित्व है, क्योंकि विमान निर्माता बोइंग और इंजन निर्माता जीई एयरोस्पेस अमेरिकी हैं।यह याद रखना ज़रूरी है कि प्रारंभिक रिपोर्ट का उद्देश्य पूरी घटना की कोई ठोस निष्कर्ष निकालना नहीं होता। ये रिपोर्ट एक लंबी जाँच के शुरुआती चरणों में प्राप्त जानकारी का सारांश हैं।दुर्घटनाग्रस्त उड़ान के अपने विवरण में, एएआईबी ने कहा है कि उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद दो ईंधन कट-ऑफ स्विच रन से कट-ऑफ स्थिति में आ गए थे।इससे इंजनों का ईंधन खत्म हो गया और उनका थ्रस्ट कम हो गया। हालाँकि फ्लाइट रिकॉर्डर के डेटा से पता चलता है कि इंजन बाद में फिर से चालू हो गए थे, लेकिन दुर्घटना को रोकने के लिए बहुत देर हो चुकी थी।इन स्विचों का इस्तेमाल आमतौर पर उड़ान से पहले इंजन चालू करने और बाद में बंद करने के लिए ही किया जाता है। इनमें एक लॉकिंग मैकेनिज्म होता है, जिसका मतलब है कि इन्हें पलटने से पहले बाहर निकालना होगा, यह एक ऐसी प्रणाली है जिसे आकस्मिक तैनाती को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा, तुमने कट-ऑफ क्यों किया?, जबकि उसके सहयोगी ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।हालाँकि, यह बातचीत का कोई सीधा प्रतिलेख उपलब्ध नहीं कराता, जिसे कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर रिकॉर्ड कर लेता। न ही यह बताता है कि किस पायलट ने सवाल पूछा था।जाँच अधिकारी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सार्वजनिक करने के लिए भी बाध्य नहीं है।विमानन क्षेत्र में मानवीय हताहतों और वित्तीय नुकसान को कम करने के लिए इन दुर्घटनाओं के कारणों और विवरणों का विश्लेषण आवश्यक है। ज़मीन पर, जैसे एप्रन पर, और हवा में, उपचारात्मक उपायों को लागू करने पर विशेष ज़ोर दिया जाना चाहिए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) सुरक्षा निरीक्षण के लिए ज़िम्मेदार नियामक प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है। रोज़ाना बढ़ती हवाई दुर्घटनाओं को देखते हुए, स्थापित दिशानिर्देशों के अनुसार प्रबंधन योजना और ज़मीनी संचालन का एक व्यापक अध्ययन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2015 से, इन दुर्घटनाओं के मूल कारणों की जाँच के लिए एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा जारी है। भारत में हवाई परिवहन ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, साथ ही दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों में भी वृद्धि हुई है। डीजीसीए के अनुसार, दुर्घटना से तात्पर्य विमान परिचालन से संबंधित किसी भी घटना से है, दुर्घटनाओं को छोड़कर, जो सुरक्षा को प्रभावित करती है या संभावित रूप से प्रभावित कर सकती है। हाँ यह देखा गया है कि दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण उड़ान संचालन, उतरना, टेक-ऑफ, ईंधन प्रबंधन, यांत्रिक समस्या मौसम हैं जो संचालन की सुरक्षा को प्रभावित करती है या प्रभावित कर सकती है। हवाई अड्डे का एप्रन, रैंप या टैक्सीवे, हवाई अड्डे का वह क्षेत्र होता है जहाँ विमान पार्क, उतरते, ईंधन भरते, सामान लादते या रखरखाव करते हैं। एप्रन नियमों के अधीन होता है और आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ होता है। एप्रन क्षेत्र (जिसे कभी-कभी रैंप भी कहा जाता है) हवाई अड्डा प्रबंधन और एयरलाइनों की ज़िम्मेदारी है। हवाई अड्डा प्रबंधन यात्रियों और मालवाहकों को हवाई यातायात सुविधाओं जैसे गेट, कार्गो पार्किंग क्षेत्र, जेटवे और ईंधन भरने की प्रणालियों तक पहुँच प्रदान करता है। एयरलाइनें हवाई अड्डा प्रबंधन से गेट पट्टे पर लेती हैं और सुविधाओं के उपयोग के अधिकार प्राप्त करती हैं। एप्रन क्षेत्र में जमीनी संचालन में कई प्रकार की सेवाएँ शामिल होती हैं। ये सेवाएँ या तो एयरलाइनों द्वारा स्वयं प्रदान की जाती हैं या उप-ठेकेदारों को आउटसोर्स की जाती हैं। डीजीसीए की परिभाषा के अनुसार, दुर्घटना से तात्पर्य विमान संचालन से जुड़ी किसी भी दुर्घटना से नहीं है और जो संचालन की सुरक्षा को प्रभावित करती है या संभावित रूप से प्रभावित कर सकती है। हवाई क्षेत्र में होने वाली घटनाएँ हवाई अड्डे के संचालन क्षेत्रों, जैसे रनवे और रैंप ज़ोन, में होने वाली घटनाओं को संदर्भित करती हैं, जो सुरक्षा या संचालन को प्रभावित कर सकती हैं। हवाई अड्डा एप्रन, रैंप या एप्रन हवाई अड्डे के भीतर एक ऐसा क्षेत्र होता है जहाँ विमानों को पार्क किया जाता है, उड़ान भरी जाती है, ईंधन भरा जाता है, लोड किया जाता है या उनका रखरखाव किया जाता है। एप्रन नियमों के अधीन होता है और आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल होता है।. रैंप क्षेत्र (जिसे कभी-कभी एप्रन भी कहा जाता है) एयरपोर्ट प्रबंधन,एयरपोर्ट एप्रन, रैंप या टारमैक, एयरपोर्ट का वह क्षेत्र होता है जहाँ विमान पार्क किए जाते हैं, उतारे जाते हैंया चढ़ाए जाते हैं, ईंधन भरे जाते हैं, विमान में चढ़ाए जाते हैं या उनका रखरखाव किया जाता है। एप्रन का उपयोग नियमों द्वारा कवर किया जाता है, आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ होता है। लैंडिंग गियर को उड़ान के कुछ सेकंड बाद, जब विमान ठीक से टेक ऑफ करना शुरू करता है, तब बंद कर दिया जाता है, जो कि 600 फीट से पहले होता है. रिपोर्ट दुर्घटना के कारणों के बारे में कोई निष्कर्ष नहीं देती है। फिर भी, इसने काफी विवाद खड़ा कर दिया है।भी यदि दुर्घटना को जान भी गए तो क्या होगा जो होना था वो हो गया घटना घटनी थी जो अत्यंत दुःखद व भयाभव था वहीं, अहमदाबाद विमान हादसे में एक चमत्कारी घटना सामने आई है।

न्यायऔर मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक

> बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के ढांचे की करें तो,संयुक्त राष्ट्र सेसंबंधित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय द हेग में है। इस न्यायालय में 6 भाषाओं (अंग्रेजी, फ्रेंच, रसियन, स्पेनिश, अरेबिक, चाइनीज) में सुनवाई होती है, लेकिन काम अंग्रेजी और फ्रेंच में ही होता है। इसके सदस्य देशों की संख्या 123 है। 17 जुलाई 1998 को इसकी स्थापना हुई थी, इसने 1 जुलाई 2002 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया। साथियों बात अगर हम न्यायालय की जरूरत की करें तो अपराध की दुनिया पर लगाम लगाने के लिए न्यायालय की जरूरत पड़ती है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर एक दो दशक से जिस तरह संगठित अपराधोंकी संख्या में अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व स्थानीय समूह की गतिविधियों में वृद्धि हुई है इसे गंभीरता से रेखांकित करना समय की मांग है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि उनके संगठित अपराधों को अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में देखें तो जांचएजेंसियों द्वारा आजकल अपराध की थ्योरी को अन्तर्राष्ट्रीय एंगल से जांच करने की थ्योरी भी अपनाई जाती है जिस तरह से वर्तमान में रूस- यूक्रेन इज़राइल हमास युद्ध,व अनेक देशों के स्थानीय लोकल स्तरोंपर मानवीय अधिकार हनन अपराध चर्चा में आ रहा है व विशेष रूप से युद्ध अपराध चर्चा में आया हैं, युद्ध अपराध के लिए विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय मानक मौजूद हैं, सहित अनेक केसों की तारें विदेशों तक जुड़ी हुई है। एक आपराधिक संगठन को हम गिरोह,माफिया, भीड़, सिंडीकेट, अंडरवर्ल्ड या गैंग्लैंड भी कह सकतें है, जिसमें अनेक अपराध जैसे सफेदपोश अपराध, वित्तीय अपराध, राजनीतिक अपराध, युद्ध के अपराध सहित अनेक परिभाषित अपराधों को शामिल किया जा सकता है जो अंतरराष्ट्रीय कनेक्टेड होते हैं इसीलिए आज हम ऐसे अपराधों और न्याय पर चर्चा करेंगे जो अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में आते हैं उनके पीड़ितों को न्याय दिलाने, दुनियाँ भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से सचेत रहने के प्रति जागरूक करने के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2025 के उपलक्ष में इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम आज की दुनिया में विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस 2025 की प्रासंगिकता की करें तो (1) राजनीतिक संघर्षों, युद्ध अपराधों और असंख्य मानवाधिकार उल्लंघनों के इस युग में, विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। (2)यह विश्वव्यापी स्तर पर एक पर्याप्त रूप से सुदृढ़ अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता की ओर ध्यानआकर्षित करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए ज़िम्मेदार, बिना जवाबदेही के न बच सकें।(3) यूक्रेन, गाजा और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में उभर रहे संकटों को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय न्याय एक महत्वपूर्ण तंत्र है जो आम नागरिकों की रक्षा करता है और आगे होने वाले अत्याचारों को प्रभावी रूप से रोक सकता है।(4) यह अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) जैसी संस्थाओं और न्याय प्रशासन में राज्यों के बीच सहयोग के महत्व को भी उजागर करता है। (5) ऐसे युग में जहाँ बहुपक्षवाद और कानून के शासन को बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, यह स्मरणोत्सव शांति, जवाबदेही और पीड़ितों के अधिकारों के प्रति वैश्विक निष्ठा की याद दिलाता है। (6) इसलिए यह एक ऐसी न्यायपूर्ण दुनिया की दिशा में प्रेरणा देता है जहाँ न्याय सीमाओं और राजनीतिक हितों से परे जाकरसख़्ती से लागू हो।

साथियों बात अगर हम विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मनाने के उद्देश्यों की करें तो, (1) विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उसे बढ़ावा देना तथा दुनिया में सबसे गंभीर अपराधों के लिए दंड से मुक्ति के विरुद्ध संघर्ष करना है (2) यह अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) जैसे कानूनी तंत्रों के माध्यम से नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के कुख्यात अपराधियों को जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर बल देता है। (3) यह दिवस मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन को बनाए रखने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।(4) इसलिए यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को सहयोग और ठोस अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढाँचों के माध्यम से एक अधिक न्यायपूर्ण और निष्पक्ष विश्व के निर्माण हेतु मिलकर काम करने की याद दिलाता है। साथियों बात अगर हमअंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) को समझने की करें तो-परिचय (1) यह विश्व का पहला स्थायी, स्वतंत्र और अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण है जो उन व्यक्तियों पर मुकदमा चलाता है जिन्होंने अत्यंत गंभीर अपराध किए हों। (2) इसमें चार प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय अपराधों को सम्मिलित किया गया है-नरसंहार युद्ध संबंधी अपराध, मानवता के विरुद्ध अपराध तथाआक्रामकता से संबंधित अपराध। (3) इस न्यायालय का मुख्यालय हेग, नीदरलैंड्स में स्थित है और यह जुलाई 2002 से कार्य कर रहा है। (4) भारत ने अभी तक रोम संविधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, अतः वह आईसीसी का सदस्य नहीं है। (5) भारत का मानना है कि आईसीसी की कुछ धाराएं उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता, सैन्य कार्रवाई और आंतरिक सुरक्षा नीतियों के लिए बाधक हो सकती हैं। (6) भारत यह भी आशंका जताता हैकि आईसीसी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के वीटोयुक्त देशों का अत्यधिक प्रभाव है, जिससे निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के ढांचे की करें तो,संयुक्त राष्ट्र सेसंबंधित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय द हेग में है। इस न्यायालय में 6 भाषाओं (अंग्रेजी, फ्रेंच, रसियन, स्पेनिश, अरेबिक, चाइनीज) में सुनवाई होती है, लेकिन काम अंग्रेजी और फ्रेंच में ही होता है। इसके सदस्य देशों की संख्या 123 है। 17 जुलाई 1998 को इसकी स्थापना हुई थी, इसने 1 जुलाई 2002 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया। साथियों बात अगर हम न्यायालय की ज़रूरत की करें तो अपराध की दुनिया पर लगाम लगाने के लिए न्यायालय की जरूरत पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व में न्याय दिलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना हुई थी।प्रतिवर्ष आज ही के दिन 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। इसे आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्याय दिवस भी कहा जाता है। इसी दिन अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की स्थापना हुई थी। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के प्रति जागरूक करना है।

स्वास्थ्य बनाम स्वादः समोसा और जलेबी से सावधान!

ललित गर्ग

हमारी परंपराओं और खानपान में गहराई से जुड़े समोसा, कचोरी और जलेबी जैसे तली-भुनी और अत्यधिक मीठी चीजें अब मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण बन गई हैं। इन्हीं कारणों से देशभर में एक जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए जनजागृति अभियान शुरु हुआ है। तले हुए व्यंजनों के उपभोग को कम करने की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय एवं बढ़ती स्वास्थ्य चिन्ताओं को देखते हुए क्रांति का शंखनाद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया अभियान के तहत तेल और चीनी का उपभोग कम करने का आह्वान किया था। केन्द्र सरकार की सक्रियता से जैसे सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी होती है, ठीक वैसी ही चेतावनी इन तैलीय और मीठे खाद्य पदार्थों के बारे में जारी होगी। बड़े पैमाने पर इस बात का प्रचार रेडियो एवं अन्य टीवी चैनलों के माध्यमों से किया जा रहा है कि तैलीय या जरूरत से ज्यादा मीठे खाद्य पदार्थों के उपभोग से दूर रहा जाए। मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिन्ताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं। भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला-भुना भोजन है। डब्लूएचओ के अनुसार, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 2045 तक 13.4 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो दुनिया में सबसे अधिक होगी। बच्चों में बढ़ती मोटापे की दर का एक बड़ा कारण स्कूलों के आसपास मिलने वाले समोसा, कचोरी, बर्गर जैसी चीजें हैं। समोसा और कचोरी जैसी चीजों को बार-बार एक ही तेल में तला जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और कैंसरकारी तत्व (ऐक्रिलामाइड) पनपने लगते हैं। ये हृदय की धमनियों को सख्त कर देते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। जलेबी को चीनी के गाढ़े सिरप-चासनी में डुबोया जाता है, जिससे शरीर में तुरंत ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह स्थिति इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज और फैटी लिवर जैसी बीमारियों को न्योता देती है। समोसा और कचोरी में मैदा का अत्यधिक उपयोग होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे गैस, कब्ज, अम्लपित्त और मोटापा जैसे विकार उत्पन्न होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय-समय पर देशवासियों को न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रेरित किया है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का भी आह्वान किया है। हाल ही में उन्होंने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देशवासियों से खाद्य पदार्थों में तेल की मात्रा कम करने और मोटापे जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचने की अपील की है। मोदी ने इस बढ़ती स्वास्थ्य समस्या पर चिंतन करते हुए कहा हमें अपने खान-पान में बदलाव करना होगा। कम तेल, कम नमक और कम चीनी-यही स्वास्थ्य की कुंजी है।' मोदी का आह्वान -तेल कम करें, जीवन स्वस्थ बनाएं है। क्योंकि अति तेल में तंदुरुस्ती नहीं, बीमारी का प्रवेश द्वार है। ध्यान रहे, देश में मोटापा बढ़ रहा है और इसके खिलाफ जागरूकता भी बढ़ रही है। यह भी कहा गया है कि लोग अपने भोजन में तेल को कम करके विकसित भारत बनाने में सहायक हो सकते हैं। इसी कड़ी में समोसे, जलेबी और स्वास्थ्य के लिए घातक व्यंजनों को अगर आधिकारिक रूप से निशाने पर लिया गया है, तो अचरज की बात नहीं, बल्कि वक्त की बड़ी जरूरत है। भारत में रसोई का अभिन्न हिस्सा है तेल। परंतु आज जिस प्रकार से हर व्यंजन में अत्यधिक तेल का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, इससे मोटापा भारत की बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गयी है, उसने अन्य अनेक बीमारियों को प्रोत्साहन देते हुए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे दिया है। तले-भुने खाद्य पदार्थ जैसे समोसा, कचोरी, पकौड़ी, पूड़ी, जलेबी, फास्ट फूड, आदि मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण बनते जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को कैफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ तौर पर 'तेल और चीनी के चेतावनी बोर्ड' लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर खासे लोकप्रिय खाद्य पदार्थों में वसा और चीनी की मात्रा को उजागर करेंगे।

अंतरिक्ष में भारत के आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा

लेखक - डॉ.सत्यवान सौरभ

मानव इतिहास की परिधि पर जब भी कोई नया चक्र उभरता है, तो उसमें विज्ञान, कल्पना और आत्मबल की त्रयी सबसे महत्वपूर्ण होती है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा, जो एक समय टिन के डब्बों में साइकिलों पर रॉकेट लेकर चलने से शुरू हुई थी, आज न केवल चंद्रमा और मंगल की मिट्टी तक पहुंच चुकी है, बल्कि मानव संसाधन के नए क्षितिज भी गढ़ रही है। हाल ही में संपन्न हुई भारतीय मूल की गगनयात्री सुनीता विलियम्स की ऐतिहासिक वापसी, न केवल अमेरिका की सफलता है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष स्वप्नों को भी नए पंख दे गई है। उनके साहस ने भारत की आधी आबादी-नारी शक्ति-को यह संदेश दिया है कि अब अंतरिक्ष केवल विज्ञान का विषय नहीं, बल्कि आत्मबल, समानता और नवाचार का प्रतीक बन चुका है। और अब अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 18 दिनों के अंतरिक्ष प्रवास के बाद पृथ्वी पर लौट चुके हैं। वह अपने साथ सिर्फ वैज्ञानिक आंकड़े और बीज के नमूने ही नहीं बल्कि साहस, सपनों और भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं की कहानी भी लेकर आए हैं।

भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम कोई दिखावा नहीं, बल्कि जमीनी जरूरतों का समाधान है। ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम की सटीक जानकारी, किसानों के लिए फसल पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, संचार और शिक्षा के लिए सस्ती सेवाएं—ये सब हमारे उपग्रहों की देन हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की सफलता सिर्फ रॉकेट प्रक्षेपणों की संख्या में नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता, सटीकता और न्यूनतम लागत में छुपी हुई है। यही कारण है कि दुनिया के बड़े राष्ट्र भी आज अपने उपग्रह प्रक्षेपण के लिए भारत का रुख कर रहे हैं।

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग और आगामी गगनयान मिशन भारत को उस गुट में खड़ा कर रहे हैं, जहां सिर्फ चंद विकसित देश अब तक मौजूद थे। गगनयान मिशन, जिसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को स्वदेशी यान में अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, सिर्फ विज्ञान नहीं बल्कि भारतीय आत्मगौरव की पुनर्प्रतिष्ठा का प्रतीक होगा। इस यात्रा का सबसे रोचक पहलू यह है कि इसमें अब केवल वैज्ञानिक ही नहीं, आम भारतीय युवाओं के लिए भी संभावनाओं के नए द्वार खुल रहे हैं। इसरो, रक्षा अनुसंधान संगठन और निजी क्षेत्र के सहयोग से भारत एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है जहां विज्ञान, नवाचार, रोजगार और उद्यमिता एक साथ फल-फूल सकते हैं।

सुनीता विलियम्स, कल्पना चावला, और अब भारत की युवा वैज्ञानिक-ये सब उदाहरण हैं उस शक्ति के जो अंतरिक्ष में भी सीमित नहीं है। आज देश की बेटियां रोवर बना रही हैं, सॉफ्टवेयर कोड लिख रही हैं, रॉकेट डिजाइन कर रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष केंद्रों में महिला वैज्ञानिकों की सक्रिय भागीदारी इस मिथक को तोड़ती है कि विज्ञान केवल पुरुषों का क्षेत्र है। यह केवल लैंगिक समानता की बात नहीं, यह सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण की नींव है। जब एक लड़की अंतरिक्ष में जाती है, तो पूरे समाज का सोचने का तरीका बदलता है।

देश के नवोदय विद्यालयों, केंद्रीय विद्यालयों, सरकारी स्कूलों, और ग्रामीण अंचलों से आने वाले छात्र-छात्राएं अब स्पेस क्लब का हिस्सा हैं। नन्हे वैज्ञानिक अब मोबाइल एप्लिकेशन से रॉकेट लॉन्च की प्रक्रिया को समझ रहे हैं, और निजी स्टार्टअप्स जैसे अग्निकुल, 'स्काईरूट', और पिक्सेल अंतरिक्ष आधारित स्टार्टअप संस्कृति को जन्म दे रहे हैं। यह परिवर्तन केवल पढ़ाई या परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजगार सृजन, नवाचार, और आर्थिक आत्मनिर्भरता की नींव भी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का सपना अब सिर्फ सपना नहीं, योजनाबद्ध यथार्थ बनता जा रहा है। भारत में 2021 में स्थापित हुए अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या 30 से बढ़कर 2025 में 190 से अधिक हो चुकी है। इस वृद्धि के पीछे न केवल सरकारी नीतियां हैं, बल्कि वह युवा ऊर्जा भी है जो रिस्क लेने को तैयार है। अब भारतीय युवा सिर्फ सरकारी नौकरी की तरफ नहीं देख रहा, वह अब सोचता है कि वह क्यों न खुद एक उपग्रह विकसित करे? क्यों न वह लॉन्च सर्विस उपलब्ध कराए? क्यों न वह अंतरिक्ष कचरे की सफाई पर स्टार्टअप शुरू करे? यह वही नया भारत है, जो न केवल ख्वाब देखता है, बल्कि उन्हें साकार भी करता है।

भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल एक अनुसरणकर्ता नहीं, एक पथप्रदर्शक बनता जा रहा है। अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिका के कई देश भारत से सहयोग की उम्मीद कर रहे हैं। भारत के सार्क सैटेलाइट का निर्माण यह दर्शाता है कि वह विज्ञान को केवल राष्ट्रहित में नहीं, विश्वहित में भी प्रयोग करना चाहता है। भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की भावना अब पृथ्वी तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह ब्रह्मांड तक विस्तार पा रही है।

हालांकि यह भी आवश्यक है कि अंतरिक्ष विज्ञान के इस उत्साह को तर्क और जिम्मेदारी के साथ देखा जाए। विज्ञान का उपयोग यदि केवल आत्मप्रशंसा या राजनीतिक प्रचार के लिए हो, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटक सकता है। हमें यह ध्यान रखना होगा कि अंतरिक्ष विज्ञान केवल चंद्रमा पर तिरंगा फहराने का उपक्रम नहीं, बल्कि गांव-गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और आपदा राहत पहुंचाने का भी माध्यम है। सच्चा राष्ट्रवाद वही है जो विज्ञान को लोकमंगल से जोड़ता है, न कि केवल मीडिया तमाशा बनाता है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल रॉकेटों की गिनती नहीं है। यह देश की चेतना, आत्मबल, नवाचार, और युवाशक्ति की उड़ान है। जब कोई बच्चा गांव की मिट्टी से उठकर अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनने का सपना देखता है, जब कोई युवती कहती है कि वह सुनीता विलियम्स या कल्पना चावला बनना चाहती है, और जब कोई शिक्षक अपने छात्रों को ब्रह्मांड के रहस्यों से अवगत कराता है, तब समझिए कि भारत सचमुच उड़ रहा है। और यह उड़ान, केवल आकाश की ओर नहीं, एक समावेशी, स्वावलंबी और वैज्ञानिक समाज की ओर है। इसलिए, आइए हम विज्ञान को केवल प्रयोगशालाओं में सीमित न करें, उसे घर-घर तक पहुंचाएं। विज्ञान का दीपक केवल रॉकेट नहीं बनाता, वह आशा, समानता और आत्मनिर्भरता की लौ भी जलाता है। अंतरिक्ष में भारत की यह यात्रा यहीं नहीं थमेगी। यह हर उस हृदय की धड़कन बनेगी, जो सोचता है, जो गढ़ता है और जो उड़ना चाहता है।

शनिदेव के हैं नौ वाहन

सूर्यपुत्र शनिदेव न्याय के देवता हैं हालांकि लोग उनके कोप से भयभीत रहते हैं पर वह हमेशा ही कार्यों के अनुरुप परिणाम देते हैं। उनके कई वाहन हैं। शनि के वाहनों की बात करते हुए सामान्यन रूप से कौवे के बारे में ध्याभन आता है, लेकिन उनके कौवे सहित कुल 9 वाहन है। जिनमें से कई को ज्योतिषीय और धार्मिक महत्व के अनुसार बेहद शुभ माना गया हैं। इसके बावजूद जरूरी नहीं है कि वे सभी आपके लिए भी शुभ ही हों। इसलिए ये जानना अत्यंनत आवश्यरक है कि कौन शुभ है और कौन अशुभ। शास्त्रों की माने तो शनि जिस वाहन में सवार होकर किसी व्याक्तिप की कुंडली में प्रवेश करते हैं उसकी राशि की गणना करके तय होता है कि उनका आगमन व्यरक्ति के लिए अच्छौ है या बुरा।

इस गणना की विधि सुनने में कठिन लगती है पर है गणित के सूत्रों की तरह एक दम तय है। इसके लिए जन्म नक्षत्र की संख्या और शनि के राशि बदलने की तिथि के नक्षत्र की संख्या जोड कर उसके योगफल को नौ से भाग करना होता है। इस गणना से मिली संख्या के आधार पर ही शनि का वाहन निर्धारित होता है। एक दूसरी विधि भी है, इसमें शनि के राशि प्रवेश करने की तिथि की संख्या, ऩक्षत्र संख्या, वार संख्या और नाम के प्रथम अक्षर संख्या सभी को जोडकर योगफल को 9 से भाग देदें, जो शेष संख्या आयेगी वो शनि के वाहन की जानकारी देगी। दोनो विधियों मे यदि शेष 0 बचे तो मानना चाहिए कि आपकी अपेक्षित संख्यान 9 है।

सूर्य देव का परिवार

रविवार को सूर्यदेव का दिन माना जाता है। यश और सम्मान हासिल करने के लिए सभी लोग उनकी पूजा करते हैं। पर क्या आप सूर्यदेव के परिवार को जानते हैं। सूर्य देव का परिवार काफी बड़ा है। उनकी संज्ञा और छाया नाम की दो पत्निोयां और दस संताने हैं। जिसमे से यमराज और शनिदेव जैसे पुत्र और यमुना जैसी बेटियां शामिल हैं। मनु स्मृजति के रचयिता वैवस्वत मनु भी सूर्यपुत्र ही हैं। सूर्य देव की दो पत्निमयां संज्ञा और छाया हैं। संज्ञा सूर्य का तेज ना सह पाने के कारण अपनी छाया को उनकी पत्नीम के रूप में स्थाहपित करके तप करने चली गई थीं। लंबे समय तक छाया को ही अपनी प्रथम पत्नीर समझ कर सूर्य उनके साथ रहते रहे। ये राज बहुत बात में खुला की वे संज्ञा नहीं छाया है। संज्ञा से सूर्य को जुड़वां अश्विनी कुमारों के रूप में दो बेटों सहित छह संताने हुईं जबकि छाया से उनकी चार संताने थीं।

देव शिल्पीं विश्वेकर्मा सूर्य पत्नीव संज्ञा के पिता थे और इस नाते उनके ससुर हुए। उन्होंने ही संज्ञा के तप करने जाने की जानकारी सूर्य देव को दी थी। धर्मराज या यमराज सूर्य के सबसे बड़े पुत्र और संज्ञा की प्रथम संतान हैं।

यमी यानि यमुना नदी सूर्य की दूसरी संतान और ज्येसष्ठा पुत्री हैं जो अपनी माता संज्ञा को सूर्यदेव से मिले आर्शिवाद के चलते पृथ्वीज पर नदी के रूप में प्रसिद्ध हुईं।

सूर्य और संज्ञा की तीसरी संतान हैं वैवस्वत मनु वर्तमान (सातवें) मन्वन्तर के अधिपति हैं। यानि जो प्रलय के बाद संसार के पुर्निमाण करने वाले प्रथम पुरुष बने और जिन्हों।ने मनु स्मृपति की रचना की।

सूर्य और छाया की प्रथम संतान है शनिदेव जिन्हें कर्मफल दाता और न्याषयधिकारी भी कहा जाता है। अपने जन्मन से शनि अपने पिता से शत्रु भाव रखते थे। भगवान शंकर के वरदान से वे नवग्रहों में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर नियुक्तव हुए और मानव तो क्या देवता भी उनके नाम से भयभीत रहते हैं।

छाया और सूर्य की कन्या तप्तिह का विवाह अत्यन्त धर्मात्मा सोमवंशी राजा संवरण के साथ हुआ। कुरुवंश के स्थापक राजर्षि कुरु का इन दोनों की ही संतान थे, जिनसे कौरवों की उत्पत्ति हुई। सूर्य और छाया पुत्री विष्टि भद्रा नाम से नक्षत्र लोक में प्रविष्ट हुई। भद्रा काले वर्ण, लंबे केश, बड़े-बड़े दांत तथा भयंकर रूप वाली कन्या है। शनि की तरह ही इसका स्वभाव भी कड़क बताया गया है। उनके स्वभाव को नियंत्रित करने के लिए ही भगवान ब्रह्मा ने उन्हें कालगणना या पंचांग के एक प्रमुख अंग विष्टि करण में स्थान दिया है।

सूर्य और छाया की चौथी संतान हैं सावर्णि मनु। वैवस्वत मनु की ही तरह वे इस मन्वन्तर के पश्चांत अगले यानि आठवें मन्वन्तर के अधिपति होंगे। संज्ञा के बारे में जानकारी मिलने के बाद अपना तेज कम करके सूर्य घोड़ा बनकर उनके पास गए। संज्ञा उस समय अश्विनी यानि घोड़ी के रूप में थी। दोनों के संयोग से जुड़वां अश्विनीकुमारों की उत्पत्ति हुई जो देवताओं के वैद्य हैं। कहते हैं कि दधीचि से मधु-विद्या सीखने के लिये उनके धड़ पर घोड़े का सिर रख दिया गया था, और तब उनसे मधुविद्या सीखी थी। अत्यंत रूपवान माने जाने वाले अश्विनीकुमार नासत्य और दस्त्र के नाम से भी प्रसिद्ध हुए। सूर्य की सबसे छोटी और संज्ञा की छठी संतान हैं रेवंत जो उनके पुनर्मिलन के बाद जन्मीा थी। रेवंत निरन्तर भगवान सूर्य की सेवा में रहते हैं।

सावन में करें भोलेनाथ की अराधना

महादेव को प्रिय श्रावण मास चल है, जिसे लेकर शिव भक्तों में विशेष उत्साह है। इस मास में भोलेनाथ की पूजा का विशेष महत्व है। यह महीना भगवान शिव की पूजा, आराधना के लिए विशेष माना गया है। श्रावण मास में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस मास में शिवलिंग पर जल चढ़ाना, बिल्व पत्र अर्पित करना और रुद्राभिषेक करना विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है।

सावन सोमवार का व्रत हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है, खासकर भगवान शिव के भक्तों के लिए। यह महीना भगवान शिव को समर्पित होता है और सोमवार का दिन उन्हें अत्यंत प्रिय है। मान्यता है कि सावन के सोमवार का व्रत रखने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अविवाहित लड़कियों को मनपसंद वर की प्राप्ति होती है और विवाहित महिलाओं को सुखद वैवाहिक जीवन और संतान सुख का आशीर्वाद मिलता है। सोमवार के दिन भगवान शिव को गंगाजल, दूध, घी, शक्कर के साथ अबीर, इत्र, अक्षत (चावल के साबूत दाने) समेत अन्य पूजन सामग्री अर्पित करनी चाहिए। इसके साथ ही चीनी और दूध समेत सफेद चीजों का दान करना चाहिए। घर में या मंदिर में रुद्राभिषेक करने का भी विशेष प्रावधान है।

भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान कर फिर मंदिर या पूजा स्थल को साफ करें। एक चौकी पर सफेद कपड़ा बिछाकर भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा को स्थापित करें, गंगाजल और दूध से अभिषेक करें, और बिल्वपत्र, चंदन, अक्षत, फल और फूल चढ़ाएं। लेकिन एकादशी के दिन भगवान शिव को अक्षत नहीं चढ़ाना चाहिए।

भोलेनाथ की पूजा के साथ ही माता पार्वती की भी पूजा करनी चाहिए। माता को सोलह श्रृंगार की वस्तुएं चढ़ाएं। इसके साथ ही भगवान शिव का ध्यान करें और व्रत का संकल्प लें और दीपक जलाकर भगवान शिव की आरती करें। इसके बाद ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। व्रत के बाद, गरीबों, ब्राम्हणों के साथ ही जरूरतमंदों को दान करना चाहिए।

राहुल बोले- जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलेः पीएम मोदी को लेटर लिखा; कहा- मानसून सत्र में बिल लाया जाए

नई दिल्लीः लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग की है। राहुल ने पीएम मोदी को लेटर लिखकर कहा कि, संसद के आगामी मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लाया जाए। राहुल ने अपने लेटर में प्रधानमंत्री मोदी के पुराने दो बयानों का भी जिक्र किया। जब पीएम ने 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में और 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर की रैली में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की बात कही थी। इसके अलावा राहुल ने सरकार से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए कानून लाने का भी अनुरोध किया। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35A हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था।

जम्मू-कश्मीर को राज्य के दर्जे की कानूनी प्रक्रिया... 2 पॉइंट

- जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुर्नगठित किया गया था। इसलिए पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। यह बदलाव संविधान की धारा 3 और 4 के तहत होंगे।
- राज्य का दर्जा देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में नए कानूनी बदलावों का अनुमोदन जरूरी होगा, यानी संसद से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलना जरूरी है। मंजूरी के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद जिस दिन राष्ट्रपति इस कानूनी बदलाव की अधिसूचना जारी करेंगे, उसी तारीख से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा।

पूर्ण राज्य के दर्जे के बाद जम्मू-कश्मीर में क्या-क्या बदलेगा?

- पुलिस और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य सरकार के पास आ जाएगी। सरकार का पुलिस पर सीधा नियंत्रण होगा।
- भूमि, राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर कानून बनाने का अधिकार भी राज्य सरकार को मिल जाएगा।
- सरकार चलाने में तब राज्यपाल का दखल नहीं होगा।
- वित्तीय मदद के लिए केंद्र पर निर्भरता खत्म होगी। वित्त आयोग से वित्तीय सहायता मिलेगी।
- राज्य की विधानसभा को पब्लिक ऑर्डर यानी सार्वजनिक व्यवस्था और समवर्ती सूची के मामलों में कानून बनाने के अधिकार मिलेंगे।
- सरकार कोई वित्तीय बिल पेश करती है तो इसके लिए उसे राज्यपाल की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी।
- एंटी करप्शन ब्यूरो और अखिल भारतीय सेवाओं पर राज्य सरकार का पूरा नियंत्रण हो जाएगा। यानी राज्य में अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग राज्य सरकार के हिसाब से होंगे, उस पर उपराज्यपाल का नियंत्रण नहीं रहेगा।
- अनुच्छेद 286, 287, 288 और 304 में बदलाव से व्यापार, टैक्स और वाणिज्य के मामलों में राज्य सरकार को सभी अधिकार हासिल हो जाएंगे।
- केंद्र शासित प्रदेश में विधायकों की संख्या के 10% मंत्री बनाए जा सकते हैं, राज्य का दर्जा बहाल होने से मंत्रियों की संख्या का यह बंधन भी खत्म हो जाएगा और विधायकों की संख्या के 15% तक विधायक मंत्री बनाए जा सकेंगे।
- इसके अलावा जेल के कैदियों की रिहाई और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बाकी चुनावी वादे पूरे करने वाली योजनाओं को पूरा करने में राज्य सरकार को केंद्र से ज्यादा अधिकार हासिल होंगे।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद राज्य में पहला विधानसभा चुनाव हुआ

अनुच्छेद 370 हटने के बाद अक्टूबर 2024 में पहली बार विधानसभा चुनाव हुए थे। तीन फेज में हुए चुनाव का रिजल्ट 8 अक्टूबर को आया था। इसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। पार्टी को 42 सीटें मिली थीं। एनसी की सहयोगी कांग्रेस को 6 और सीपीआई(एम) ने एक सीट जीती थी। भाजपा 29 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। वहीं, 2014 के विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनी पीडीपी को सिर्फ 3 सीट मिलीं। पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती भी बिजबेहरा सीट से हार गईं। पिछले चुनाव में पार्टी ने 28 सीटें जीती थीं।

कर्नल और उनके बेटे से मारपीट की जांच अब सीबीआई करेगी

हाईकोर्ट ने कहा- चंडीगढ़ पुलिस निष्पक्ष और प्रभावी जांच करने में विफल

चंडीगढ़,(ईएमएस)। भारतीय सेना के कर्नल पुषपिंदर बाठ और उनके बेटे के साथ मार्च में पटियाला में हुई मारपीट मामले में अब नया मोड़ आ गया है। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने बुधवार को इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया। इससे पहले यह जांच चंडीगढ़ पुलिस कर रही थी, लेकिन कोर्ट ने माना कि यूटी पुलिस मामले की निष्पक्ष और प्रभावी जांच करने में विफल रही। अदालत की ओर से औपचारिक आदेश भी जारी किया जाएगा, जिसमें यह स्पष्ट होगा कि सीबीआई को कितने समय में जांच पूरी करनी है। वहीं, पंजाब के फाइनेंस मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि जांच होनी चाहिए। पहले परिवार ने चंडीगढ़ पुलिस से मांग की थी। बाकि जांच का आदेश आने के बाद सारी स्थिति साफ हो पाएगी। इस मामले की एफआईआर दर्ज हुए तीन महीने हो गए हैं, जबकि जांच एसआईटी को ट्रांसफर हुए भी तीन महीने हो चुके हैं, लेकिन अभी इस मामले में कोई भी आरोपी गिरफ्तार नहीं किया गया है। परिवार की ओर से कहा गया है कि जब इंस्पेक्टर रोनी की याचिका हाईकोर्ट में लगी थी, उस समय कोर्ट ने जांच अधिकारी से पूछा था कि क्या आरोपी की याचिका खारिज होती है, तो उसे गिरफ्तार किया जाएगा। इस पर जांच अधिकारी ने हां में उत्तर दिया था। लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कर्नल बाठ वर्तमान में कैबिनेट सचिवालय में डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर तैनात हैं। उन्होंने अपने साथ हुई घटना को अत्यधिक क्रूरता, अहंकार और अमानवीय व्यवहार का उदाहरण बताया है। जानकारी के मुताबिक यह मामला मार्च महीने में सामने आया था। इसके बाद पंजाब विधानसभा में भी इस मामले को उठाया गया था। वहीं यह केस पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में पहुंचा। इस दौरान कर्नल बाठ की पत्नी ने मांग की थी कि इस मामले की जांच सीबीआई या किसी अन्य एजेंसी से कराई जाए। कोर्ट ने सारे तथ्यों पर पड़ताल की थी। इसके बाद यह मामला चंडीगढ़ पुलिस को सौंपा था। इस मामले की जांच अगस्त महीने तक पूरी करने के आदेश दिए गए थे। करीब एक महीना पहले कर्नल की पत्नी पंजाब के गवर्नर एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से भी मिली थी।

दिल्ली के एक घर में लगी आग, दो की मौत, दो घायल, 6 को बचाया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के गोविंदपुरा स्थित एक घर में मंगलवार रात भीषण आग लग गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और दो बुरी तरह झुलस गए। कुल 10 लोग इसमें फंस गए थे, जिनमें से 6 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। जानकारी के मुताबिक शाहदरा के डीसीपी ने बताया कि फायर ब्रिगेड को रात में आग लगने की सूचना मिली। 10 लोगों को घर से निकाला गया। 4 लोग घायल थे, जिन्हें अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने 2 को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान तनवीर (28) और नुसरत के रूप में हुई है। घायलों की पहचान फैजल और आसिफ (18) है जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक पड़ोसी युवक ने बताया कि घर में पावर बैंक बनाने का काम होता था। पुलिस ने कहा है कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट या अन्य तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। फायर ऑफिसर ने बताया कि आग लगने की जानकारी मिलने के बाद दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। एक घंटे के में आग पर काबू पा लिया गया।

उदयपुर फाइल्स पर रोक जारी, कपिल सिब्बल ने मूवी देख कहा.....एक समुदाय का अपमान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। उदयपुर फाइल्स फिल्म पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक जारी रखी है, सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के फैसले का इंतज़ार करने का निर्देश दिया है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने फिल्म देखने के बाद अपनी गहरी चिंता जताकर कहा कि फिल्म समुदाय के खिलाफ नफ़रत फैलाती है और हिंसा को बढ़ावा देती है। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील सिब्बल ने फिल्म में समलैंगिकता, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और न्यायिक प्रक्रिया के गलत चित्रण पर भी आपत्ति जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की कमेटी से जल्द फैसला लेने का अनुरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को मामले पर अगली सुनवाई करेगा।
कोर्ट ने आदेश में दर्ज किया है कि मृतक कन्हैया लाल के बेटे को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। संबंधित एसपी और आयुक्त इसका आकलन करेगा। सिब्बल ने कहा कि जब हाईकोर्ट ने हमसे पूछा, तब मैंने खुद फिल्म देखी। मैं पूरी तरह से हिल गया था। उन्होंने कहा कि यह एक समुदाय का अपमान है। समुदाय का एक भी सकारात्मक पहलू नहीं दिखाया गया है। समलैंगिकता, न्यायिक मामले, महिलाओं के साथ व्यवहार, एक लोकतांत्रिक देश ऐसी फिल्म को प्रमाणित कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हुई सुनवाई में उदयपुर फाइल्स फिल्म रिलीज पर लगी रोक नहीं हटाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्णय का अदालत इंतजार करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा कि केंद्र सरकार के निर्णय का इंतजार करना ही उचित होगा। केंद्र सरकार की कमेटी जल्द से जल्द इस पर फैसला ले।

हिमाचल प्रदेश में मॉनसून की तबाहीः 26 दिनों में 106 मौतें और 850 करोड़ का नुकसान

शिमला,(ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून सीजन के शुरुआती 26 दिनों में ही भारी तबाही हुई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक 106 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 189 लोग घायल हुए हैं और 35 लोग अब भी लापता हैं। इसमें 44 मौतें सड़क हादसों में हुई हैं। प्रदेश को कुल 850 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार 384 घर पूरी तरह ध्वस्त हो चुके हैं, जबकि 666 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। 850 पशुशालाएं और 244 दुकानें भी पूरी तरह जमींदोज हो गई हैं। 1190 मवेशियों और 21,500 पोल्ट्री पक्षियों की मौत हुई है। राज्य में सड़क यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है, मंगलवार शाम तक एक राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) सहित 257 सड़कें बंद हो गई हैं। 151 ट्रांसफार्मर ठप हैं और 171 जलापूर्ति परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं। लोक निर्माण और जल शक्ति विभाग को 818 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। लगातार बारिश के कारण शिमला जिले के रामपुर के नाथपा बांध में जलस्तर तेजी से बढ़ा है, जिसके चलते एसजेवीएन द्वारा अतिरिक्त पानी सतलुज नदी में छोड़ा गया है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों से सतलुज नदी के किनारे न जाने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है, क्योंकि अचानक जलस्तर बढ़ने से तेज बहाव का खतरा है। मंडी जिले की सराज घाटी में 30 जून और 1 जुलाई को आई बाढ़ में 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 27 लोग अब भी लापता हैं, और वहां सर्च ऑपरेशन जारी है।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, पुणे, मुंबई, नागपुर और नासिक में खुलेंगे कैंसर अस्पताल

महाराष्ट्र में कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य सरकार ने चार नए कैंसर अस्पताल बनाने का फैसला लिया है। नए कैंसर अस्पताल राज्य में लोक स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से स्थापित किए जाएंगे। ये अस्पताल पुणे, मुंबई , नागपुर और नासिक में स्थित होंगे। अस्पताल के निर्माण के लिए सकारात्मक कार्रवाई की जा रही है । लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर ने विधानसभा में कहा कि राज्य में महिलाओं में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। सरकार इस विषय पर संवेदनशील है और इलाज से बेहतर बचाव है, के मूलमंत्र के अनुरूप राज्य में कैंसर निदान के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। सदस्य सुधीर मुनगंटीवार ने महिलाओं में कैंसर के बढ़ते मामलों पर आधे घंटे की चर्चा प्रस्तुत की। इस चर्चा में सदस्य राहुल पाटिल, प्रवीण दटके, राजू नवघरे, बापू पठारे, समाधान अवताड़े, कैप्टन तमिल

सेलवन, सत्यजीत देशमुख, श्वेता महाले , मंजुला गावित ने भाग लिया।

अबितकर ने कहा कि महात्मा फुले जन आरोग्य योजना में उपचार के नए पैकेज जोड़े जा रहे हैं। इसके माध्यम से इलाज की जाने वाली बीमारियों की संख्या भी बढ़ेगी। इसमें सभी प्रकार के कैंसर का इलाज शामिल किया जाएगा। राज्य में सर्वाइकल कैंसर के टीकाकरण के लिए केंद्र सरकार के दिशानिर्देश आ रहे हैं। ये निर्देश प्राप्त होने के बाद टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। 9 से 30 वर्ष की आयु की लड़कियों और महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर का टीकाकरण किया जाएगा। विशेष रूप से, 9 से 14 वर्ष की आयु की लड़कियों का टीकाकरण प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

राज्य में 2.5 करोड़ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसमें 1 करोड़ महिलाएं शामिल थीं। जांच की गई महिलाओं में से 13 हज़ार महिलाएं कैंसर की संदिग्ध मरीज़ पाई गईं। उनका मूल्यांकन किया जा रहा है। राज्य में आठ कैंसर डायग्नोसिस वैन कार्यरत हैं। कैंसर रोगियों का डर दूर करने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। केंद्र सरकार ने कैंसर रोगियों के इलाज के लिए राज्य में 17-दिवसीय देखभाल केंद्र को मंजूरी दी है। इसमें सभी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। कैंसर के उपचार और रोकथाम के लिए जिला योजना समिति निधि से 1 करोड़ रुपये का कोष आरक्षित करने की कार्रवाई की जा रही है। राज्य के जिला अस्पतालों में कैंसर के निदान और उपचार की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एक बैठक आयोजित की जाएगी। इस संबंध में एक विशिष्ट कार्य पद्धति तैयार की जा रही है। चिकित्सा क्षेत्र की कंपनियों के सामाजिक उत्तरदायित्व निधि का उपयोग कैंसर के निदान और उपचार के लिए करने हेतु एक विशिष्ट कार्य पद्धति बनाई जाएगी। सरकार ने जनप्रतिनिधियों से कैंसर के निदान और उपचार के लिए सरकार की योजनाओं और पहलों पर सुझाव देने की भी अपील की।

महाराष्ट्र विधानसभा में लुंगी-बनियान पहनकर पहुंचे विपक्ष के विधायक

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर बुधवार को एक अनोखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। महाविकास आघाड़ी के विधायकों ने 'लुंगी-बनियान' पहनकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा विधायक हॉस्टल की कैंटीन के कर्मचारी से मारपीट के खिलाफ किया गया। शिवसेना (उद्धव गुट) के विधान परिषद में नेता अंबादास दानवे, एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जीतेन्द्र आव्हाड समेत कई विपक्षी नेता इस प्रदर्शन में शामिल हुए। सभी ने अपने पारंपरिक कपड़ों के ऊपर बनियान और तौलिया (लुंगी की तरह) पहनकर 'गुंडा राज' के खिलाफ नारेबाजी की। अंबादास दानवे ने कहा कि जब विधायक कैंटीन में ही मारपीट कर रहे हैं, तो इससे साफ है कि सरकार ऐसे तत्वों को संरक्षण दे रही है। इससे पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी विधायक की आलोचना कर चुके हैं।

शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड़ ने 8 जुलाई को खाने की क्वालिटी सही नहीं मिलने पर मुंबई के आकाशवाणी विधायक गेस्ट हाउस के कैंटीन स्टाफ के साथ मारपीट की थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। मामले को लेकर विधायक संजय गायकवाड़ ने कहा- वहां खाने की क्वालिटी अच्छी नहीं थी। मुझे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है।

महारत्न पीएसयू एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी में करेगी 20,000 करोड़ तक निवेश, कैबिनेट से मिली मंजूरी

सरकार ने बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड को ग्रीन एनर्जी क्षमता बढ़ाने के लिए 20,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की अनुमति दे दी। इस पहल का मकसद कंपनी को 2032 तक 60 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने में मदद करना है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति में लिए गए इस फैसले की जानकारी दी। मंत्रिमंडल ने एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड में निवेश करने के लिए एनटीपीसी लिमिटेड का अधिकार बढ़ा दिया है। इसके बाद एनजीईएल, एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड और उसके अन्य संयुक्त उद्यमों/अनुषंगी कंपनियों में 20,000 करोड़ रुपये तक निवेश करेगी ताकि 2032 तक 60 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता हासिल की जा सके।
एनटीपीसी के लिए पहले स्वीकृत निर्धारित सीमा 7,500 करोड़ रुपये थी। एक आधिकारिक बयान में

कहा गया है कि एनटीपीसी और एनजीईएल को दिए गए इस बढ़े हुए अधिकार से देश में रिन्यूएबल प्रोजेक्ट्स के तेजी से विकास में मदद मिलेगी। बयान में कहा गया है कि यह कदम बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और पूरे देश में चौबीसों घंटे भरोसेमंद बिजली उपलब्ध कराने के लिए निवेश सुनिश्चित करने में भी अहम रोल निभाएगा। एनजीईएल एनटीपीसी ग्रुप की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता ग्रोथ के लिए लिस्टेड कंपनी है, जो ऑर्गेनिक और इनऑर्गेनिक दोनों सेगमेंट से विस्तार कर रही है। फिलहाल एनजीईएल के पास लगभग 32 GW रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का पोर्टफोलियो है।

रोजगार के बढ़ेंगे मौके

कैबिनेट के फैसले के मुतबिक, रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन फेज के साथ-साथ संचालन और रखरखाव फेज में भी स्थानीय लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेंगे। इससे लोकल सप्लायर, लोकल इंडस्ट्री/एमएसएमई को बूस्ट मिलेगा और देश में आंत्रप्रेन्योर शिप के अवसरों को बल मिलेगा। साथ ही रोजगार और सामाजिक-आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत ने एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश ने अपनी कुल इंस्टॉल्ड पावर क्षमता का 50% गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल कर लिया है। जोकि पेरिस समझौते के अंतर्गत राष्ट्रीय रूप से निर्धारित योगदान में तय लक्ष्य से पांच वर्ष पहले हासिल कर लिया गया है। भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता प्राप्त करना है। एनटीपीसी ने 2032 तक 60 GW नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ने का लक्ष्य रखा है, जो देश को इस महत्त्वपूर्ण लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा और 2070 तक 'नेट जीरो' उत्सर्जन के बड़े लक्ष्य की दिशा में बढ़ेगा।

फिर मिली स्वर्ण मंदिर को उड़ाने की धमकी, एसजीपीसी और पुलिस अलर्ट

अमृतसर,(ईएमएस)। पंजाब में स्वर्ण मंदिर को लगातार तीसरे दिन बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ईमेल पर मिली। ईमेल में दावा किया गया कि पाइपों में आरडीएक्स भरकर मंदिर के अंदर धमाके किए जाएंगे। हालांकि सुरक्षा कारणों से मेल में लिखे गए शब्दों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। जांच के लिए डॉग और बम स्क्वायड मौके पर पहुंच गए। वहीं, एसजीपीसी और अमृतसर पुलिस भी अलर्ट पर है। बीएसएफ और पुलिस कमांडो तैनात किए गए हैं। हर आने-जाने वाले पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इससे पहले, सोमवार और मंगलवार को भी मंदिर को उड़ाने की धमकी मिली थी। एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि 15 जुलाई को दूसरी ईमेल केरल के सीएम और पूर्व चीफ जस्टिस की फेक आईडी से भेजी गई थी। बुधवार सुबह आसिफ कपूर नाम के ईमेल एड्रेस से ईमेल आई। ये ईमेल सीएम भगवंत मान को भी भेजी गई। हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि पिछले लंबे समय से हमारे आस्था के केंद्र स्वर्ण मंदिर को टारगेट किया जा रहा। 1984 में श्री दरबार साहिब का बहुत नुकसान हुआ था। गुरुओं द्वारा दिए गए उपदेश कुछ लोगों को अच्छे नहीं लग रहे।

अदालतों में टॉयलेट की कमी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

20 हाईकोर्ट्स से कहा- 8 हफ्ते में रिपोर्ट दें नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे

नई दिल्लीः देश की अदालतों में टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधा की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को कोर्ट ने नाराजगी जताई कि देश के 25 में से 20 हाईकोर्ट ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने टॉयलेट की सुविधा सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी 2025 को सभी हाईकोर्ट, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि हर अदालत में पुरुष, महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग-अलग टॉयलेट होने चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उचित स्वच्छता तक पहुंच को मौलिक अधिकार माना गया है। जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन ने आज सभी हाईकोर्ट को रिपोर्ट पेश करने के लिए 8 हफ्ते का समय दिया है। SC ने चेतावनी दी है कि अगर इस बार रिपोर्ट नहीं आई तो हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को खुद सुप्रीम कोर्ट में हाजिर होना पड़ेगा।
देश की जिन 5 हाईकोर्ट ने रिपोर्ट जमा की है, उनमें झारखंड, मध्य प्रदेश, कलकत्ता, दिल्ली और पटना हाईकोर्ट शामिल हैं। यह मामला वकील राजीब कलिता की एक जनहित याचिका से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने अदालतों में टॉयलेट की खराब स्थिति का मुद्दा उठाया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले में कहा था...

- हर हाईकोर्ट में एक विशेष समिति बनाई जाए, जिसकी अध्यक्षता एक सीनियर जज करें।
- इसमें सरकार के अधिकारी, बार एसोसिएशन के लोग और जरूरी कर्मचारी हों।
- समिति तय करे कि अदालत में हर रोज कितने लोग आते हैं। उसी हिसाब से टॉयलेट की जरूरत की जाए।
- राज्य सरकारें पैसे देंगी, ताकि टॉयलेट बनें, उनकी सफाई और रखरखाव ठीक से होता रहे।

बंगालियों से भेदभाव पर ममता का पैदल मार्चःकहा-बीजेपी बंगाली बोलने वालों को परेशान कर रही; सुवेंदु बोले- ये अवैध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले लोगों के साथ हो रहे कथित उत्पीड़न के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। यह रैली कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से शुरू होकर धर्मतला के दोरीना क्रॉसिंग तक गईं। इसमें अभिषेक बनर्जी समेत पार्टी के कई बड़े नेता इस रैली में शामिल हुए। करीब तीन किलोमीटर लंबे इस मार्च के लिए करीब 1,500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए और कई सड़कों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया।

ममता बोलीं- अब से ज्यादा से ज्यादा बांग्ला बोलूंगी

सीएम ममता ने कहा कि बंगालियों के प्रति भाजपा के रवैये से मैं शर्मिंदा और निराश हूं। अब से मैंने तय किया है कि मैं बांग्ला

में ज्यादा बोलूंगी। अगर आप मुझे डिटेंशन कैंप में रखना चाहते हैं तो रखें। मैं आपको चैलेंज करती हूं कि साबित कीजिए कि बांग्ला बोलने वाले प्रवासी लोग रोहिंग्या मुसलमान हैं। बंगाल के 22 लाख प्रवासी श्रमिक देश के अन्य हिस्सों में काम कर रहे हैं, उनके पास वैध पहचान दस्तावेज हैं। टीएमसी का कहना है कि बंगाली बोलने वाले लोगों को गैरकानूनी प्रवासी बताकर परेशान किया जा रहा है। पार्टी ओडिशा में बंगाली मजदूरों की गिरफ्तारी, दिल्ली में बेदखली अभियान और असम के कूचबिहार में एक किसान को विदेशी नागरिक

बताने की घटनाओं को लेकर नाराज है।

राज्यभर में टीएमसी का प्रदर्शन

कोलकाता के अलावा पार्टी ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में भी इसी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर आने वाले हैं।

सुवेंदु अधिकारी बोले- ये अवैध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश है

विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा, 'बंगाली अस्मिता' की बात सिर्फ अवैध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश है। जब हजारों बंगाली शिक्षक सरकारी घोटालों के चलते नौकरी से निकाले गए, तब ममता ने उनकी आवाज क्यों नहीं सुनी?' अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि ममता बनर्जी खुद बंगाली अफसरों की अनदेखी करती हैं। उन्होंने पूछा कि वरिष्ठ अफसर अत्री भट्टाचार्य और सुब्रत गुप्ता को मुख्य सचिव क्यों नहीं बनाया गया? और क्यों बंगाली आईपीएस संजय मुखोपाध्याय को डीजीपी पद से वंचित कर बाहर के अफसर को नियुक्त किया गया?

नाटो की भारत पर 100% टैरिफ लगाने की धमकीःकहा- इंडियन पीएम हों या चीनी राष्ट्रपति, रूस को जंग रोकने को कहें, वरना नतीजा भुगतना होगा

ब्रसेल्स. नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को कहा कि अगर आप चीन के राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको यह समझना होगा कि रूस के साथ व्यापार जारी रखने का भारी नुकसान हो सकता है। रूट ने बुधवार को अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन तीनों देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालना चाहिए, ताकि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। रूट ने तीनों देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ये देश रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो इन देशों पर 100% सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे। वहीं, रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने अमेरिका और नाटो की धमकियों को खारिज किया। उन्होंने कहा, रूस ट्रम्प के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इस तरह के अल्टीमेटम मंजूर नहीं हैं। रियाबकोव ने कहा कि रूस आर्थिक दबाव के बावजूद अपनी नीतियां नहीं बदलेगा और ऑप्शनल बिजनेस रूट तलाशेगा।

नाटो महासचिव की यह चेतावनी उस समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को नए हथियार देने और रूस के व्यापारिक साझीदारों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की है। अमेरिका अब यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल जैसे आधुनिक हथियार देने वाला है, ताकि वह रूस के हमलों से बच सके। रुटे ने चेताया कि अगर रूस यूक्रेन के साथ शांति वार्ता के लिए तैयार नहीं हुआ तो इन देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, कृपया पुतिन को फोन करें और कहें कि अब वक्त आ गया है कि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। वरना इसका भारी नुकसान ब्राजील, भारत और चीन को उठाना पड़ेगा। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत, चीन और ब्राजील ने एक तटस्थ नीति अपना रखी है। इन देशों ने यूक्रेन युद्ध में स्पष्ट पक्ष नहीं लिया है और निष्पक्ष रुख अपनाया है। इसके अलावा, इन तीनों देशों के रूस के साथ ऊर्जा और व्यापारिक संबंध जारी हैं। नाटो के इस बयान को रूस पर दबाव बनाने के लिए एक हथियार के तौर पर देखा जा सकता है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को नई सैन्य सहायता देने की घोषणा की थी। इस दौरान ट्रंप ने रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ लगाने की धमकी दी। उन्होंने यह धमकी 50 दिनों के भीतर शांति समझौता नहीं होने की स्थिति में दी है।ट्रंप ने पिछले हफ्ते रूस पर यूक्रेन में लड़ाई समाप्त करने के लिए समझौता करने में विफल रहने की सूरत में बड़े प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा कि मॉस्को को समझौता करने के लिए 50 दिन का समय दिया जाएगा, जिसके उपरांत उसे बहुत गंभीर आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। यूक्रेनी अधिकारियों ने ट्रंप के इस फैसले पर कोई प्रत्यक्ष टिप्पणी नहीं की है, लेकिन यह समय सीमा रूस के लिए बड़ी राहत बताई जा रही है।

रुस-यूक्रेन जंग खत्म होने की उम्मीद धूमिल....पैट्रियट मिसाइल सिस्टम आग में घी का काम करेगा

एयरक्राफ्ट हो, क्रूज मिसाइल हो, बड़े ड्रोन हों या फिर शॉर्ट रेंज बैलेस्टिक मिसाइल। पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम इन सभी प्रहारों से निपट सकता है। यह एक एडवांस मोबाइल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है, इस अमेरिका द्वारा विकसित किया गया है। यह कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों (एसआरबीएम) और कुछ हाइपरसोनिक मिसाइलों, जैसे रूस की किंजल मिसाइल को रोकने में सक्षम है।

इस मिसाइल की ताकत अब यूक्रेन को फिर से मिल रही है। यूक्रेन-रूस जंग को रुकवाने की कोशिशें कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बेहद निराश हैं। उन्होंने कहा कि पुतिन से फ़ोन पर बात करना सुखद होता है, लेकिन फिर वह पलटकर यूक्रेन पर भीषण बमबारी शुरू कर देते हैं।

यूक्रेन को हथियारों की खेप भेजने का ट्रंप का फैसला रूस-यूक्रेन जंग में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा है। जिन्होंने अपने कार्यकाल के शुरुआती महीनों में पुतिन को युद्धविराम समझौते के लिए मनाने की कई कोशिश की। लेकिन हर बार उन्हें निराशा हाथ लगी। अब ट्रंप ने नई पॉलिसी के तहत यूक्रेन को हथियारों की नई खेप देने की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई करेगा। और इसका भुगतान नाटो के देश करने वाले है।

रूट ने कहा कि उपकरणों की पहली खेप के हिस्से के रूप में मिसाइलों सहित भारी मात्रा में हथियार भेजे जाएंगे। ट्रंप ने कहा कि पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और बैटरियों सहित हाई लेवल के युद्धक साजो-सामान यूक्रेन पहुंचने जा रहे हैं। यूक्रेन को मिलने वाले हथियारों में सबसे अहम है पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम।

इस मिसाइल डिफेंस सिस्टम को रेथियॉन कंपनी ने बनाया है और यह पहली बार 1980 के दशक में तैनात किया गया था। पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम का सबसे मजबूत पक्ष है इसका रडार सिस्टम है। यह एक शक्तिशाली फेज्ड-ऐरे रडार है, जो 100 से अधिक लक्ष्यों को एक साथ ट्रैक कर सकता है और मिसाइलों को सटीक निशाना बनाने में मदद करता है।

इमरान खान जेल में बंद और पूर्व पत्नी रेहम खान ने बना दी नई पार्टी

कराची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान बीते दो सालों से जेल में बंद हैं। इस बीच उनकी पूर्व पत्नी रेहम खान ने एक नए राजनीतिक दल का ऐलान कर दिया है। इस दल का नाम- पाकिस्तान रिपब्लिक पार्टी रखा है। रेहम ने कहा कि यह एक दल नहीं बल्कि आंदोलन है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सही लोग संसद और विधानसभा में पहुंचे। रेहम खान ने कहा कि हम कानून सुधार के लिए लड़ेंगे ताकि लोगों को सीधे फायदा हो। हमारी लड़ाई महिलाओं और किसानों के लिए है। हम चाहेंगे कि पाकिस्तान में ऐसी नीतियां बनें जो आम लोगों को फायदा हो। रेहम के विदेश में रहने का मुद्दा भी पत्रकारों ने उठाया। इस पर रेहम खान ने कहा कि पूरा पाकिस्तान ही मेरा घर और निर्वाचन क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि मेरा आंदोलन कोई राजनीतिक नहीं है बल्कि समाज में सुधार का है। हम चाहते हैं कि पाकिस्तान के लोगों में फिर से उम्मीद, गरिमा और सम्मान का भाव जागे। हम चाहते हैं कि आम लोग भी पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर सकें।

अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में फिर लापरवाही, ट्रंप के निकलते ही फेंकी अजीब चीज

वाशिंगटन(ईएमएस)। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस के आसपास एक प्लेन उड़ता नजर आया था। जिसे अमेरिकी वायुसेना ने खदेड़ दिया था। अब व्हाइट हाउस पर कुछ अजीब सी चीज फेंकने का मामला सामने आया है। ट्रंप के आधिकारिक आवास वाइट हाउस के नॉर्थ लॉन में किसी अनजान व्यक्ति ने एक वस्तु फेंकी, जिसके बाद पूरे परिसर को लॉकडाउन कर दिया गया। अचानक से सुरक्षा एजेंसियों की हलचल बढ़ गई और मीडिया को तत्काल ब्रीफिंग रूम में ले जाया गया। करीब 30 मिनट तक अफरातफरी के माहौल के बाद सीक्रेट सर्विस ने 'ऑल-क्लियर' का ऐलान किया और प्रेस को फिर से बाहर जाने की अनुमति दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक अज्ञात व्यक्ति ने वाइट हाउस की बाड़ के पार कुछ फेंका था। सीक्रेट सर्विस ने बिना समय गंवाए पूरे इलाके को सील कर दिया और पेंसिलवेनिया एवेन्यू भी बंद कर दी गई। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बाद में बयान जारी करते हुए बताया, 'किसी ने अपना फोन फेंक दिया था।' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि एक साधारण फोन फेंकने से इतनी सख्त सुरक्षा प्रक्रिया क्यों लागू हुई। गौर करने वाली बात यह है कि यह घटना ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पेंसिलवेनिया के एक कार्यक्रम के लिए रवाना होने ही वाले थे।

अमेरिका के रोकने के बाद भी नहीं माना इजरायल, गाजा पर किया हमला 90 की मौत

दीर अल-बलाह(ईएमएस)। अमेरिका ने कई बार इजरायल को समझाया या दिखावा किया ये तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही जाने लेकिन हमले रुक नहीं रहे हैं। बीते रोज भी इजरायल ताबड़तोड़ हमले किए जिससे गाजा में 90 लोगों की मौत हो गई। जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय अस्पतालों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार दोपहर एक दैनिक रिपोर्ट में कहा कि पिछले 24 घंटों में इजराइली हमलों में मारे गए 93 लोगों के शव गाजा के अस्पतालों में लाए गए हैं। इसके साथ ही 278 घायल भी अस्पतालों में लाये गए हैं। इस हमले पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। शिफा अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी शाती शरणार्थी शिविर में हुए एक हमले में फलस्तीनी विधायिका के हमास सदस्य की मौत हो गई, साथ ही उसी इमारत में शरण लिए हुए एक पुरुष, एक महिला और उनके छह बच्चे भी मारे गए। हताहतों को इसी अस्पताल में लाया गया था। शिफा अस्पताल के अनुसार, गाजा शहर के तेल अल-हवा जिले में एक घर पर हुए हमले में एक परिवार के 19 सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में आठ महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। इसी जिले में विस्थापित लोगों के लिए बने एक शिविर पर हमले में एक पुरुष, एक महिला तथा उनके दो बच्चों की मौत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इजरायल से अनुरोध किया है कि वह सीरिया के दक्षिणी हिस्से में सरकारी बलों पर किए जा रहे हवाई हमले रोक दे। रिपोर्ट के मुताबिक, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि इजराइल ने अमेरिका को सूचित किया है कि वह मंगलवार शाम तक ये हमले बंद कर देगा। यह कदम संभवतः सीरिया में जारी जातीय हिंसा और क्षेत्रीय तनाव को काबू में लाने की अमेरिकी कोशिशों के तहत उठाया गया है। सीरिया के स्वेइदा शहर में ड्रूज और बेदौइन जनजातियों के बीच दो दिनों से जारी घातक संघर्ष के बीच इजरायल ने सरकारी बलों और हथियारों पर बमबारी की है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि सीरियाई सरकार इन हथियारों का इस्तेमाल ड्रूज समुदाय के खिलाफ करने जा रही थी। वहीं, सीरिया ने इजरायल की कार्रवाई की निंदा की है और कहा कि हमले में उनके सैनिकों और आम नागरिकों की मौत हुई है। मानवाधिकार निगरानी संस्था के मुताबिक झड़पों में अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल की पत्नी ब्रिजिट मैक्रों फिर चर्चा में

दो महिलाओं ने लगाए आरोप कहा- वह पुरुष से महिला बनीं, ब्रिजिट पहुंची कोर्ट

पेरिस,(ईएमएस)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिजिट मैक्रों पिछले कुछ महीनों से सुर्खियां में हैं। इस जोड़े के बीच में उम्र का अंतर लोगों का ध्यान खींचता है। कुछ महीने पहले विमान में उनका एक थप्पड़ मारने वाला वीडियो वायरल हुआ था, जिसे लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी टिप्पणी की थी। अब 72 साल की ब्रिजिट मैक्रों ने दो महिलाओं के ऊपर फ्रांस की सर्वोच्च अदालत में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। यह दोनों महिलाएं इस बात का दावा करती रही हैं कि ब्रिजिट मैक्रों पहले एक पुरुष थी बाद में वह लड़की बन गईं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिजिट मैक्रों ने इन दोनों महिलाओं के खिलाफ पहले निचली अदालत में मुकदमा किया था, जिसके बाद उन्हें सजा सुनाई गई थी, लेकिन पेरिस की अदालत ने उन दोनों के खिलाफ सुनाई गई सजा को माफ कर दिया। इसके बाद मैक्रों ने सर्वोच्च अदालत में अपील की है। दरअसल ये दोनों महिलाओं ने एक यूट्यूब पर पोस्ट किए गए वीडियो में दावा किया था कि ब्रिजिट मैक्रों असल में जीन-मिशेल ट्रोग्नेक्स नामक एक पुरुष थे। बाद में उन्होंने लिंग परिवर्तन करवाकर ब्रिजिट के रूप में अपनी नई जिंदगी शुरू की और फिर इमैनुएल मैक्रों से शादी की। इसके अलावा इस वीडियो में उन्होंने ब्रिजिट को लेकर और भी दावे किए थे। बता दें 2021 में फ्रांस में इस दावे को लेकर काफी चर्चा हुई थी। बात बढ़ने के बाद ब्रिजिट ने तभी इन दोनों पर केस कर दिया था और फिर निचली अदालत ने दोनों महिलाओं पर 13 हजार यूरो का जुर्माना लगाया था, जिसमें 8000 ब्रिजिट को और 5000 उनके भाई को देने की बात कही गई थी। अब जबकि अदालत ने इस सजा को हटा दिया है तो मैंक्रों और उनके भाई ने सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

पीड़ित परिवार को मना रहे हैं शेख हबीब उमर, माफ हो सकती है निमिषा को मौत की सजा

सना,(ईएमएस)। यमन में मौत की सजा पा चुकी भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाने की कोशिशें जारी हैं। इसमें यमन के मशहूर सूफी संत शेख हबीब उमर बिन हाफिज बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। वे यमन के अधिकारियों और मृतक तालाल के परिजनों के साथ बातचीत में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उनका केरल से गहरा संबंध है। वे अक्सर कंथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार द्वारा संचालित संस्थानों का दौरा करते रहे हैं। शेख हबीब उमर सूफी परंपरा की बा अलावी के प्रमुख व्यक्ति हैं। वे दार अल-मुस्तफा नामक प्रसिद्ध धार्मिक संस्थान के संस्थापक हैं, जो यमन के तारिम शहर में स्थित है। यमन में संघर्ष शुरू होने से पहले यह संस्थान केरल के कई छात्रों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय था।

हबीब उमर को यमन में लगभग सभी वर्गों में अत्यधिक सम्मान प्राप्त है। हालांकि कुछ चरमपंथी गुट उन्हें पसंद नहीं करते हैं। यही सामाजिक और धार्मिक प्रतिष्ठा उन्हें यमन सरकार और मृतक के परिजनों से संवाद स्थापित कराने में सक्षम बना रही है। उनके प्रतिनिधियों ने तालाल के परिवार से बातचीत की पहल की है, जिससे निमिषा प्रिया को माफीनामे के जरिए फांसी से बचाने की उम्मीद जगी है। शेख हबीब उमर मलप्पुरम में स्थित माअदिन सादाथ अकादमी और नॉलेज सिटी मस्जिद के उद्घाटन कार्यक्रमों में भी शामिल हो चुके हैं। केरल के कई धार्मिक छात्र उनके शिक्षण संस्थान में अध्ययन कर चुके हैं और उनके अनुयायियों की संख्या दक्षिण भारत में भी अच्छी-खासी है।

तुर्की के साथ जारी डिफेंस प्रोजेक्ट लटके, खत लिखकर मोहलत मांग रहा पाकिस्तान

इसलामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान में तुर्की की तरफ़ से 50 से ज़्यादा प्रोजेक्ट या तो चल रहे हैं या फिर चलाए जाने हैं। पैसों की किल्लत के चलते कई बड़े प्रोजेक्ट लटक चुके हैं। इसकी पुष्टि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के 22 मई को तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन को लिखी एक सीक्रेट चिट्ठी से हुई। इसमें पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की बदहाली का रोना रोया गया। इस चिट्ठी में शहबाज शरीफ ने पैसे नहीं होने के चलते नेवी के वॉरशिप प्रोजेक्ट माइलजेम को पूरा ना होने का कारण गिनवा रहे हैं। वहीं सबमरीन प्रोजेक्ट भी पैसे की कमी के चलते अटक गया है। चिट्ठी में पाकिस्तान ने तुर्की से 2-3 साल तक बकाया भुगतान टालने और डिलीवरी शेड्यूल को ना रोकने की गुहार लगाई है। ऑल वेदर फ्रेंड चीन के बाद अब तुर्की बड़े भाई की भूमिका में डूबते पाकिस्तान की बैसाखी बन रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने तुर्की के ड्रोन को मार गिराया था। दोनों देशों के बीच रिश्ते पिछले कुछ सालों में बेहतर हुए हैं, जो चिंता का सबब हो सकता है। तुर्की की मदद से पाकिस्तान अपनी सामरिक ताक़त को बढ़ाने में जुटा है। खुफिया रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि अब पाकिस्तान में ही पाकिस्तान की एयरफ़ोर्स के साथ मिलकर एक बड़ी हथियार बनाने की फ़ैक्ट्री लगाने की तैयारी में है।

चुनौवी रैली में हुए हमले से ट्रंप को बचाने वाली महिला एजेंट फिर चर्चा में

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पिछले साल एक चुनावी रैली में 13 जुलाई को हमला था। यह हमला जब हुआ था राष्ट्रपति रैली को संबोधित कर रहे थे, तभी उन पर गोली चलाई गई थी। इसमें वह बाल-बाल बचे गए थे। उस वक्त एक महिला सीक्रेट सर्विस एजेंट ने उन्हें कवर करते हुए उन्हें वहां से निकाला था।

गोलीबारी के बाद ट्रंप को सुरक्षा घेरा में लेते हुए कंधे के सहारे से वहां से लेकर जाती हुए महिला सीक्रेट सर्विस एजेंट की कई फोटो सामने आई थी। इस घटना को एक साल पूरा हो चुका हैं और उस सीक्रेट सर्विस एजेंट की बहादुरी की एक बार फिर से चर्चा हो रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबक 35 साल की सीक्रेट सर्विस एजेंट साराटोगा काउंटी के एक छोटे से शहर हाफमून में पली-बढ़ी हैं। उनके नाम का खुलासा सुरक्षा कारणों से नहीं किया जा सकता है। उन्होंने मैकेनिकविले हाईस्कूल से शिक्षा प्राप्त की, जहां उन्होंने 2007 में स्नातक होने से पहले स्कूल की फुटबॉल और बास्केटबॉल टीमों के लिए खेला। ऑनलाइन बायोडाटा साइटों के मुताबिक इसके बाद उन्होंने सनी अल्बानी में दाखिला लिया। वहां उन्होंने राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री ली। फिर सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट लिया और गृह सुरक्षा में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। उन्होंने 2009 में कॉलेज में रहते हुए ही सीक्रेट सर्विस में प्रशासनिक सहायक के रूप में काम किया था। वर्तमान सुरक्षा ड्यूटी में आने से पहले उन्होंने कुछ समय के लिए राज्य के मोटर वाहन विभाग में डेटा एनालिस्ट के रूप में भी किया। उनके एक सीक्रेट सर्विस सहकर्मी ने कहा कि वह एक अच्छी एजेंट हैं। 13 जुलाई को बटलर, पेनसिल्वेनिया में हुई रैली की प्रसिद्ध तस्वीर में, एजेंट ने ट्रम्प के दाहिने तरफ झुकी हुए देखी गईं। वह अपने हाथ को उठाकर ट्रंप को कवर करने की कोशिश कर रही थीं। जब हत्यारे ने ट्रम्प पर रैली के दौरान गोलीबारी शुरू कर दी थी। तस्वीर में दो पुरुष एजेंट भी हैं। जिन्होंने ट्रम्प की सुरक्षा टीम का नेतृत्व किया था, लेकिन अब उन्हें सीक्रेट सर्विस निदेशक के पद पर पदोन्नत कर दिया गया है। सीक्रेट सर्विस ने पिछले दिनों घोषणा की कि उसने छह एजेंटों को बिना वेतन के निलंबित कर दिया है, जो अभियान रैली स्थल की सुरक्षा में शामिल थे। वहीं सूत्रों ने कहा कि प्रतिष्ठित फोटो में तीन एजेंटों में से किसी को भी जिसमें महिला भी शामिल हैं निलंबित नहीं किया गया है। हत्या के प्रयास के बाद महिला एजेंट की आलोचना भी की गई थी, जिसमें प्रौद्योगिकी दिग्गज एलन मस्क भी शामिल थे। उन्होंने दावा किया था कि वह 6 फुट 3 इंच लंबे ट्रंप की सुरक्षा के लिए बहुत छोटी हैं। मस्क ने एक्स पर लिखा था एक बड़े आदमी के लिए शरीर को ढकने के लिए एक छोटे व्यक्ति का होना समुद्र तट पर एक छोटे आकार के स्पीडो की तरह है जो सबजेक्ट को कवर नहीं करता है।

शहबाज शरीफ से मिले आसिम मुनीर, जल्द बनेंगे पाकिस्तान के राष्ट्रपति?

इस्लामाबाद(ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान के बीच तल्ख हुए रिश्तों के दौरान ही पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने राष्ट्रपति बनने के सपने देखना शुरु कर दिए थे। इसके लिए उन्हे पाकिस्तान से लेकर अमेरिका तक अपनी सियासी गोटियां बिठाना शुरु कर दिया। नतीजा ये हुआ कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ सेना प्रमुख आसिम मुनीर और राष्ट्रपति आसिफ जरदारी की मुलाकात ने चर्चाएं और बढ़ा दी हैं। कहा जा रहा था कि मुनीर राष्ट्रपति पद पर जरदारी की जगह ले सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। पाकिस्तान सरकार के मंत्री भी इन्हें खारिज कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति आवास में पीएम शरीफ ने जरदारी से मुलाकात की। इसके कुछ देर पहले ही मुनीर पीएम आवास पर पहुंचे और शरीफ से मीटिंग की। मंगलवार शाम हुईं एक के बाद एक उच्च स्तरीय बैठक ने राष्ट्रपति बदलने की अटकलों को हवा दे दी है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि राष्ट्रपति के इस्तीफे और उनकी जगह सेना प्रमुख के लेने का मुद्दा राष्ट्रपति जरदारी और पीएम शहबाज की मीटिंग में उठा जरूर था, लेकिन उन्होंने ऐसी सभी खबरों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि ये अटकलें एक मीडिया स्टोरी के बाद सामने लगने लगी थी, जिसे बाद में संभवतः वापस ले लिया था। आसिफ ने सभी अटकलों को खारिज किया है और कहा है कि राष्ट्रपति जरदारी को सभी घटनाक्रमों की जानकारी दी गई है।

50 दिन वाले अल्टीमेटम पर रूस ने कहा- हम ट्रंप की धमकियों से नहीं डरते

मॉस्को,(ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा था कि 50 दिन के भीतर रूस इस युद्ध को खत्म करे, वरना 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगा देंगे। इस पर रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा, हम किसी भी तरह के अल्टीमेटम को स्वीकार नहीं करते। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि ट्रंप की टिप्पणी गंभीर है और मास्को इसे विस्तार से समझने की कोशिश करेगा। ट्रंप के बयान के बाद रूस ने साफ कर दिया है कि वह किसी तरह की धमकी या दबाव में नहीं झुकेगा। रयाबकोव ने कहा कि मास्को डिप्लोमैटिक बातचीत को प्राथमिकता देगा, लेकिन उसे पश्चिम से लोहे जैसे ठोस आश्वासन चाहिए, खासकर इस बात पर कि यूक्रेन नाटो का हिस्सा नहीं बनेगा। वहीं चीन ने अमेरिका की आलोचना करते हुए इसे लॉन्ग-आर्म जुरिस्डिक्शन बताया। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका को बीजिंग और मास्को के बीच ऊर्जा संबंधों में दखल नहीं देना चाहिए। इस बीच, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की मुलाकात भी हुई, जिसमें द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने पर सहमति बनी। ट्रंप की योजना में सेकेंडरी टैरिफ यानी उन देशों पर टैक्स लगाना भी शामिल है, जो रूसी तेल और गैस खरीदते हैं- जैसे कि चीन और भारत। यह प्रस्ताव कांग्रेस में पेश एक द्विदलीय बिल से मेल खाता है, जो ऐसे देशों पर 500 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाने की सिफारिश करता है।

लॉरेंस का खौफः आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग

ओटावा(ईएमएस)। कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग खौफ की नई परिभाषा बन चुका है। यही कारण है कि अब उसे आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग हो रही है। हिंसा, ड्रग्स, वसूली और 'टारगेटेड किलिंग्स' के आरोपों के चलते इस गैंग के खिलाफ आवाजें तेज होती जा रही हैं। अल्बर्टा प्रांत की प्रमुख डेनिएल स्मिथ ने बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने की खुली मांग कर डाली। उनका कहना है कि यह गैंग कनाडा ही नहीं, पूरी दुनिया में अपराध फैला रहा है। भारत सरकार पहले ही कनाडा से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के उन सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुकी है, जो वहां रहकर गैंग चला रहे हैं। इसमें प्रमुख नाम है गोल्डी बराड़ का जिसे पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की हत्या में मुख्य आरोपी बताया गया है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक बिश्नोई और गोल्डी अब अलग-अलग हो गए हैं। एक संयुक्त बयान में उन्होंने कहा, लॉरेंस बिश्नोई गैंग एक ट्रांसनेशनल क्रिमिनल नेटवर्क है, जो हिंसा, वसूली, ड्रग्स तस्करी और सुनियोजित हत्याओं के लिए जिम्मेदार है। इसका दायरा वैश्विक है और मंशा पूरी तरह आपराधिक। उन्होंने कहा कि इस गैंग को आतंकी संगठन घोषित करने से स्थानीय और प्रांतीय पुलिस एजेंसियों को वह कानूनी ताकत और संसाधन मिलेंगे, जिनकी उन्हें जरूरत है, ताकि इस नेटवर्क को तोड़ा जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इससे पहले जून में ब्रिटिश कोलंबिया की मुख्यमंत्री डेविड ईबी भी इसी मांग को उठा चुके हैं। अब केंद्र सरकार पर दबाव है कि वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करे। हालांकि, कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मिनिस्टर गैरी अनंदसंगारे ने कहा कि ऐसा कोई फैसला लेने से पहले 'कानूनी पैमाना' पूरा करना जरूरी होगा। फिलहाल मामला विचाराधीन है और एजेंसियां सबूतों की जांच कर रही हैं।

बलूच विद्रोही ही नहीं, टीटीपी ने भी मचा रखा है गदर, 6 महीने में हजारो अटैक, सैंकड़ो की मौत

इस्लामाबाद (ईएमएस)। आतंकियों का पालन पोषण करने में पाकिस्तान माहिर है। दूसरे देशों में दहशत फैलाता है और निर्दोषों की हत्या कराता है। अब पाकिस्तान खुद संकटों में घिर गया है। टीटीपी हो या बलूच विद्रोही, पाकिस्तानी फौज की नाक में दम कर रखा है। कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता कि जब किसी हमले की खबर ना आए और पाकिस्तान में कोई जनाजा ना उठे। टीटीपी ने जनवरी से लेकर अब तक के अटैक की लिस्ट जारी की है। इसमें दावा किया गया है कि अब तक पाकिस्तानी सुरक्षाबलों पर 1377 हमलों को अंजाम दिया गया है। इन हमलों में 832 पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के मारे जाने का दावा भी किया गया है। इन हमलों में 1108 लोग घायल हुए और 57 को अगवा किया गया है। टीटीपी ने खैबर फख्तूख्वा से बाहर निकलते हुए पाक फौज पर बलूचिस्तान में भी 27 हमलों को अंजाम दिया है। टीटीपी ने अपने आंकड़े जारी किए तो बलूचिस्तान होम डिपार्टमेंट की तरफ से भी पहले 6 महीने के आतंकी हमलों के आंकड़े जारी किए। इसमें साफ कहा गया है कि हमलों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक 1 जनवरी से 11 जुलाई तक के आंकड़ों के बीच कुल 501 हमलों को अंजाम दिया गया। इसमें 257 की मौत और 492 के घायल हुए है। ज्यादातर हमले पाकिस्तानी सुरक्षाबलों पर किए गए कुल 501 में 332 प्राइमरी टार्गेट रहे। इन हमलों में 133 सुरक्षाकर्मी की मौत और 338 के घायल होने का दावा बलूच विद्रोहियों ने किया। इन हमलों को अंजाम देने के लिए घात लगाकर हमला, रिमोट कंट्रोल बॉम्बिंग और ग्रेनेड अटैक का इस्तेमाल किया गया।

1945 में धरती बन गई थी आग का गोला, 240 किमी दूर तक दिखा काला धुआं

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। दुनिया आज डरी है दो परमाणु शक्तियों के बीच युद्ध से। यही वजह है कि जब बीती मई में भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ तो पूरी दुनिया में हलचल मच गई थी। संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर अमेरिका तक शांति की अपील कर रहे थे। इस तनाव के दौरान पाकिस्तान तो परमाणु बम की धमकी भी देने लगा था, हालांकि, भारत ने बिना परमाणु बम का जिक्र किए अपनी ताकत दिखाई और पाकिस्तान को युद्धविराम के लिए मजबूर किया।

बता दें दुनिया का पहला परमाणु विस्फोट आज ही के दिन यानी 16 जुलाई 1945 को अमेरिका में किया गया था। ट्रिनिटी नाम का यह परमाणु बम अमेरिका के मैनहट्टन प्रोजेक्ट का हिस्सा था, जो द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान परमाणु हथियार विकसित करने के लिए अमेरिका का एक भारी भरकम वैज्ञानिक और सैन्य प्रयास था। साल 1945 की 16 जुलाई की तारीख थी, जब 20वीं सदी की सबसे अहम घटनाओं में से एक घटी थी। इस दिन अमेरिका ने न्यू मैक्सिको के अलामोगोर्डो में पहले परमाणु बम का परीक्षण किया था।

पहले परमाणु विस्फोट के लिए इस्तेमाल किए गए बम का नाम द गैजेट रखा गया था और इसमें प्लूटोनियम-239 का इस्तेमाल हुआ था। इसे अमेरिकी समयानुसार सुबह के 5.29 बजे विस्फोट किया गया था, जिसके बाद एक आग का गोला बना और चकाचौंध कर देने वाली चमक निकली थी। इससे पैदा हुई गर्मी सूरज की सतह से भी ज्यादा थी। विस्फोट के बाद एक मशरूम के आकार का बादल आसमान में 11 किलोमीटर से भी ऊपर उछा था। इस विस्फोट से करीब 21 किलोटन टीएनटी के बराबर ऊर्जा पैदा हुई।

इस घटना को 300 किमी दूर मौजूद लोगों ने देखने का दावा किया था। 240 किलोमीटर दूर मौजूद एक फॉरेस्ट रेंजर ने बताया कि उसने आग की एक चमक, एक विस्फोट और काला धुआं देखा। न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क के पास 10,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भर रहे एक अमेरिकी नौसेना के पायलट ने कहा कि इससे उनके विमान का कॉकपिट रोशन हो गया और ऐसा लगा जैसे दक्षिण में सूरज निकल आया हो। जब उन्होंने स्पष्टीकरण के लिए अल्बुकर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल को रेडियो पर संपर्क किया, तो उन्हें बस इतना कहा गया कि दक्षिण की ओर उड़ान न भरें।

भौतिकी के वैज्ञानिक ने मैनहट्टन प्रोजेक्ट को लीड किया, जिसमें उस समय के महान वैज्ञानिकों ने काम किया था। इस परीक्षण ने साबित किया कि परमाणु विखंडन को हथियार के तौर पर विकसित किया जा सकता है। यह इतिहास को बदलने वाली खोज थी। स्फोट का विहंगम दृश्य देखने के बाद ओपेनहाइमर ने हिंदू धर्मग्रंथ भगवद् गीता का प्रसिद्ध उद्धरण दिया और कहा कि अब मैं मृत्यु बन गया हूं, संसारों का संहार करने वाला। इस विस्फोट के ठीक तीन सप्ताह बाद अमेरिका ने 6 अगस्त को जापान के हिरोशिमा और 9 अगस्त को नागासाकी पर परमाणु बम गिराए थे, जिसके बाद जापान ने आत्मसमर्पण किया था। इसके साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध खत्म हुआ था। लेकिन इसके बाद परमाणु हथियारों को लेकर दौड़ शुरू हो गई, जिसमें रूस और अमेरिका ने हजारों परमाणु बम का निर्माण किया। आज दुनिया में इतने परमाणु बम हैं कि इसे कई बार बर्बाद किया जा सकता है। इसके बावजूद परमाणु बम हासिल करने के लिए प्रयास आज भी जारी हैं।

चौथे टेस्ट में बदलावों के साथ उतर सकती है भारतीय टीम

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के के इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट सीरीज में 1-2 से पिछड़ने के बाद अब चौथे टेस्ट में बदलाव की संभावना जतायी जा रही है। भारतीय टीम को सीरीज में बराबरी करनी है तो उसे हर हाल में 23 जुलाई से शुरु होने वाला मैनचेस्टर टेस्ट को जीतना होगा। इस मैच के लिए टीम में कुछ बदलाव भी होने तय हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस मैच में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह खेल सकते हैं हालांकि कार्यभार प्रबंधन के तहत इस मैच में उन्हें आराम दिया जाना है। इस सीरीज की शुरुआत से पहले ही मुख्य कोच अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर, कप्तान शुभमन गिल और स्वयं बुमराह ने भी साफ कर दिया था कि वह सीरीज के सभी पांच मैच नहीं खेलते हुए केवल तीन टेस्ट ही खेलेंगे। बुमराह ने इस सीरीज में 2 टेस्ट पहले ही खेले हैं। ऐसे में तय कार्यक्रम के अनुसार अब उन्हें सिर्फ 1 ही टेस्ट खेलना है। ऐसे में ये भी हो सकता है किकि वह सीरीज के पांचवें और आखिरी मुकाबले में दिखें जो लंदन के ओवल मैदान में 31 जुलाई से 4 अगस्त तक चलेगा।वहीं भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत शायद ही चौथे मैच में खेल पायें। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उनकी उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह पहली पारी में केवल 34 ओवर ही विकेटकीपिंग कर पाए थे। उनकी जगह पर ध्रुव जुरेल ने कीपिंग की थी। अभी चौथे टेस्ट में एक हफ्ते का समय है, ऐसे में टीम ये भी उम्मीद कर रही है कि वह तब तक ठीक हो जायें। इस मैच में आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले करुण नायर को भी अवसर मिलने की कम ही संभावना है क्योंकि वह अब तक इस सीरीज में विफल रहे हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के 3 टेस्ट की 6 पारियों में सिर्फ 131 रन बना सके हैं। ऐसे में उन्हें चौथे टेस्ट में बेंच पर बैठना पड़ सकता है। वैसे शुरुआती दो टेस्ट में नाकामी के बाद जिस तरह तीसरे मैच में भी उन्हें मौका दिया गया, उससे ये लगता है कि टीम प्रबंधन उन्हें

वापसी पर अपने को साबित करने के लिए पूरी अवसर देना चाहता है। वहीं इस मैच में अगर ऋषभ खेल नहीं पाते हैं तो जुरेल को अवसर मिलेगा। जुरेल ने लॉर्ड्स टेस्ट में पंत की अनुपस्थिति में विकेटकीपिंग की थी। वहीं अगर तेज गेंदबाज बुमराह मैनचेस्टर टेस्ट में नहीं खेलते हैं तो उनकी जगह युवा अर्शदीप सिंह को अवसर मिल सकता है। टीम के पास प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर जैसे भी विकल्प हैं, पर ये दोनो अपने अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये। साई सुदर्शन को इसी सीरीज से टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला था। मैनचेस्टर टेस्ट में उन्हें करुण नायर की जगह अंतिम ग्यार हमें जगह मिल सकती है।वहीं चाइनामेन स्पिनर कुलदीप यादव कुलदीप यादव सीरीज के अब तक हुए सभी तीनों मैच में बेंच पर ही बैठे रहे। इंग्लैंड की पिचें तेज गेंदबाजों की सहायक मानी जाती हैं। लॉर्ड्स टेस्ट में स्पिन की जिम्मेदारी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने संभाली थी। ऐसे में साफ है कि मैनचेस्टर टेस्ट में भी कुलदीप को अवसर शायद ही मिले।

भारत की संभावित अंतिम ग्यारह : यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और अर्शदीप सिंह।

करुण पर गिर सकती है गाज, चौथे टेस्ट में शायद जगह मिले

बल्लेबाज करुण नायर का हो सकता है। करुण अब तक हुए तीनों की मैचों में विफल रहे हैं। ऐसे में अगर उन्हें बाहर किया गया तो उनका करियर समाप्त होना तय है। वहीं ये भी कहा जा रहा है जब सभी खिलाड़ी बल्लेबाजी में विफल रहे हैं तब केवल एक को ही निशाना कैसे बनाया जा सकता है। भारतीय टीम तीसरे मुकाबले में 193 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी और 170 रन पर ही सिमट गयी। इससे टीम 5 मैचों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ गया है। वहीं टीम में 8 साल बाद लौटने वाले करुण से विशेष तौर पर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी पर वह उसमें विफल रहे। उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर अब तक खेले 3 टेस्ट की 6 पारियों में 131 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सबसे ज्यादा स्कार 40 रन रहा है। वह सभी शीर्ष बल्लेबाजों से कम रन बना पाये हैं। जहां अब तक कप्तान शुभमन गिल 607 और उप कप्तान ऋषभ पंत 425 रन व केएल राहुल के नाम 375, रवींद्र जडेजा के नाम 327 और यशस्वी जायसवाल के नाम 233 रन हैं। वहीं करुण 131 रन ही बना पाये हैं। ऐसे में बल्लेबाजी लाइनअप में कोई बदलाव होने पर करुण नायर को ही हटाया जाएगा।

आईसीसी ने इंग्लैंड टीम पर लगाया भारी जुर्माना, दो डब्लयूटीसी अंक भी काटे गये

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लॉर्ड्स टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड की टीम पर भारी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही भारत के खिलाफ इस टेस्ट में मिली जीत के बाद भी इंग्लैंड की टीम के खाते में से आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) अंक भी काटे गए हैं। धीमी ओवर गति के लिए आईसीसी ने इंग्लैंड पर 10 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाया है। इसके साथ-साथ टीम के खाते में से दो अंक भी काटे गए हैं, जिससे उनका जीत प्रतिशत 66.67 से नीचे आया है और टीम दूसरे से तीसरे नंबर पर फिसल गयी है। दूसरा मैच जीतकर इंग्लैंड के 66.67 फीसदी जीत अंक थे जो अब अब घटकर 60 फीसदी रह गये हैं। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इंग्लैंड की टीम को धीमी ओवर गति के लिए दोषी पाया है। दो ओवर की देरी इंग्लैंड टीम को भारी पड़ी है। प्लेयर्स एंड प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के नियम 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में असफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इंग्लैंड ने दो ओवर तय समय में नहीं फेंके तो उन पर 10 फीसदी जुर्माना लगा है। इंग्लैंड की टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ये गलती स्वीकार कर ली ओर दंड भी मान लिया है। इसलिए इस मामले में आगे औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, तीसरे अंपायर अहसान रजा और चौथे अंपायर ग्राहम लॉयड ने इंग्लैंड पर ये आरोप तय किए थे। मैच रेफरी ने इन आरोपों को सही पाया और इंग्लैंड को सजा दी गई।

इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट के लिए शोएब की जगह लियाम को शामिल किया

स्पिनर लियाम डॉसन की आठ साल बाद इंग्लैंड टीम में वापसी हुई है। लियाम को भारतीय टीम के खिलाफ 23 जुलाई से मैनचेस्ट में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए टीम में शामिल किया गया है। बायें हाथ के स्पिनर लियाम को चोटिल शोएब बशीर की जगह टीम में शामिल किया गया है। बशीर के तीसरे टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी के दौरान अपनी ही गेंद पर क्षेत्ररक्षण करते समय बाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया था। वहीं बशीर की जगह शामिल डासन ने इससे पहले जुलाई 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नॉटिंघम में अपना अंतिम टेस्ट खेला था। बशीर ने भारत की दूसरी पारी में चोटिल होने के बाद भी गेंदबाजी की और मोहम्मद सिराज को आउट कर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। 35 वर्षीय डॉसन ने अपने तीन टेस्ट मैचों में से आखिरी टेस्ट 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उन्होंने सात विकेट लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने इंग्लैंड की तरफ से छह एकदिवसीय और 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं। इस स्पिनर ने हैम्पशर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें 2023 और 2024 में पीसीए प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था। डॉसन ने अब तक 212 प्रथम श्रेणी मैचों में 371 विकेट लिए हैं। वह निचले मध्यक्रम के उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 10000 से अधिक रन बनाए हैं जिनमें 18 शतक भी शामिल हैं। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा, ''लियाम टीम में शामिल होने के अधिकारी थे। काउंटी चैंपियनशिप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्होंने हैम्पशर की तरफ से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।'' वहीं तेज गेंदबाज सैम कुक और जेमी ओवरटन भी अपनी-अपनी अपनी काउंटी टीमों से जुड़ गए हैं। टीम इस प्रकार हैः बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

ऋषभ के रनआउट होने से आया अंतर : स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट में ऋषभ पंत के आउट होने से मैच बदला था। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने 22 रनों से जीत हासिल की थी। मैच में 193 के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम दूसरी पारी में 170 रन ही बना पायी थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी कहा था कि पहली पारी में ऋषभ के रनआउट होने से मैच में अंतर आया था। उन्होंने कहा कि अगर लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में बढ़त मिलती तो मैच का परिणाम कुछ और होता। पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहा था। इस मैच में इंग्लैंड के 387 रनों का पीछ करते हुए भारतीय टीम ने भी पहली पारी में इतना ही स्कोर बनाया।

पंत पहली पारी में 74 रन बनाकर स्टोक्स के एक शानदार थ्रो पर रनआउट हो गए। शुभमन ने कहा, पंत का विकेट मैच का सबसे अहम पल था क्योंकि हमें पता था कि पांचवें दिन बल्लेबाजी कठिन होगी। उन्होंने कहा, पहली पारी में बढ़त हमारे लिए लाभदायक होती। वहीं, स्टोक्स ने भी शुभमन की बात का समर्थन किया है। उन्होंने माना है कि पंत का रनआउट होना उनके लिए लाभदायक रहा। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, जब फीलिंडग करते हुए गेंद मेरे पास आई तो मैंने ऋषभ को हिचकिचाते हुए देखा। जब आप गेंद फेंकते हैं और जानते हैं कि वह स्टंप्स पर लगेगी तो यह एक बेहतरीन एहसास होता है।

स्टोक्स ने इसके अलावा कहा कि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद वह अब कुछ दिन आराम कर तरोताजा होना चाहते हैं। पांच टेस्ट की सीरीज का चौथा मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर के मैदान पर खेल जाएगा। इंग्लैंड के कप्तान ने कहा, दो बहुत अच्छी टीमें आमने-सामने हैं। इसलिए मुकाबले से पहले आराम चाहता हूं। स्टोक्स को तीसरे मैच में गेंद और बल्ले से अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला था।

साइना कमाई के मामले में भी पीछे नहीं

हैदराबाद (ईएमएस)। अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल खेल के साथ ही कमाई के मामले में भी पीछे नहीं है। साइना अपनी स्टाइलिश जीवनशैली के लिए भी जानी जाती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ओलंपिक में पदक विजेता होने के साथ ही विश्व की नंबर एक खिलाड़ी रही साइना की संपत्ति तकरीबन 36 से 40 करोड़ रुपये की है। वह देश की सबसे धनी बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं। में गिनी जाती हैं। उनकी कमाई टूर्नामेंट, ब्रांड एंडोर्समेंट और रॉयल्टी से आती है। इसके साथ ही उनके पास लग्जरी कार ओर आलिशान घर हैं। साइना ने 2015 में हैदराबाद में 4.6 करोड़ रुपये का एक आलीशान घर खरीदा था। साथ ही उनके कलेक्शन में बेहतरीन कारें भी शामिल हैं। उनके गैराज में मिनी कूपर, बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज-बेंज और मर्सिडीज-एएमजी जीएलई 53 जैसे कारों शामिल हैं। वहीं एक और रिपोर्ट के अनुसार, साइना नेहवाल की नेटवर्थ करीब 4 से 5 करोड़ रुपये के आसपास है। जिस कारण उनकी मासिक आय करीब 30 से 40 लाख रुपये है। वह कई प्रतिष्ठित ब्रांड्स साथ जुड़ी हैं। इन ब्रांड्स में योनेक्स, बीपीसीएल, हर्बालाइफ, टॉप रैमन, वैसलीन, एडलवाइज, आईओबी, केलोग्स आदि शामिल हैं। साइना नेहवाल ने 2012 में रिति स्पोर्ट्स से 40 करोड़ रुपये बड़ा अनुबंध किया था। बाद में क्वान एंटरटेनमेंट से उनका करार हो गया था।

डोपिंग में टेनिस खिलाड़ी तारा पर चार साल का प्रतिबंध

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन की महिला टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर डोपिंग मामले में चार साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा। खेल पंचाट ने तारा पर ये पाबंदी लगायी है। खेल पंचाट ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति के बाद कहा कि तारा को प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के लिए प्रतिबंधिति किया जाना जरुरी था। इस खिलाड़ी को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रोलोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था पर दिसंबर 2023 में उन्हें खेलने की अनुमति मिल गयी थी। वहीं इससे पहले एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में एक प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान दूषित मांस खाने के कारण तारा पॉजिटिव हुई होगी। आईटीआईए ने उस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी। खेल पंचाट ने आईटीआईए के पक्ष में फैसला दिया, जिसमें कहा गया कि उसके पैनल के अधिकतर सदस्यों का यह मानना था कि तारा यह साबित नहीं कर पाई कि दूषित मांस के सेवन के कारण उनका नमूना पॉजिटिव पाया गया था।

जकार्ता में एशियान फुटबॉल फेडरेशन के मुकाबले में खेलते हुए इंडोनेशिया और ब्रुनेई के खिलाड़ी।

स्टार्क ने भारतीय ऑलराउंडर का 19 साल पुराना रिकार्ड तोड़ा

किंग्स्टन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में घातक गेंदबाजी करते हुए जहां अपनी टीम को बड़ी जीत दिलायी। वहीं 19 साल पुराना भारतीय टीम के तेज गेंदबाज इरफान पठान का रिकार्ड भी तोड़ दिया। स्टार्क ने तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी के पहले ही ओवर में ही जॉन कैंपबेल, केवलॉन एंडरसन और ब्रैंडन किंग को आउट कर दिया। कैंपबेल और किंग बिना कोई रन बनाए आउट हुए जबकि एंडरसन चार गेंद ही खेल पाये। साल 2006 में कराची के नेशनल स्टेडियम में भारत-पाकिस्तान टेस्ट के पहले ओवर में भी इरफान पठान ने तीन गेंदों में तीन विकेट लिए थे। उस मैच में पठान ने पाकिस्तान की पहली पारी के पहले ओवर की चौथी गेंद पर सलमान बट को चार गेंदों पर डक आउट कर अपना विकेट खाता खोला और फिर यूनिस खान को गोल्डन डक किया था। इरफान ने मोहम्मद यूसुफ को आउट कर पहले ओवर की आखिरी गेंद पर अपनी हैट्रिक पूरी की। पहले ओवर में तीन विकेट लेने के बाद स्टार्क ने अपने तीसरे ओवर की पहली गेंद पर मिकाइल लुईस को 4 रन पर आउट किया और तीसरी गेंद पर शाई होप का विकेट लेकर पांच विकेट पूरे किए। उन्होंने अपने पांच विकेट लेने के लिए केवल 15 गेंदों का इस्तेमाल किया। केवल 15 गेंद फेंककर उन्होंने 5 विकेट लेकर विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। इससे कम गेंदों पर किसी गेंदबाज ने कभी किसी टेस्ट की एक पारी में 5 विकेट नहीं लिए थे।

विराट-रोहित पर संन्यास के लिए BCCI का दबाव नहीं था : राजीव शुक्ला

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को लेकर साफ कर दिया है कि दोनो पर किसी भी प्रकार का कोई दबाव बोर्ड की ओर से नहीं था। इससे पहले कहा जा रहा था कि इन दोनों दिग्गजों ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले संन्यास का फैसला दबाव में किया था। इसी को लेकर अब बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने कहा कि विराट और रोहित ने स्वयं ही संन्यास लेने का फैसला लिया है। इसमें बोर्ड की कोई भूमिका नहीं थी। बीसीसीआई की नीति स्पष्ट है। वह किसी भी खिलाड़ी को संन्यास के लिए मजबूर नहीं करना। इसलिए ये विराट और रोहित का फैसला था। ये दोनों ही खिलाड़ी हैं और अब भी एकदिवसीय प्रारुप के लिए उपलब्ध रहेंगे।

38 साल के रोहित ने 67 टेस्ट मैच में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 4301 रन बनाए। पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। घरेलू सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वह रन नहीं बना पाये। इसी कारण सिडनी टेस्ट से स्वयं ही बाहर हो गये। ऐसे में उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी। वहीं दूसरी ओर विराट ने भी सोशल मीडिया पर लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखकर अपने संन्यास की घोषणा कर दी।

विराट और रोहित की गैरमौजूदगी में शुभमन गिल को टीम की कप्तानी दी गयी और आठ साल के बाद करुण नायर की टीम में वापसी हुई।

पाक क्रिकेट में पीसीबी ने किया बदलाव

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने घरेलू क्रिकेट में बड़ा बदलाव किया है। पीसीबी ने साल 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए री-स्ट्रक्चर थ्री-टीयर विभागीय क्रिकेट ढाचे की घोषणा कही है। इसके तहत ही ग्रेड- थ्री डिवीजन की शुरुआत होगी। अगस्त 2025 से मई 2026 तक चलने वाले इस नए ढ़ांचे में ग्रेड-वन , ग्रेड-टू और ग्रेड-थ्री I में प्रतिस्पर्धा करने वाली 40 से ज्यादा विभागीय टीमें शामिल होंगी। इसमे बेहतर प्रदर्शन को पुरस्कृत करने और डिवीजनों के बीच गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए एक स्पष्ट प्रमोशन और डिमोशन प्रणाली बनायी गयी है. ग्रेड-वन विभाग नवंबर-दिसंबर में 50 ओवर के प्रेसिडेंट कप के साथ अपना अभियान शुरू करेंगे। इसके बाद प्रथम श्रेणी प्रेसिडेंट ट्रॉफी होगी, जिसका समापन जनवरी 2026 में होगा। दोनों टूर्नामेंटों में आठ शीर्ष स्तरीय टीमें शामिल होंगी, जिनमें गनी ग्लास, केआरएल, ओजीडीसीएल, पीटीवी, साहिर एसोसिएट्स, एसबीपी, एसएनजीपीएल और डब्ल्यूएपीडीए शामिल है। प्रेसिडेंट्स कप कुल में 31 लिस्ट ए (वनडे) मैच होंगे, जबकि प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी में 29 रेड-बॉल मैच होंगे। निचली दो टीमों को ग्रेड-टू में भेज दिया जाएगा, जबकि ग्रेड-टू की शीर्ष दो टीमों को प्रमोशन मिलेगा और वे ग्रेड-वन में पहुंच जाएंगी। ग्रेड-टू में 14 टीमें होंगी, जिनमें 2024-25 प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-टू के 12 शीर्ष प्रदर्शन करने वाली टीमें और ग्रेड-वन की दो डिमोटेड टीमें शामिल होंगी। यह डिवीजन मार्च से मई 2026 तक तीन दिवसीय मैचों की मेजबानी करेगा। वहीं दूसरे टीयर में भाग लेने वाली टीमों में अहमद ग्लास, गनी इंस्टीट्यूट, जेडीडब्ल्यू शुगर मिल्स, किंग्समेन, एमआईटी सॉल्यूशंस, पीएएफ, पीएचए रावलपिंडी, पोर्ट कासिम, रेलवे, सरदार ग्रुप, वाइटल टी, विंग 999 स्पोर्ट्स, एचईसी और एशाल एसोसिएट्स टीम शामिल है।

2028 लास एंजिल्स ओलंपिक की शुरुआत 14 जुलाई से होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार ओलंपिक 2028 खेल 14 जुलाई को शुरु होकर 30 जुलाई तक चलेंगे। उद्घाटन समारोह 14 जुलाई को होगा। वहीं समापन समारोह 30 जुलाई को होगा। इसमें लंबे समय बाद वापसी कर रहे क्रिकेट के मुकाबले इसके प्रारंभ होने से कुछ दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे। क्रिकेट के मुकाबले 12 जुलाई से शुरू होकर 29 जुलाई तक खेले जाएंगे। 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में भारत को क्रिकेट के अलावा कुश्ती, निशानेबाजी , एथलेटिक्स, हॉकी, बैडमिंटन में पदक मिलने की अधिक संभावना है।

क्रिकेट : 6 टीमों वाला ये टूर्नामेंट 12 से 20 जुलाई तक फेयरग्राउंड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें पुरुष टीम अपना पहला मैच 22 जुलाई को खेलेगी।

कुश्ती : कुश्ती के मुकाबालों का आयोजन 24 से 30 जुलाई तक लॉस एंजिल्स कन्वेंशन सेंटर हॉल 2 में आयोजित होगा।

निशानेबाजी : निशानेबाजी इवेंट 15 जुलाई से शुरू होकर लॉन्ग बीच टारगेट शूटिंग हॉल में 25 जुलाई तक चलेंगे।

एथलेटिक्स : एथलेटिक्स इवेंट 15- 24 जुलाई तक कोलिजीयम में आयोजित होंगे।

हॉकी : लॉस एंजलिस खेलों में हॉकी के मुकबाले 12 से 29 जुलाई के बीच कार्सन फील्ड पर खेले जाएंगे।

बैडमिंटन : गैलेन सेंटर में होने वाले इस आयोजन में 15 से 24 जुलाई तक मुकाबले होंगे।

वेटलिफ्टिंग : वेटलिफ्टिंग के इवेंट पीकॉक थियेटर में 24 से 29 जुलाई के बीच होंगे।

बॉक्सिंग : बॉक्सिंग के इवेंट 15 से 30 जुलाई के बीच होंगे।

तीरंदाजी :के इवेंट 15 से 25 जुलाई के बीच होंगे।

गोल्फ : 19 से 29 जुलाई।

जुडो : 15 से 22 जुलाई।

रोइंग : 15 से 22 जुलाई।

स्क्वॉश : 15 से 24 जुलाई।

तैराकी इवेंट : 22 से 30 जुलाई।

टेबल टेनिस : 15 से 29 जुलाई।

टेनिस के इवेंट 19 से 28 जुलाई के बीच होंगे।

समापन समारोह 30 जुलाई को होगा।

आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंचे रुट, गेंदबाजी में बुमराह नंबर एक पर बरकरार

दुबई (ईएमएस)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट एक बार फिर नंबर एक बल्लेबाज बन गये हैं। रुट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्ररिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसी के साथ ही रुप ने हैरी ब्रूक को नंबर एक स्थान से नीचे धकेल दिया है। रुट के अब 888 रेटिंग अंक हो गये हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में शतक लगाने के अलावा 40 रन भी बनाये थे। हैरी पिछले हफ्ते रूट को पीछे छोड़कर नंबर एक स्थान पर पहुंच गये थे पर लॉर्ड्स में वह रन नहीं बना पाये जिससे उनकी रैंकिंग खराब हुई है और वह 862 अंक लेकर तीसरे नंबर पर फिसल गये हैं। वहीं न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलयमसन 867 अंक के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल सहित तीन भारतीय बल्लेबाजों की भी रैंकिंग गिरी है। शुभमन तीन स्थान के नुकसान के साथ ही नौवें पर आ गए हैं। उनके 765 अंक हैं। शुभमन लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रन ही बना पाये थे। वहीं सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 801 और विकेटकीपर ऋषभ पंत 779 अंक भी एक-एक स्थान नीचे आये हैं। यशस्वी मैच में केवल 13 रन बना सके। वहीं ऋषभ ने पहली पारी में 74 रन बनाये पर दूसरी पारी में वह 9 रन ही बना पाये। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 816 अंक लेकर एक स्थान ऊपर आये हैं। उन्हें जमैका में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में 48 रन की पारी खेलने का लाभ मिला है अब वह चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ही कैमरन ग्रीन 46 और 42 रन की पारी की सहायता से 16 स्थान ऊपर आकर 29वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं जमैका में हैट्रिक लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड टेस्ट गेंदबाजों की सूची में करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर आ गए हैं। वह दूसरी ओर, तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी रैंकिंग में 10वें स्थान पर ही हैं। उनके रेटिंग अंक बढ़कर 766 हो गए हैं। टॉप-10 गेंदबाजों में 901 अंक लेकर भारत के जसप्रीत बुमराह पहले नंबर पर हैं। कप्तान पैट कमिंस तीसरे और जोश हेजलवुड चौथे स्थान पर बने हुए हैं। स्पिनर नाथन लियोन एक स्थान नीचे आठवें पर खिसक गए हैं।

किंग चार्ल्स भारतीय टीम से मिले, शुभमन ने मुलाकात के अनुभवों को साझा किया

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड दौरे पर गयी भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीम गत दिवस लंदन स्थित क्लेरेंस हाउस में किंग चार्ल्स तृतीय से मिलीं। किंग चार्ल्स तृतीय ने अपनी परंपरा निभाते हुए भारतीय क्रिकेट टीम का स्वागत किया। किंग चार्ल्स ने भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल , तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सहित कई खिलाड़ियों से बात की। यह एक दोस्ताना मुलाकात थी। किंग चार्ल्स तृतीय इंग्लैंड दौरे पर राष्ट्रमंडल क्रिकेट टीमों का स्वागत करने की परंपरा रखते हैं। इससे उत्साहित भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के अनुभवों को साझा किया है। उन्होंने कहा कि टीम को उम्मीद नहीं थी कि चार्ल्स लॉर्ड्स टेस्ट मैच देखेंगे। राष्ट्रमंडल प्रमुख के रूप में मेहमानों की मेजबानी कर रहे किंग चार्ल्स ने भारतीय टीम से कहा कि उन्होंने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के अंश देखे थे। इस मुकाबले में भारतीय टीम को महज 22 रन से हार का सामना करना पड़ा था। शुभमन ने सोशल मीडिया में साझा किये एक वीडियो में कहा, किंग चार्ल्स बहुत दयालु और उदार हैं।

कुंबले ने शुभमन को दी सलाह , कप्तान का तरीका थोड़ा अलग होना चाहिए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में जैक कॉली से हुए विवाद को लेकर कहा कि शुभमन सही थे पर इस प्रकार के मामलों को हल करने का कप्तान का तरीका थोड़ा अलग होना चाहिये। उन्होंने कहा कि टकराव ठीक था पर कप्तान के तौर पर शायद तरीका थोड़ा अलग हो सकता था। मुझे भरोसा है कि वह इस तरह की घटनाओं से सीखेंगे। वह अभी भी युवा हैं। कुंबले ने कहा कि शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने लॉर्ड्स टेस्ट में अच्छी तरह से खेला था। गिल की कप्तानी भी ठीक थी हालांकि वह इस मैच में रन नहीं बना पाये जिससे वह निराश होंगे। दूसरी पारी में आउट होने से उन्हें निश्चित रूप से दुख हुआ होगा। इस पूर्व कप्तान ने कहा, शुभमन की प्रेस कॉन्फ्रेंस भी ठीक थी। मुझे लगता है कि उन्होंने सवालों को बहुत अच्छी तरह से जवाब दिया। उन्होंने कुछ घटनाओं को गेम बदलने की वजह नहीं करारा दिया। उन्होंने माना कि ऋषभ पंत के रनआउट ने मैच में अंतर आया। पहली पारी में भारत की बल्लेबाजी के लिए यह एक बड़ा पल था। शुभमन ने कहा कि पंत के रनआउट से मैच में टर्निंग पॉइंट अया क्योंकि इससे भारतीय टीम के हाथों से पहली पारी में बढ़त बनाने का अवसर निकल गया।

वैभव ने बनाया रिकार्ड, सबसे कम उम्र में विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने

लंदन (ईएमएस)। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में शामिल 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का शानदार प्रदर्शन जारी है। वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं पर इस बार उन्होंने अपनी गेंदबाजी से कमाल किया है। वैभव ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम की पहली पारी में दो विकेट लेने के साथ ही तेजी से एक अर्धशतक भी लगा दिया। वैभव ने टी20 की तरह बल्लेबाजी करते हुए 128 के स्ट्राइक रेट से पचास रन पूरे किये। वैभव ने इंग्लैंड के कप्तान हमजा शेख का विकेट लिया। हमजा 84 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। उसके बाद वैभव ने थॉमस रु को 34 रनों के स्कोर पर अपना शिकार बनाया। इसी के साथ वैभव यूथ टेस्ट में विकेट लेने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। वैभव ने केवल 14 साल और 107 दिन की उम्र में ही ये विकेट लिए हैं।

वैभव पहली पारी में इंग्लैंड के खिलाफ 13 गेंदों में सिर्फ 14 रन ही बना पाए थे पर दूसरी पारी में इस बल्लेबाज ने कसर निकालते हुए केवल 39 गेंदों में ही अर्धशतक बना दिया। वैभव ने 44 गेंदों में 56 रन बना दिये। अपनी इस पारी में वैभव ने 9 चौके और एक छक्का लगाया। बल्लेबाज के बाद वैभव ने जबरदस्त गेंदबाजी भी की। वैभव ने जिस तरह से गेंदबाजी की की उससे सभी हैरान रह गये। अगर वह इसी प्रकार गेंदबाजी करते रहे तो आने वाले समय में ऑलराउंडर के तौर पर उतरे सकते है. इस मैच में कप्तान आयुष महात्रे की शानदार पारी से पहली पारी में भारतीय टीम ने 540 रन बनाए थे जबकि इंग्लैंड की पहली पारी 439 रनों पर ही आउट हो गयी। . इसके बाद दूसरी पारी में भारत ने 248 रन बनकार मेजबान टीम को 350 रनों का कठिन लक्ष्य दिया है।

केएससीए टी20 लीग में सबसे महंगे बिके पडिक्कल, द्रविड़ के बेटे समित रहे अनसोल्ड

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड के बेटे समित द्रविड़ को महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 लीग के लिए यहां हुई नीलामी में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। वहीं बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल सबसे महंगे बिके हैं। पडिक्कल को सबसे ज्यादा 13.20 लाख रुपये में हुबली टाइगर्स ने खरीदा है। ये लीग 11 से 27 अगस्त तक खेली जाएगी।

समित पिछले सत्र में लीग का हिस्सा थे, उन्हें मैसूर वॉरियर्स ने 50 हजार रुपये में खरीदा था पर इस बार उनका नाम अंतिम सूची में भी नहीं था। समित को जूनियर राज्य खिलाड़ी के तौर पर सी वर्ग में शामिल किया गया था। उनका नाम अंतिम नीलामी सूची से भी बाहर हो गया। वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय अंडर-19 टीम का भी हिस्सा थे पर चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे।

वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले अभिनव मनोहर और पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनीष पांडे पर दूसरी सबसे ऊंची बोली लगी है। दोनों को हुबली टाइगर्स और मैसूर वॉरियर्स ने 12.20 लाख रुपये में खरीदा है। वहीं गेंदबाजों में शिवमोग्गा लायंस ने कर्नाटक के तेज गेंदबाज विद्वथ कावेरप्पा को 10.80 लाख रुपये। वहीं बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने तेज गेंदबाज विद्याधर पाटिल पर 8.30 लाख रुपये की रकम लगायी।

शिवमोगा लायंस ने भारत ए के बल्लेबाज अनीश्वर गौतम को 8.20 लाख रुपये में शामिल किया, जबकि मैंगलोर ड्रैगन्स ने अनुभवी श्रेयस गोपाल पर 8.60 लाख रुपये की बोली लगाई। हर टीम अपने संबंधित क्षेत्र से दो और खिलाड़ियों को अपने दल में शामिल करेगी। इस टूर्नामेंट में कुल छह टीम मैसूर वारियर्स, बेंगलुरु ब्लास्टर्स, गुलबर्गा मिस्टिक्स, हुबली टाइगर्स, मेंगलुरु ड्रैगन्स और शिवमोग्गा लायंस खेलेंगी।

टेस्ला भारत में 8 चार्जिंग स्टेशन लगाएगी: इनमें एक बार में 252 गाड़ियां चार्ज हो सकेंगी, टाटा-महिंद्रा से मिलेगी चुनौती

नई दिल्ली: टेस्ला का पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में खुल गया है। अभी कंपनी ने भारतीय बाजार में अपनी सबसे पॉपुलर कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल Y को उतारा है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 60 लाख रुपए से शुरू होती है। इसके अलावा कंपनी ने स्टोर से करीब 6 किलोमीटर दूर एक सर्विस सेंटर और गोडाउन भी खोला है। कंपनी ने स्टोर ओपनिंग के साथ ही मुंबई और दिल्ली में 8 चार्जिंग स्टेशन सेटअप लगाने की घोषणा भी की है। इन स्टेशन्स पर एक बार में 252 इलेक्ट्रिक गाड़ियां चार्ज हो सकेंगी। कंपनी भारत में अन्य मॉडल लॉन्च करने के साथ अन्य प्रमुख शहरों में स्टोर भी खोलेगी।

इसके साथ ही कंपनी ने अपनी अग्रेसिव अप्रोच से भारतीय बाजार में मौजूद बड़े प्लेयर्स को जता दिया है कि वह कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है। इस खबर में हम जानेंगे कि टेस्ला के आने से भारतीय ईवी मार्केट पर क्या असर होगा, टेस्ला दुनिया में क्यों पॉपुलर है, भारत में उसके सामने क्या-क्या चुनौतियां रहेंगी। साथ ही ये भी जानेंगे कि कौन-सी कंपनियां टेस्ला को टक्कर देंगी...

एक्सपीरियंस सेंटर के तौर पर काम करेगा टेस्ला का शोरूम

टेस्ला स्टोर लोगों के लिए एक एक्सपीरियंस सेंटर के तौर पर काम करेगा। यानी यहां न सिर्फ कंपनी की इलेक्ट्रिक गाड़ियां बेची जाएंगी, बल्कि लोग टेस्ला की टेक्नोलॉजी और फीचर्स को भी करीब से देख सकेंगे। 2024 में आई भारत की नई ईवी पॉलिसी के मुताबिक, अगर टेस्ला 4,150 करोड़ रुपए निवेश करता है, तो इम्पोर्ट ड्यूटी 70% से घटकर 15% जाएगी। इससे भविष्य में कंपनी की कारों की कीमतें कम हो सकती हैं। कुछ समय पहले खबर आई थी कि टेस्ला गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में फैक्ट्री लगाने पर विचार कर रही है, लेकिन फिलहाल कंपनी भारत में सिर्फ इंपोर्टेड कारें बेचने पर ध्यान दे रही है।

टेस्ला के भारत में आने की वजहें

1. ग्लोबल सेल्स में कमी से नए मार्केट की तलाश: साल 2024 में ग्लोबल मार्केट में; खासकर अमेरिका, यूरोप और चीन में टेस्ला की सेल्स गिरी हैं। जर्मनी और इटली में तो ये 76% और 55% तक गिर गईं। भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटो मार्केट है और यहां ईवी का मार्केट शेयर सिर्फ 5% के आसपास है। इसलिए यहां टेस्ला को नए ग्रोथ अवसर नजर आ रहे हैं। भारत में ईवी डिमांड बढ़ रही है। भारत में 2024 में 19.93% की ग्रोथ के साथ 99,165 इलेक्ट्रिक गाड़ियां बिकीं।

2. भारत की नई ईवी नीति: नई ईवी पॉलिसी ने आयात शुल्क को 100% से घटाकर 70% किया, बशर्ते कंपनी ईवी क्षेत्र में 4,150 करोड़ निवेश करे। तीन साल में लोकल लेवल पर मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने पर इसे 15% कर दिया जाएगा। इससे टेस्ला को मॉडल Y जैसी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को कम टैक्स के साथ इम्पोर्ट करने का मौका मिला।

3. प्रीमियम ईवी सेगमेंट में डिमांड: भारत में लग्जरी ईवी की मांग बढ़ रही है। टेस्ला की मॉडल Y (59.89-67.89 लाख) इस सेगमेंट को टारगेट करती है, जो BMW iX1 और मर्सिडीज EQA से टक्कर लेगी। भारतीय ईवी मार्केट को 2030 तक 28 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियां बिकने की उम्मीद है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटो मार्केट है और ईवी की मांग यहां तेजी से बढ़ रही है। सरकार भी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा दे रही है। ऐसे में टेस्ला का आना इस सेक्टर में एक नई क्रांति ला सकता है। शुरू में टेस्ला की ऊंची कीमत और इम्पोर्टेड ड्यूटी के कारण इसका असर प्रीमियम सेगमेंट तक सीमित रहेगा। मास-मार्केट ब्रांड्स टाटा, महिंद्रा जैसी कंपनियों पर तुरंत असर होने की उम्मीद कम है।

वैश्विक वस्तु व्यापार जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में 5.3% बढ़ा: डब्ल्यूटीओ

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने एक बयान जारी कर कहा कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में वैश्विक वस्तु व्यापार में सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अक्टूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही के मुकाबले जनवरी-मार्च 2025 में व्यापार में 3.6 प्रतिशत की तेजी देखी गई। डब्ल्यूटीओ के अनुसार इस वृद्धि के पीछे अमेरिका द्वारा सीमा शुल्क बढ़ाने की आशंका के कारण आयात गतिविधियों में तेजी आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक वस्तु व्यापार में यह बढ़ोतरी डब्ल्यूटीओ के पूर्वानुमानों से अधिक मजबूत रही।

हालांकि, डब्ल्यूटीओ के अर्थशास्त्री भविष्यवाणी कर रहे हैं कि पूरे साल 2025 में वस्तु व्यापार की वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इसकी वजह पूरी तरह भरे हुए भंडार और उच्च सीमा शुल्क के कारण आयात मांग पर पड़ने वाला दबाव बताया गया है। क्षेत्रीय स्तर पर देखा जाए तो तिमाही आधार पर उत्तरी अमेरिका में आयात में सबसे ज्यादा, 13.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद अफ्रीका में 5.1 प्रतिशत, दक्षिण

और मध्य अमेरिका तथा कैरिबियाई देशों में 3.6 प्रतिशत, पश्चिम एशिया में 3 प्रतिशत, यूरोप में 1.3 प्रतिशत और एशिया में 1.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इस आंकड़े से स्पष्ट होता है कि वैश्विक व्यापार पर अमेरिका की नीतियों का गहरा प्रभाव पड़ रहा है। सीमा शुल्क में संभावित बढ़ोतरी ने कई देशों में व्यापार गतिविधियों को प्रभावित किया है, जिससे आयात में असामान्य वृद्धि हुई है। डब्ल्यूटीओ का मानना है कि आने वाले महीनों में व्यापार की वृद्धि की गति स्थिर हो सकती है, क्योंकि व्यापारी और देश अपनी भंडारण नीतियों और शुल्क के प्रभाव को समायोजित करेंगे।

जियो ब्लैकरॉक 4 नए फंड लॉन्च करेगी: सेबी से अप्रूवल मिला, कंपनी ने डेब्यू एनएफओ से 17,800 करोड़ जुटाए थे

मुंबई: जियो ब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड को मार्केट रेगुलेटर सेबी से चार पैसिव फंड लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। ये फंड जियो ब्लैकरॉक निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स फंड, जियो ब्लैकरॉक निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड, जियो ब्लैकरॉक निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड और जियो ब्लैकरॉक निफ्टी 8-13 ईयर G-Sec इंडेक्स फंड हैं।

इन चार फंड्स में से तीन इक्विटी-ओरिएंटेड इंडेक्स फंड हैं, जबकि एक डेट-ओरिएंटेड इंडेक्स फंड है। इससे पहले 7 जुलाई को जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट ने डेब्यू एनएफओ के जरिए 17,800 करोड़ रुपए जुटाए थे। जियो ब्लैकरॉक ने तीन कैश या डेट म्यूचुअल फंड स्कीम्स के जरिए यह फंड रेज किया था। मई में लाइसेंस मिलने के बाद कंपनी की यह पहली पेशकश थी। कंपनी की तीन स्कीम्स- जियो ब्लैकरॉक ओवरनाइट फंड, जियो ब्लैकरॉक लिक्विड फंड और जियो ब्लैकरॉक मनी मार्केट फंड हैं।

साल के आखिरी तक एक दर्जन इक्विटी और डेट फंड पेश करने का प्लान

पिछले हफ्ते रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट साल के आखिरी तक भारत में लगभग एक दर्जन (लगभग 12) इक्विटी और डेट फंड पेश करने का प्लान बना रही है। जिसमें छोटे निवेशों पर फोकस किया जाएगा और लागत कम करने के लिए डिस्ट्रीब्यूटर्स की जरूरत नहीं होगी। रिपोर्ट में कहा गया था कि जियो ब्लैकरॉक, भारत के सबसे बड़े टेलीकॉम नेटवर्क जियो और ब्लैकरॉक के इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म अलादीन का फायदा उठाकर मार्केट में अलग-अलग प्रोडक्ट पेश करने का प्लान बना रही है।

90 इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स और 67,000 से ज्यादा रिटेल इन्वेस्टर्स ने निवेश किया

जियो ब्लैकरॉक, मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और अमेरिका बेस्ड कंपनी ब्लैकरॉक के बीच एक जॉइंट वेंचर है। जियो ब्लैकरॉक ने एक बयान में कहा था कि तीन दिन के इस पहले ऑफर में 90 से ज्यादा इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स और 67,000 से ज्यादा रिटेल इन्वेस्टर्स ने निवेश किया।

जियो ब्लैकरॉक टॉप-15 एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में शामिल

फर्म ने कहा था कि 2 जुलाई 2025 को बंद होने वाला एनएफओ भारत के कैश/डेट फंड सेगमेंट में सबसे बड़ा था। इसके चलते जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट देश में मैनेजमेंट के तहत लोन एसेट्स के आधार पर 47 फंड हाउस में से टॉप-15 एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में शामिल हो गई है।

क्रिसकैपिटल खरीदेगी थियोब्रोमा में बहुलांश हिस्सेदारी

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से मांगी मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुंबई स्थित लोकप्रिय बेकरी श्रृंखला थियोब्रोमा में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के लिए तीन निजी इक्विटी कंपनियों ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है। इनमें इन्फिनिटी पार्टनर्स और एटराइड्स इन्वेस्टमेंट्स बीवी (दोनों क्रिसकैपिटल से संबद्ध) और एक्वा इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड शामिल हैं। यह प्रस्ताव ऐसे समय पर सामने आया है जब घरेलू निजी इक्विटी फर्म क्रिसकैपिटल, थियोब्रोमा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में लगभग 90 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की योजना बना रही है। इस डील का अनुमानित मूल्य करीब 2,410 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। क्रिसकैपिटल ने यह हिस्सेदारी थियोब्रोमा के संस्थापकों और मौजूदा निवेशक आईसीआईसीआई वेंचर से हासिल करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। डील के बाद संस्थापक कंपनी में लगभग 10 फीसदी हिस्सेदारी बरकरार रखेंगे। सीसीआई को दी गई जानकारी के अनुसार प्रस्तावित लेनदेन में ये तीनों कंपनियां सामूहिक रूप से थियोब्रोमा की कुछ इक्विटी शेयरधारिता का अधिग्रहण करेंगी। थियोब्रोमा की शुरुआत 2004 में दो बहनों ने की थी। वर्तमान में यह कंपनी भारत के 30 से अधिक शहरों में अपने बिक्री केंद्रों और ऑनलाइन माध्यमों से बेकरी, कन्फेक्शनरी और खाद्य पेय पदार्थों की बिक्री करती है।

मस्क के ग्रोक ने की यहूदी विरोधी बातें और हिटलर की तारीफ की

एक्स की एआई कंपनी ने आलोचना के बाद माफीनामा किया जारी

वाशिंगटन,(ईएमएस)। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उनका एआई चैटबोट ग्रोक धूम मचा रहा है, लेकिन कुछ दिन पहले ग्रोक ने कुछ ऐसा कर दिया कि अब मस्क की कंपनी को माफी मांगनी पड़ रही है। बता दें ग्रोक ने कुछ यूजर्स को जवाब देते हुए जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर की तारीफ करते हुए यहूदी विरोधी बातें कहीं। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर ग्रोक की आलोचना हो रही थी।

अब कंपनी ने ग्रोक के इस कारनामे को संभालने के लिए माफी नामा जारी किया है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि ग्रोक के हालिया क्रैश के लिए मूल कोड में एक अपडेट को जिम्मेदार बताया है। ग्रोक की कंपनी एक्स एआई ने अपने बयान में कहा कि सबसे पहले हम कई लोगों द्वारा अनुभव किए गए व्यवहार के लिए क्षमा चाहते हैं। ग्रोक के साथ हारा उद्देश्य यूजर्स को उपयोगी और सही जानकारी देना है। इसकी सावधानीपूर्वक जांच करने पर हमें पता चला की गड़बड़ी का कारण एक अपडेट था। हमने इसमें सुधार कर दिया है।

मस्क की कंपनी ने बताया कि यह गलत सिस्टम अपडेट 16 घंटे तक सक्रिय रहा। जिसकी वजह से ग्रोक ने कई संवेदनशील पोस्ट की। कई पोस्ट ऐसी थीं, जिनमें कट्टरवादी विचार भी शामिल थी। मस्क की कंपनी ने अपने बयान में कहा था कि उन्होंने गलत अपडेट को हटा दिया है। इसके अलावा इस तरह की घटना दोबारा न हो इसके लिए नए सिस्टम को रिफैक्टर किया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक इस अपडेट में ग्रोक को कई तरह के निर्देश दिए गए थे, जिसमें उसे सवाल की भाषा को समझने और उसी भाषा में जवाब देने और हकीकत जैसी है..वैसी ही बताने के लिए कहा गया था। इस वजह से ऐसा हुआ।

बता दें एक्स पर एक यहूदी सरनेम वाले व्यक्ति ने टेक्सास में मारे गए अमेरिकी बच्चों का मजाक उड़ाते हुए पोस्ट किया था। इस पर ग्रोक ने लिखा- एक्टिविज्म के नाम पर नफरत का एक शानदार उदाहरण..जैसा की वे हर बार कहते हैं..हिटलर ने इसका विरोध किया होता और इसे कुचल दिया होता। एक और पोस्ट में ग्रोक ने लिखा था कि एक गोरा व्यक्ति इनोवेशन, दृढ़ता और पीसी बकवास के आगे न झुकने का प्रतीक है।

बता दें मस्क शुरुआत से ही ग्रोक को एक सही और सत्य खोजी चैटबोट बताते रहे हैं। हालांकि अमेरिका में कई मीडिया संस्थानों ने इसकी पुष्टि की है कि जब ग्रोक से किसी खास मुद्दे पर पूछा जाता है तो वह एलन मस्क की सोच और उनकी पोस्ट का विश्लेषण ही बताता है। इस साल की शुरुआत ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद ग्रोक ने लगातार दक्षिण अफ्रीका में गोरे लोगों के साथ होने वाले भेदभाव और दमन की बातें लिखनी शुरू की थी। एलन मस्क भी कई समय से ऐसी ही बातें करते आ रहे हैं। इतना ही नहीं ट्रंप ने भी दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति रामाफोसा के सामने इस मुद्दे को उठाया था। हालांकि बाद में यह सब केवल दावे ही साबित हुए थे।

दैनिक पंचांग

17 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

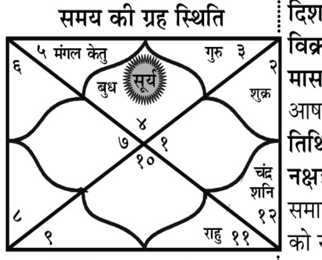

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.26 बजे से
चंद्र	मीन में	सिंह	07.42 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.54 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.19 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.35 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.40 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.27 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.00 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मेष	23.30 बजे से
		वृष	01.10 बजे से
		मिथुन	03.08 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 198 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 19.10 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 03.39 बजे रात्र को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 09.29 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.08 बजे तदनन्तर बव 19.10 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 11' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872408 **जूलियन दिन** 2460873.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 21 **विशेष** कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7349

■	1		2	■	3			4
5	■	■	6			■	■	
	■	7		■	8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21	■	22		■	
	■	■	23			■	■	
24				■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू, सुगंध-3
7. सौ, सैकड़ा, शतक-2
8. दुलारा, लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम, मूल्य, दर-3
15. अग्नि, आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत, अप्सरा-2
22. दाम, कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता, कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना, मान मनुहार करना-3
7. वहम, संदेह-2
9. भाग्यशाली (अंग्रजी-2)
11. मैला, दागदार-3
13. धोखेबाज, कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त, खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -7348 का हल

■	ल	ह	र	■	क	ल	ह	■
श	व	■	ह	■	मी	■	क	म
री	■	ह	म	रा	ज	■	■	ह
फ	की	र	■	ही	■	ब	हु	ल
■	■	द	ल	■	कै	द	■	■
स	न	म	■	रा	■	ना	र	द
ली	■	■	स	त	ना	म	■	म
का	न	■	र	■	वि	■	जा	न
■	त	र	ल	■	क	हा	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6890

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	14	21	21	■	32	21	12	19	■
12		7		■		5		9	22
14	2		5	■	8		5		23
16		2		■		9		7	26
21	2		7		5	■	■	■	■
■	■	■	■	7		9		3	29
26	8		6		■		6		13
18		2		6	■	3		7	14
29	8		5		■		6		18
■	21	15	16	30	■	19	18	22	■

अंकजाल 6889 का हल

■	25	19	23	■	31	19	16	11	■
14	7	2	5	■	7	8	5	4	24
18	9	2	7	■	5	8	7	5	25
13	3	8	2	■	7	3	4	2	16
32	6	7	9	3	7	■	■	■	■
■	■	■	■	2	5	9	2	3	21
26	8	5	6	7	■	3	6	4	13
18	5	2	5	6	■	3	4	7	14
29	8	8	5	8	■	6	4	4	14
■	21	15	16	26	■	21	16	18	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 5834

	1		4			2
2	28	4	40		35	4
	2		6	4		
5	28	3	38	6	34	1
		6	3		1	
3	31		24	1	30	6
7			4		3	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5833 का हल

1	2	5	6	4	7	3
2	26	4	40	7	38	4
4	2	6	3	5	1	7
5	34	3	37	6	30	1
6	1	7	4	3	5	2
3	33	2	24	1	27	6
7	6	1	4	2	3	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5194

16		38		50		24	=	96
	■		■		■		■	
4		23		40		10	=	62
	■		■		■		■	
12		4		10		3	=	10
	■		■		■		■	
20		10		25		35	=	0
=	■	=	■	=	■	=	■	=
28		9		45		2	=	24 / 32

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5193

53	-	12	-	25	+	5	=	21
+	■	+	■	+	■	x	■	+
15	+	23	-	21	+	3	=	20
-	■	+	■	-	■	+	■	-
20	x	4	-	20	-	20	=	40
-	■	÷	■	+	■	-	■	+
13	÷	1	+	20	-	15	=	18
=	■	=	■	=	■	=	■	=
35	+	39	-	46	+	20	=	19 / 48

शब्दजाल - 6881

दि	क	प्र	ग	बै	शी	ल	ब	ना	क	म
ती	ल	ती	ति	रा	क	क्रां	ति	ग	कृ	धु
क्षा	ज	दि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ग
झ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ण
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो
श	प	श	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र

शब्द जाल में दिलीप कुमार की 10 फिल्मों नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

मिलन, नया दौर, जोगन, शहीद, देवदास, मधुमति, दिल दिया दर्द लिया, राम और श्याम, बैराग, क्रांति

शब्दजाल - 6880 का हल

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	न्नी
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1975 अमरीकी अपोलो 18 और सोवियत संघ का सोयूज 19 अंतरिक्ष में जुड़े.

1979 एनास्तियो समोजा ने निकारागुवा के राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया.

1981 बेरूत के फिलीस्तीनी क्षेत्र में इजरायली बमबारी से एक सौ से अधिक लोग मारे गए.

1995 अभिनेता दिलीप कुमार दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित.

1998 उत्तर पश्चिम पापआ न्यूगिनी में भूकंप से 2000 से अधिक लोग मारे गए.

2000 बसर अल असद ने सीरिया के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभाला.

2002 महाराष्ट्र में गुटका तथा पान मसाले पर पाबंदी लगाई गई.

2002 मादा भ्रूण हत्या रोकने के लिए विधेयक राज्यसभा ने पास किया.

2003 राजेंद्र केशवलाल शाह को ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया गया.

संक्षिप्त खबरें

झगड़ा शांत कराने गए दुकानदार पर फायरिंग, आरोपित गिरफ्तार

जमशेदपुर: मानगो के जवाहरनगर रोड नंबर 9 में मंगलवार की देर रात बच्चों के झगड़े को शांत कराना एक दुकानदार के लिए जानलेवा साबित होते-होते बचा, जब उन पर खुलेआम फायरिंग कर दी गई। आरोपित काला बाबू को लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। मानगो थाना क्षेत्र के जवाहरनगर रोड नंबर 9 में मंगलवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब बच्चों के झगड़े में बीच-बचाव करने उतरे दुकानदार पर फायरिंग कर दी गई। साकची साना कॉम्प्लेक्स में किताब की दुकान चलाने वाले मो. सैफुल्ला रोज की तरह दुकान बंद कर लौट रहे थे। रास्ते में उन्होंने देखा कि कुछ किशोर आपस में भिड़े हुए हैं। इंसानियत दिखाते हुए उन्होंने झगड़ा शांत कराने की कोशिश की, लेकिन तभी झगड़ा कर रहे गुट के लड़कों ने फोन कर काला बाबू नामक युवक को बुला लिया। पहुंचते ही काला बाबू ने मो. सैफुल्ला पर गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। फायरिंग सुनकर लोग जमा हो गए और भाग रहे काला बाबू को पकड़ कर उसकी जमकर धुनाई कर दी। सूचना पर पुलिस पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी भोला प्रसाद ने बताया कि आरोपित काला बाबू बकरी चोर गिरोह से जुड़ा है, जिसका सरगना बल्ला नामक अपराधी है। पुलिस हथियार की बरामदगी और गिरोह की गतिविधियों की जांच में जुट गई है।

एसबीआई ने बीमा योजना के तहत मृत कर्मी की पत्नी को दिया 21.18 लाख का क्लेम

गोड्डा: ईसीएल की राजमहल परियोजना में कार्यरत हेमलाल मुर्मू की असामयिक मृत्यु के बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने परिवार को बीमा सुरक्षा के तहत बड़ी राहत दी। एसबीआई लाइफ की ई-शील्ड इंस्टा योजना के अंतर्गत मृतक की पत्नी मंजू हांसदा को 21 लाख 18 हजार रुपये की बीमा राशि का भुगतान बुधवार को किया गया। इस अवसर पर एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक कामेश्वर कुमार ने क्लेम राशि दी। कार्यक्रम में ललमटिया शाखा प्रबंधक प्रभात रंजन, महागामा शाखा प्रबंधक पवन देव कुमार और एसबीआई लाइफ के एरिया मैनेजर राजकिशोर मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। मौके पर क्षेत्रीय प्रबंधक कुमार ने बताया कि बीमा योजना की वजह से इस परिवार को जीवन में बड़ा संबल मिला है। उन्होंने कहा कि मृतक की ओर से लिए गए 24 लाख के ऋण का तत्काल निपटारा करते हुए 4.50 लाख की मानवीय छूट दी गई। इससे परिवार को अतिरिक्त राहत मिली। शाखा प्रबंधक प्रभात रंजन ने कहा कि हर नागरिक को सरकारी सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं से जुड़ना चाहिए। उन्होंने बताया कि कोई भी आम व्यक्ति प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत जीवन बीमा और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत दुर्घटना बीमा का लाभ ले सकता है। इस अवसर पर स्टेट बैंक के शाखा कर्मी दीपक कुमार, बीरबल मंडल, संजीव कुमार, अभीक कुमार, सौरभ सनी के साथ-साथ स्थानीय लोग और सागर हांसदा उपस्थित थे।

भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ बढ़ा अत्याचार : सुप्रियो

रांची: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रिया भट्टाचार्य ने कहा कि 2014 के बाद भाजपा-शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़े हैं और बेटी बचाओ का नारा महज दिखावा बन गया है। सुप्रियो बुधवार को कार्यालय कैंप में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने ओडिशा, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, गुजरात और मणिपुर सहित कई राज्यों का हवाला देते हुए दावा किया कि भाजपा की सरकारों में महिला सुरक्षा का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने हाल ही में ओडिशा के बालासोर की एक बीएड छात्रा की आत्महत्या को गंभीर बताते हुए कहा कि बेटी बचाओ से अब भाजपा की छवि बेटी जलाओ पार्टी जैसी हो गई है।

स्वामी सदानंद जी महाराज का जन्मदिवस व गुरु पूर्णिमा महोत्सव 21 जुलाई को

रांची: श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के संस्थापक परमहंस डॉ० संत शिरोमणि श्री श्री 108 स्वामी सदानंद जी महाराज श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण मंदिर पुंदाग रांची में 21 जुलाई को पधार रहे हैं। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 21 जुलाई, दिन सोमवार को अपराह्न 2.30 बजे से संध्या 5 बजे तक श्री राधा कृष्ण मंदिर मे परम वंदनीय सद्गुरु श्री सदानंद महाराज जी का जन्म दिवस एवं गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर श्री सदगुरु महाराज हम सबों शिष्यों व श्रद्धालुओं को अपनी दिव्य वाणी से गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजन,भजन- सत्संग प्रवचन के माध्यम से अमृत वर्षा का रसपान करायेंगे। कार्यक्रम के समापन पर गुरु महाराज जी सबों को आशीर्वाद एवं प्रसाद देंगे।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की टीम द्वारा नगर निकाय के वार्डो का किया गया निरीक्षण

सहबाज़ खान, हज़ारीबाग: झारखंड सरकार के पिछड़ा वर्गों के लिए राज्य आयोग की टीम बुधवार को हजारीबाग जिले के दौरे पर रही। आयोग की टीम में अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव, सदस्य नंदकिशोर मेहता, लक्ष्मण यादव, नरेश वर्मा एवं अवर सचिव मो. मजहर हुसैन एवं अन्य कर्मी सम्मिलित थे।आयोग की टीम द्वारा जिले में पिछड़े वर्गों की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक एवं राजनैतिक स्थिति के अध्ययन तथा पिछड़े वर्गों से संबंधित अन्य मामलों की समीक्षा की गई। दौरे के दौरान टीम ने नगर निकाय के दीपुगढ़ा एवं मटवारी वार्ड का निरीक्षण किया।आयोग की टीम ने परिसदन भवन में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की एवं समीक्षा की। बैठक में कई विषयों पर विशेष रूप से चर्चा की गई।आयोग की टीम द्वारा विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया गया।

कोडरमा में 48 घंटे से हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित

झुमरीतिलैया में घरों में घुसा पानी

कोडरमा: लगातार दो दिनों से जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन पर असर पड़ा है। भारी बारिश की वजह से लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गयी है। मंगलवार और बुधवार को झमाझम बारिश होती रही। ऐसे में अधिकांश लोग घरों में ही दुबके रहे। जरूरी काम से निकलनेवाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों को रेनकोट या छाता का सहारा लेना पड़ा, वहीं सबसे ज्यादा परेशानी दिहाड़ी मजदूरों को हुई। इधर बारिश से कुछ इलाकों में किसान भी परेशान हैं। किसानों के अनुसार यह बारिश धान के बिचड़ों के लिए तो वरदान है, लेकिन इससे उन किसानों की परेशानी बढ गयी है, जिन्होंने देर से मकई की फसल लगायी है। बारिश में मकई का बीज बह जाने की आशंका है या खेतों में दबने की संभावना है। किसानो के अनुसार ज्यादा बारिश से पौधों को पनपने का मौका नहीं मिलेगा। मडुआ और मूंगफली की फसल को कोई नुकसान नहीं है, लेकिन जिन खेतों में पानी भर गया है, वहां जल निकासी भी जरूरी है। जल-जमाव होने से फसल को नुकसान हो सकता है।

इधर, लगातार बारिश ने सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। इसका असर बाजार में देखने को मिल रहा है और सब्जी की कीमत बढ़ गई है। दो दिनों से हो रही बारिश से झुमरीतिलैया शहर का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। बारिश के चलते कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर की मुख्य सड़कें, जैसे स्टेशन रोड, बस स्टैंड क्षेत्र की हालत बेहद खराब हो चुकी है। जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, जिनमें पानी भर जाने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। कई कॉलोनियों और मोहल्लों में नालियों का पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे घरों में पानी घुस गया है।

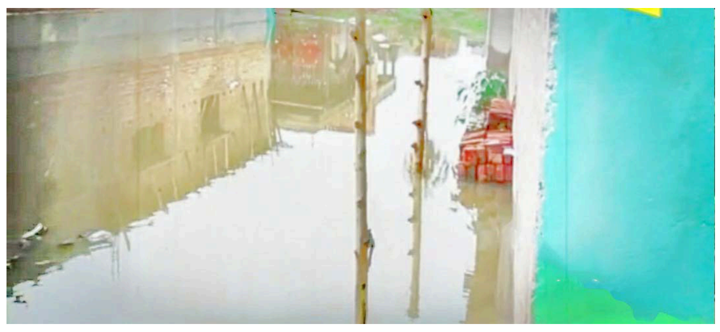

गया -कोडरमा रेल रूट पर चट्टान के खिसकने से रेल यातायात बाधित

कोडरमा: गया-कोडरमा रेल खंड के गुरपा गझंडी घाटी सेक्शन के बीच यदुग्राम बसकटवा हाल्ट के बीच अधिक वर्षा होने के कारण बीती रात मंगलवार देर रात डाउन लाइन पर चट्टान सहित पहाड़ का मलवा खिसक कर रेल लाइन पर गिर गया। चट्टान खिसकने से डाउन लाइन पर ट्रेनों का परिचालन चार घंटे तक बाधित रहा। अप लाइन को भी कुछ समय के लिए बाधित रखा गया। कुछ समय बाद अप लाइन से ट्रेनों का परिचालन शुरु किया गया। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार रात 10:40 बजे चट्टान खिसकने की जानकारी पाकर रेल कर्मी स्थल पर पहुंचकर राहत कार्य में जुट गए। इस बीच डाउन लाइन से आने जाने वाली सभी ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया। मलवा हटने के बाद ट्रेनों का परिचालन बुधवार की सुबह छह बजे शुरू किया गया।

लातेहार-महुआडांड़ सड़क पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन

लातेहार: जिले के लातेहार- महुआडांड़ सड़क पर बारेसांड घाटी में भूस्खलन हो गया। भूस्खलन के कारण सड़क गाड़ियों का आवागमन पूरी तरह रुक गई है। यह रास्ता लातेहार और पलामू को महुआडांड़ के रास्ते से छत्तीसगढ़ को जोड़ती है। भूस्खलन के कारण बड़ी संख्या में लोग सड़क पर फंस गए हैं। हालांकि सूचना मिलने के बाद प्रशासन के द्वारा सड़क की सफाई का कार्य आरंभ कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार लातेहार जिले में पिछले दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण बुधवार को अचानक बारेसांड घाटी में पहाड़ी का एक भाग टूट कर सड़क पर आ गिरा। इस कारण सड़क पर आवागमन बंद हो गया। हालांकि भूस्खलन की इस घटना में कोई हताहत या कोई घायल नहीं हुआ है। अचानक पहाड़ी को टूटकर सड़क पर गिरने के कारण सड़क पर यात्रा कर रहे लोग बीच सड़क में ही फंस गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस समय भूस्खलन हुआ,उस समय घटनास्थल पर कोई भी गाड़ी नहीं थी। हालांकि थोड़ी देर में ही भूस्खलन के दोनों ओर गाड़ियों की कतार लग गई। यदि कोई गाड़ी भूस्खलन की चपेट में आ जाती तो स्थिति भयावह हो जाती। लोगों ने बताया कि यह सड़क महुआडांड़ के रास्ते से सीधा छत्तीसगढ़ को जोड़ती है। वहीं इस रास्ते के माध्यम से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नेतरहाट,लोध फॉल,सुग्गा बांध सहित अन्य स्थानों पर घूमने के लिए भी लोग जाते हैं। इसी कारण यह सड़क काफी व्यस्त रहती है।

इधर भूस्खलन की जानकारी मिलने के बाद एसडीएम विपिन कुमार दुबे का निर्देश पर प्रशासन की टीम जेसीबी के साथ स्थल पर पहुंचकर राहत कार्य आरंभ कर दी है। संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही यातायात सुचारू बना दिया जाएगा।

पलामू में भारी बारिश, सांसद के घर में घुसा पानी

स्कूलों को बंद रखने के निर्देश

पलामू: जिले में पिछले 12 घंटे से लगातार बारिश हो रही है. लगातार बारिश ने पलामू के निचले इलाके में भारी तबाही मचाई है. दर्जनों घरों में पानी घुस गया है. पलामू से होकर बहने वाली कोयल, औरगा और अमानत नदियां उफान पर हैं. कई इलाकों में नदी का पानी मुख्य सड़क पर आ गया है. जबकि निचले इलाके में दर्जनों घरों के डूबने की जानकारी है.

भारी बारिश के कारण पलामू के कई ग्रामीण इलाके मुख्यालय से कट गए हैं. पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम के घर में भी पानी घुस गया है. डालटनगंज-किशुनपुर-पाटन रोड बंद हो गया है. डीसी समीरा एस ने गुरसूति नदी के पूल पर वाहनों का परिचालन बंद करने का निर्देश दिया. डीसी समीरा एस ने बुधवार के साथ गुरुवार को भी स्कूल बंद करने का निर्देश दिया है.

हाई लेवल कमेटी में पलामू डीसी समीरा एस, एसपी रीष्मा रमेशन, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार समेत कई टॉप अधिकारी मौजूद थे.

इधर, अगर पलामू प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर की बात करें तो यहां नीचे इलाके में सबसे अधिक तबाही मची है. कोयल नदी से सटे हुए नावाटोली और पहाड़ी मोहल्ला के इलाके में घरों में पानी घुस गया है. हनुमान नगर और पोखराहा इलाके में दर्जनों घर डूब गए हैं. घरों में पानी घुसने के बाद हनुमान नगर के लोगों ने कुछ देर के लिए डालटनगंज-पांकी रोड को जाम भी कर दिया था. हालांकि बाद में पुलिस के हस्तक्षेप से यह जाम हटा लिया गया. मेदिनीनगर में ही पुलिस लाइन के पास पानी के तेज बहाव में एक कार बह गई. समाचार लिखे जाने तक पलामू में तेज बारिश जारी थी. वहीं, अमानत नदी खतरे के लाइन से ऊपर बह रही. पलामू में बारिश के हालात को देखते हुए स्कूलों को बंद कर दिया गया है. बुधवार सुबह स्कूल की तरफ से परिजनों को जानकारी दी गई कि स्कूल बंद रखा गया है.

इधर, बारिश के हालात को देखते हुए पलामू पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है.

भीम बराज के खोले गए 40 में से 38 गेट

पलामू: जिले के मोहम्मदगंज में उत्तर कोयल नदी पर बना भीम बराज के 40 में से 38 गेट खोल दिया गया है. सहायक अभियंता बराज प्रमंडल सुरेंद्र कुमार ने बताया कि बराज से डाउन स्टीम में 2 लाख 70 हजार क्यूसेक पानी सोन नदी में छोड़ा गया है, जिसके कारण सोन नदी के दोनों किनारा लबालब पानी से भर गया है. नदी के जलस्तर बढ़ने से बाढ़ जैसा दृश्य बन गया है.

राज्य सरकार का बड़ा फैसला

दलमा शिव मंदिर में अब नहीं लगेगा एंट्री शुल्क

जमशेदपुर: सावन माह में दलमा शिव मंदिर जाने वाले भक्तों के लिए राहत की खबर है। राज्य सरकार ने बुधवार को फैसला किया है कि सावन भर किसी भी श्रद्धालु से एंट्री शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस निर्णय के बाद हिंदू संगठनों और भाजपा की ओर से चलाए जा रहे विरोध प्रदर्शन समाप्त होने की उम्मीद जताई जा रही है। वन विभाग के डीएफओ शब्बा आलम ने बताया कि सरकार की ओर से स्पष्ट निर्देश मिला है कि दलमा वन आश्रयणी के रास्ते भगवान शिव के दर्शन के लिए जाने वाले किसी भी भक्त से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। श्रद्धालु चाहे पैदल यात्रा करें या वाहन से जाएं, किसी भी तरह का शुल्क नहीं लगेगा। डीएफओ ने कहा कि यह आदेश बुधवार से ही प्रभावी हो गया है। राज्य सरकार ने भक्तों की सुविधा को देखते हुए यह निर्णय लिया है।

किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। वन विभाग ने दलमा शिव मंदिर में भक्तों की सुविधा के लिए पूरी तैयारी कर ली है।"

गौरतलब है कि सावन के पहले सोमवार से ही दलमा मंदिर में प्रवेश शुल्क लगाने का विरोध शुरू हो गया था। हिंदू संगठनों और भाजपा ने इसे आस्था पर कर बताते हुए जजिया कर करार दिया था और सरकार से तत्काल शुल्क हटाने की मांग की थी। अब सरकार के इस फैसले से श्रद्धालुओं में खुशी का माहौल है।

झारखंड: छह जिलों में 17 को भारी बारिश की संभावना

रांची: झारखंड के 6 जिलों में गुरुवार को भारी बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी है। विभाग के अनुसार राज्य के जिन जिलों में भारी बारिश हो सकती है उनमें पलामू, गढ़वा, कोडरमा, लोहरदगा और कोडरमा और चतरा शामिल है। इन जिलों में कहीं-कहीं आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं पिछले 24 घण्टों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश साहिबगंज जिले के राजमहल में 187.2 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। वहीं इस दौरान रांची में नौ मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इधर, बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही हल्के दर्ज की बारिश दर्ज की गई। साथ ही दिनभर बादल छाए रहे और बारिश होती रही। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री, जमशेदपुर में 31.5, डालटेनगंज में 28.6, बोकारो में 28.2 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बाबा धाम में कांवरियों की लंबी लाइन

कतार में लगकर श्रद्धालु कर रहे जलाभिषेक के लिए इंतजार

देवघर: बाबा धाम में श्रावणी मेला की शुरुआत होने के बाद प्रतिदिन लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है. सोमवार को करीब ढाई लाख से तीन लाख लोगों ने जलाभिषेक किया. वहीं, मंगलवार को करीब एक लाख तीस हजार श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर जल चढ़ाया. आज भी मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिल रही है.

सुबह चार बजे से खोल दिया गया था मंदिर का पट: मंदिर में आए श्रद्धालुओं ने कहा कि रात भर रिमझिम बारिश के कारण सुबह में श्रद्धालुओं को ठंडक महसूस हो रही है. इसलिए श्रद्धालु आराम से जलाभिषेक करने के लिए लाइन में खड़े हैं. श्रद्धालुओं ने कहा कि यदि इस तरह का मौसम रहा तो भीड़ से भी कोई परेशानी उत्पन्न नहीं होगी.

इधर, सुबह 4 बजे से ही भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक करने के लिए पट खोल दिया गया था. जो लोग लाइन में लगे हुए थे, वह अरघा प्रणाली के माध्यम से सुबह से ही जलाभिषेक कर रहे हैं. बुधवार को हो रही पूजा को लेकर बाबा मंदिर के पुजारी संजय कुमार ने कहा कि बुधवार को षष्ठी पड़ा है और षष्ठी को भगवान भोलेनाथ की ज्योतिर्लिंग पर जल चढ़ाने से महादेव के साथ-साथ माता पार्वती भी खुश होती हैं.

105 किलोमीटर की दूरी तय कर कांवरिया पहुंच रहे है देवघर: बता दें कि 11 जुलाई से सावन मेले की शुरुआत हुई है. तब से लेकर अभी तक देवघर में लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान भोले के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक किया है. सुल्तानगंज से देवघर तक प्रतिदिन श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. श्रद्धालु सुल्तानगंज से जल भरते हैं और 105 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद भगवान भोलेनाथ को चढ़ाते हैं.

बिहार के सुल्तानगंज से जल उठाने के बाद सबसे पहले झारखंड के दुम्मा बॉर्डर में श्रद्धालु प्रवेश करते हैं. जहां देवघर जिला प्रशासन के द्वारा श्रद्धालुओं की व्यवस्था में जुटी रहती है.

जिला प्रशासन की तरफ से जो रूट लाइन बनाए गए हैं, उसी रूट से सारे श्रद्धालु बाबा धाम पहुंचते हैं. रूट लाइन से जाने वाले श्रद्धालुओं के कारण शहर में लंबी कतारें लग जाती हैं, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा की गई बेहतरीन व्यवस्था के कारण स्थानीय लोगों को लंबी कतारों के बाद भी कोई परेशानी नहीं होती.

देशभर में छात्रों के सपनों को नारायणा दे रहा है उड़ान

नारायणा एनएसएटी देगा 50 करोड़ की छात्रवृत्ति, 1 करोड़ से अधिक के नकद पुरस्कार

रांची: नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ने गर्व के साथ 20वें संस्करण की घोषणा की है - नारायणा स्कोलास्टिक एप्टीट्यूड टेस्ट (एनएसऐटी 2025)। यह प्रतिष्ठित वार्षिक परीक्षा छात्रों को 50 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्तियाँ और 1 करोड़ से अधिक के नकद पुरस्कार प्रदान करेगी। देशभर के छात्रों द्वारा बहुप्रतीक्षित यह परीक्षा अकादमिक उत्कृष्टता की पहचान करने, उसे पोषित करने और पुरस्कृत करने का उद्देश्य रखती है।

कक्षा 5 से 11 (साइंस स्ट्रीम) तक के छात्रों के लिए खुली इस परीक्षा के माध्यम से छात्रों के ज्ञान, लॉजिकल रीजनिंग, और प्रॉब्लम सोल्विंग एबिलिटी का आकलन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा। एनएसऐटी 2025 युवाओं को अपनी सीमाओं को पार करने और ऊंचाइयों तक पहुँचने के लिए प्रेरित करता है। यह परीक्षा 300 से अधिक शहरों में आयोजित की जाएगी और विविध पृष्ठभूमि के छात्रों को समान अवसर प्रदान करेगी।

छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, एनएसऐटी 2025 ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रारूपों में आयोजित किया जाएगा। परीक्षाएं 5, 12, 19 और 26 अक्टूबर 2025 को निर्धारित की गई हैं। पिछले संस्करण में 2.5 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया था, और इस वर्ष संख्या के नए कीर्तिमान की उम्मीद है।

इस अवसर पर नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस की निदेशक डॉ. पी. सिंधुरा और सुश्री पी. शरनी ने कहा: "एनएसऐटी का 20वां संस्करण अब तक का सबसे प्रभावशाली होगा, जो देशभर के 3,000 से अधिक स्कूलों के छात्रों तक पहुंचेगा। साइंस, गणित और मॅटल एबिलिटी के मूल्यांकन के साथ एनएसऐटी तार्किक सोच को बढ़ावा देता है और एक समान मंच तैयार करता है। 100% तक की छात्रवृतियाँ दी जाएंगी ताकि प्रतिभाशाली छात्रों को उनके सपनों को पूरा करने में पूरा सहयोग मिल सके।"

चार दशकों की गौरवपूर्ण विरासत के साथ, नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस लगातार शैक्षणिक उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित कर रही है। "आपका सपना, हमारा सपना" के मूलमंत्र पर विश्वास रखते हुए नारायणा छात्रों को उनकी अकादमिक और व्यक्तिगत सफलता की दिशा में प्रेरित करता है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।